राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

वर्ष : 05 अंक 22
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/– रू.
UPHIN/2014/67765

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

लखनऊ
बुधवार, 14 नवम्बर 2018
www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

राम मंदिर को लेकर कांग्रेस पर बरसे योगी, कहा– राहुल को केवल बाबर की चिंता!

लोरमी (छत्तीसगढ़)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राममंदिर का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस से यह बताने को कहा कि उसे भगवान राम की चिंता है या मुगल बादशाह बाबर की। आदित्यनाथ ने राज्य में पहले चरण के चुनाव के लिए प्रचार के अंतिम दिन यहां चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कांग्रेस ने राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते हुए राजनीतिक लाभ के लिए छत्तीसगढ़ और झारखंड में खुलेआम तथा चोरी–छिपे नक्सलवाद को बढ़ावा दिया। । मुख्यमंत्री ने कहा कि खनिज का भंडार और वन संपदा होने के बावजूद छत्तीसगढ़ कांग्रेस के शासन

में 'गरीब, पिछड़ा और बीमारू राज्य' रहा। 'बीमारू'– शब्द बिहार, मध्य प्रदेश,राजस्थान और उत्तर प्रदेश के पहले शब्द से 1980 के मध्य में गढ़ा गया था और इसका आशय इन राज्यों में खराब आर्थिक स्थिति से था। योगी ने कहा, ''आज वन संपदा का इस्तेमाल स्थानीय लोगों के कल्याण में हो रहा है। आदिवासियों और वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विकासात्मक योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस ने अपने लाभ के लिए नक्सलवाद को बढ़ावा दिया लेकिन जब यह लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन गया तो वह भाजपा थी जिसने कड़ाई से इससे निपटा। कांग्रेस नक्सलवाद को खुलेआम और चोरी छिपे बढ़ावा देती रही है।'' आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए कहा, '' कांग्रेस ने अपने लाभ के लिए देश की सुरक्षा से खुलवाड़ किया। चाहे वह छत्तीसगढ़ हो या झारखंड जहां नक्सलियों को शरण देने का मुद्दा हो अथवा राजनीतिक लाभ के लिए कश्मीर जैसे राज्यों का इस्तेमाल का। लेकिन भाजपा के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा अहम है इसलिए(इसने)इससे खिलवाड़ कभी स्वीकार नहीं किया।'' उन्होंने कहा कि ऐसा कोई दिन नहीं है जब कश्मीर में सुरक्षा बलों द्वारा कम से कम दो या तीन आंतकवादियों को ढेर नहीं किया जाता हो अथवा वह सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण नहीं करते हों। इसी प्रकार कोई ऐसा दिन नहीं गुजरता जहां नक्सल प्रभावित राज्यों में लोगों को राज्य सरकारों द्वारा पूरी सुरक्षा मुहैया नहीं कराई जाती हो। उन्होंने कांग्रेस को घेरते हुए कहा, ''कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए कि उनका संबंध (भगवान) राम से है या विदेशी आक्रमणकारी बाबर से। कांग्रेस के पास देश के सम्मान और स्वाभिमान के संबंध में कोई विचार नहीं है।कांग्रेस ने हमेशा देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया और अब वोट के लिए आपके सामने आ रहे हैं।''

गौरतलब है कि 90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए 12 और 20 नवंबर को दो चरण में मतदान होना है।

रमन सिंह सरकार ने छत्तीसगढ़ को लगभग नक्सलवाद मुक्त बना दिया है: शाह

रायपुर। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने शनिवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में रमन सिंह की

सरकार ने राज्य को नक्सलवाद से ष्लगभग मुक्तष् कर दिया है और इसे बिजली और सीमेंट उत्पादन के हब के रूप में विकसित किया है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि नक्सलवाद को क्रांति का माध्यम समझने वाली पार्टी छत्तीसगढ़ का कोई भला नहीं कर सकती। शाह ने भरोसा जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में इस महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर लगातार चौथी बार सरकार बनाएगी।

12 नवंबर को होने वाले पहले चरण के चुनाव से पहले पार्टी का घोषणा–पत्र जारी करने के बाद यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुये शाह ने कहा, ''मुख्यमंत्री रमन सिंह के नेतृत्त्व में भाजपा सरकार ने नक्सलवाद को नियन्त्रित किया है और राज्य को इससे लगभग मुक्त कर दिया है।''उन्होंने कहा कि पहले बीमारू राज्य(आर्थिक रूप से पिछड़े) में गिना जाने वाला छत्तीसगढ़ अब ''बिजली और सीमेंट उत्पादन केंद्र'' बन गया है। उन्होंने राज्य के विकास के लिए शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए रमन सिंह सरकार की जमकर प्रशंसा की। शाह ने कहा, ''पिछले 15 वर्षों से राज्य के विकास के लिए अथक काम करना एक बड़ी चुनौती है। मुझे विश्वास है कि भाजपा लगातार चौथी बार जीत दर्ज कर सरकार बनाएगी।''उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की है और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को भ्रष्टाचार मुक्त बनाया है। 90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा का चुनाव दो चरणों में 12 और 20 नवंबर को होगा। चुनाव परिणाम की घोषणा 11 दिसंबर को की जाएगी।

गुजरात के कच्छ में भूकंप का हल्का झटका

अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ जिले में शनिवार को दोपहर में भूकंप का झटका महसूस किया गया जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.1 दर्ज की गयी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान की अभी तक कोई खबर नहीं है।

गांधीनगर स्थित भूकंप अनुसंधान संस्थान के एक अधिकारी ने बताया कि दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। इसकी तीव्रता 3.1 थी। इसका केंद्र जिले के भचाऊ से 14 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में था। उल्लेखनीय है कि जनवरी 2001 में कच्छ जिले में विनाशकारी भूकंप आया था जिसमें हजारों लोगों की मौत हो गयी थी और लाखों मकान नष्ट हो गए थे।

छत्तीसगढ़ में अमित शाह ने बीजेपी का घोषणा पत्र जारी किया, जानें बड़ी बातें

देश में चुवानी महौल है 2018 में 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने है और 2019 में लोकसभा। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने है उसमे से एक राज्य है छत्तीसगढ़ चुनावी एंगल से छत्तीसगढ़ जीतना दोनों पार्टी कांग्रेस और बीजेपी के लिए जारूरी है। इसी लिहाज से दोनो पार्टियों मे जनता को रिझाने के लिए अपने घोषणा पत्र में तरह–तरह के वादे किये जा रहे है। कल मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने घोषणापत्र जारी किया तो आज छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने अपना घोषणापत्र रिलीज किया हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने घोषणा पत्र जारी करते हुए राज्य और देश में अपनी पार्टी की उपलब्धियां गिनाई। अमित शाह ने कहा कि रमन सिंह सरकार ने पिछले 15 वर्षों में छत्तीसगढ़ को विकसित करने के लिए सभी संभव प्रयास किए हैं। शाह ने आगे कहा कि बीजेपी के शासनकाल में छत्तीसगढ़ बामारु राज्य से विकसित राज्य बना। नक्सलवाद पर नकेल को अमित शाह ने डॉ रमन सिंह सरकार की बड़ी कामयाबी बताई। इस दौरान कांग्रेस पर हमला करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस ने करीब–करीब 55 साल शासन किया है लेकिन देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने का काम केंद्र की मोदी सरकार और राज्य में भाजपा सरकारें कर रही है। अमित शाह ने इस दौरान नक्सलवाद और कांग्रेस पर जमकर प्रहार किया। अमित शाह ने कहा कि जिस पार्टी को नक्सलवाद में क्रांति दिखाई देती हो वो छत्तीसगढ़ का भला नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि उन्हें नक्सलवाद में क्रांति नहीं दिखाई देती है।

छत्तीसगढ़ में चौथी बार मैदान फतह करने की कोशिश कर रही बीजेपी के चार स्टार प्रचारक आज लगभग दर्जन भर रैलियां करेंगे। बीजेपी की ओर से अमित शाह, सुषमा स्वराज, योगी आदित्यनाथ और बाबुल सुप्रियो रैलियों और जनसभाओं की झड़ी लगा रहे हैं। छत्तीसगढ़ किले को बीजेपी से छीनने की कोशिश कर रही कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की भी आज राज्य में तीन रैलियां हैं। राहुल गांधी ने शुक्रवार को राजनांदगांव में कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी कर वादों की झड़ी लगा दी थी। शनिवार को भी राहुल छत्तीसगढ़ में तीन रैलियां कर रहे हैं। राहुल गांधी आज कांकेर, कोठगोदाम और जगदलपुर में रैलियां करेंगे।

जरूरी बातें जो अमित शाह में प्रेस कॉफ्रेंस में बोली–

कांग्रेस ने करीब–करीब 55 साल शासन किया है लेकिन देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने का काम केंद्र की मोदी सरकार और राज्य में भाजपा सरकारें कर रही है रू राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की मुख्य सिफारिश डेढ़ गुना लागत मूल्य को स्वीकार किया रू राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री /कततंउंदेपदही जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में 184 नए एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल बनाए गएरू राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस के झूठे प्रचार से लड़ते हुए जनकल्याण के कार्य में लगे रहना बड़ी बात है रू राष्ट्रीय अध्यक्ष आज हर घर के अंदर बिजली पहुंचाने की दिशा में छत्तीसगढ़ आगे निकला है रू राष्ट्रीय अध्यक्ष धान की खरीदी को 5 लाख मीट्रिक टन से 70 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचाने का काम रमन सिंह सरकार ने किया हैः राष्ट्रीय अध्यक्ष

राफेल की कीमत सब जानते हैं, लेकिन सरकार कोर्ट को नहीं बता सकतीः राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष

राहुल गांधी ने राफेल सौदे को लेकर शनिवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर फिर निशाना साधा और तंज करते हुए कहा कि इस लड़ाकू विमान की कीमत सब जानते हैं लेकिन सरकार इसे राष्ट्रीय गोपनीयता का विषय कह रही है और इस बारे में उच्चतम न्यायालय को भी नहीं बता रही है। गांधी ने एक खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, श्प्रधानमंत्री जानते हैं, अनिल अंबानी जानते हैं, फ्रांस्वा ओलांद जानते हैं और एमैनुएल मैक्रों भी जानते हैं। हर पत्रकार जनता है। रक्षा मंत्रालय के बाबू जानते हैं। पूरा दसाल्ट जानता है। दसाल्ट के सभी प्रतिस्पर्धी जानते हैं।श उन्होंने कहा, श्लेकिन राफेल की कीमत राष्ट्रीय गोपनीयता है जिसका खुलासा उच्चतम न्यायालय में भी नहीं हो सकता।श गांधी ने जो खबर शेयर की है उसके मुताबिक वायुसेना को मिल रहे 36 राफेल विमानों की कीमत पहले की प्रस्तावित कीमत से 40 फीसद अधिक है।

दिल्लीः रोहिणी के झुग्गी बस्ती में 70 झोपड़ियां जल कर खाक

नयी दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी इलाके में एक झुग्गी बस्ती में आग लगने से करीब 70 झोपड़ियां जल कर खाक हो गयीं। दिल्ली दमकल सेवा ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात आग लगने की यह घटना हुई। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दमकल सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रात 12 बजकर 18 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली और 14 दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर रवाना किया गया।

मानव संसाधन के विकास के लिए बिहार में माहौल नहींः कुशवाहा

पटना। केंद्रीय मंत्री एवं रालोसपा प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में मानव संसाधन के विकास का कोई माहौल नहीं है क्योंकि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव है। कुशवाहा ने कहा, ''बिहार जैसे प्रदेश में मानव संसाधन के विकास के बगैर कुछ नहीं किया जा सकता है। प्रदेश में मानव संसाधन के विकास का कोई माहौल नहीं है क्योंकि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव है।'' मंत्री ने पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''सरकारी स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों में गुणवत्ता वाले शिक्षकों की कमी है। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में गुणवत्ता परक शिक्षा में रूकावट पैदा हो रही है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री कुशवाहा ने कहा कि उनकी पार्टी ने शिक्षा प्रणाली सुधारने में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिये उनके बीच जागरूकता फैलाने को लेकर कई सामाजिक कार्यक्रमों की शुरूआत की है। उन्होंने कहा, ''बडी संख्या में प्रदेश में ऐसे शिक्षक हैं जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध नहीं करा सकते हैं इसलिए ऐसे शिक्षकों का तबादला राज्य के अन्य सरकारी विभागों में कर दिया जाना चाहिए।

कर्नाटक में कड़ी सुरक्षा के बीच सरकार मना रही टीपू जयंती

बेंगलूर। कर्नाटक सरकार शनिवार को 18वीं सदी में मैसूर साम्राज्य के शासक रहे टीपू सुल्तान की जयंती मना रही है। भाजपा और कई हिंदू संगठनों द्वारा दी गई विरोध प्रदर्शन की धमकी के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा के बीच टीपू जयंती मनाई गई। टीपू को ''धार्मिक रूप से कट्टर'' करार देते हुए भाजपा की प्रदेश इकाई ने जेडीएस–कांग्रेस गठबंधन सरकार से टीपू जयंती नहीं मनाने को कहा था। एहतियात के तौर पर कर्नाटक के कई जिलों में निषेधाज्ञा लागू की गई है। अधिकारियों ने बताया कि न तो टीपू जयंती के समर्थन और न ही इसके विरोध में

जुलूस निकालने की अनुमति दी जा रही है। कोडागू और चित्रदुर्ग जिलों, तटीय जिलों सहित अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा के चाक–चौबंद इंतजाम किए गए हैं। इन इलाकों में स्थानीय लोग टीपू जयंती के विरोध में बताए जा रहे हैं। साल 2015 में जब पहली बार आधिकारिक तौर पर टीपू जयंती मनाई गई थी तो कोडागू जिले में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और हिंसा हुई थी। इस बार भी यहां टीपू जयंती होराटा समिति ने शनिवार को बंद बुलाया है। कोडागू की पुलिस अधीक्षक सुमना डी पणेक्करा ने पत्रकारों को बताया कि अब तक हालात शांतिपूर्ण हैं और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं ताकि कोई अनहोनी न होने पाए। उन्होंने कहा कि किसी को भी दुकान और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद कराने की इजाजत नहीं दी जाएगी। बेंगलूर के पुलिस आयुक्त टी. सुनील कुमार ने कहा, ''(बेंगलूर में) विधान सौध के आसपास करीब 500 पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को तैनात किया गया है। शहर के अलग–अलग जोन के पुलिस उपायुक्त अपने–अपने अधिकार क्षेत्र में सुरक्षा के प्रभार में रहेंगे। करीब 15,000 पुलिसकर्मी शहर की निगरानी करेंगे।'' विधान सौध में टीपू जयंती उप–मुख्यमंत्री जी. परमेश्वर की मौजूदगी में मनाई जाएगी। मुख्यमंत्री एच. डी. कुमारस्वामी स्वास्थ्य कारणों से इस कार्यक्रम में मौजूद नहीं रहेंगे। टीपू जयंती समारोह की सफलता की शुभकामनाएं देते हुए कुमारस्वामी ने शनिवार को एक बयान में कहा, ''प्रशासन में टीपू द्वारा किए गए प्रगतिशील उपाय, नवोन्मेष को लेकर उनकी कोशिशें सराहनीय हैं।'' उन्होंने कहा कि वह डॉक्टर की सलाह पर आराम कर रहे हैं। वह कार्यक्रम में हिस्सा लेने में अक्षम हैं। बयान में कहा गया, ''इसका खास मतलब निकालना गैर–जरूरी है। यह भी सच्चाई से कोसों दूर है कि वह (मुख्यमंत्री) सत्ता गंवाने के डर से इसमें हिस्सा नहीं ले रहे।''कुमारस्वामी की अगुवाई वाली कांग्रेस–जेडीएस गठबंधन सरकार के सत्ता में आने के बाद पहली बार टीपू जयंती मनाई जा रही है।

भारत, रूस ने अफगान नीत शांति प्रक्रिया का समर्थन कियाः डिप्टी एनएसए

नयी दिल्ली। उप राष्ट्रीय सुरक्षा सुलाहकार (डिप्टी एनएसए) पंकज सरन ने बुधवार को कहा कि अफगान नीत और स्वयं अफगान द्वारा चलाई जाने वाली शांति प्रक्रिया को पूरा करने की दिशा में अफगानिस्तान सरकार की कोशिशों का भारत और रूस ने समर्थन किया है। मास्को में गैर आधिकारिक क्षमता के साथ पिछले हफ्ते शुक्रवार को एक बैठक में भारत के शरीक होने के कुछ दिनों बाद सरन की यह टिप्पणी आई है। इस बैठक में तालिबान के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। ''इंडिया काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स –– रूस इंटरनेशनल अफेयर्स

काउंसिल'' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दौर में मुख्य भाषण देते हुए सरन ने कहा कि भारत और रूस ने एक दूसरे से अफगानिस्तान के विषय पर मशविरा किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने अफगानिस्तान के विषय पर मास्को (बैठक) में गैर आधिकारिक स्तर पर भाग लिया था। भारत और रूस, दोनों ही देशों ने अफगान नीत और स्वयं अफगान सरकार द्वारा चलाई जाने वाली शांति एवं सुलह प्रक्रिया के प्रति अफगान सरकार की कोशिशों का समर्थन किया है। भारत ने अफगानिस्तान में शांति वापस लाने के लिए सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन की मेजबानी रूस ने की थी। इसमें तालिबान और पाकिस्तान, चीन, ईरान सहित कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मास्को में बहुपक्षीय सम्मेलन शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद भारत ने यह स्पष्ट कर दिया था कि उसकी भागीदारी उसकी अफगानिस्तान नीति के अनुरूप है। साथ ही जोर देते हुए कहा था कि इन बैठकों में शरीक होने का मतलब तालिबान से कहीं से भी बात करना नहीं है। सम्मेलन से इतर हुई बैठक के बारे में पूछे जाने पर भारत में नियुक्त रूसी राजदूत निकोलय कुदाशेव ने यहां कहा कि किसी भी स्तर पर भारत की भागीदारी का स्वागत है। ।सरन ने ''बदलती विश्व व्यवस्था में रूस – भारत संबंध के रणनीतिक दृष्टिकोण'' विषय पर अपने संबोधन में भारत – रूस संबंधों में आर्थिक पहलू को बढ़ाने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत और रूस रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु जैसे सहयोग के पारंपरिक क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने के अलावा रेलवे, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष एवं बुनियादी ढांचा जैसे सहयोग के नये क्षेत्र तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत – रूस संबंध हाल के बरसों में प्रगाढ़ हुए हैं। इस साल के आखिर में और भी उच्च स्तरीय बैठकें होने की उम्मीद है।

यह पूछे जाने पर कि क्या भारतीय अंतरिक्ष यात्री एक रूसी यान से अंतरिक्ष में जाएगा, रूसी राजदूत ने कहा कि राकेश शर्मा ने अतीत में ऐसा किया था और इसमें कोई समस्या नहीं है कि कोई व्यक्ति अंतरिक्ष में फिर से रूसी यान में जाए, या फिर संयुक्त रूप से विकसित किए गए यान में जाए। सरन ने कहा कि भारत में कुल रूसी निवेश 16 अरब डॉलर का है। उन्होंने कहा कि प्रथम रणनीतिक आर्थिक वार्ता या आर्थिक मंच नीति आयोग और रूस के आर्थिक विकास मंत्रालय के तहत होने जा रहा है।

मांग पूरी न होने पर विवाहिता को घर से निकाला

इटावा । दहेज उत्पीड़न को लेकर ससुराल वालों द्वारा विवाहिता को प्रताड़ित किये जाने पर एंव घर से निकाले जाने पर पीड़िता के पिता ने महिला थाने में पुत्री के पति व ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इटावा फ्रेण्डस कालोनी क्षेत्र के अशोक नगर निवासी प्रताप सिंह ने महिला थाने में मामला दर्ज कराते हुए बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री की शादी शिकोहाबाद के स्वामी नगर निवासी देवेन्द्र पुत्र रमेश चन्द्र के साथ की थी। प्रताप सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी सामर्थ्य अनुसार शादी में दहेज भी दिया था। शादी में मिले दहेज से उनकी पुत्री के ससुराल वाले खुश नहीं हुए और शादी के बाद से ही पति व ससुराल वाले उनकी पुत्री से एक लग्जरी कार व 2 लाख रुपयों की मांग कर पुत्री को प्रताड़ित करने लगे। पुत्री द्वारा विरोध पर तथा मांग पूरी न होनें पर अभियुक्तों ने वादी की विवाहित पुत्री को मारपीट कर घर से निकाल दिया। अतः महिला थाना पुलिस ने प्रताप सिंह की तहरीर पर देवेश पुत्र रमेश चन्द्र सहित 07 लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस मामलें की जांच कर रही है।

एनजीटी की टीम ने बलरामपुर अस्पताल का निरीक्षण किया

लखनऊ । नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की टीम ने मंगलवार को बलरामपुर अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने यहां कूड़ा निस्तारण और साफ–सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। एनजीटी के चेयरमैन जस्टिस डीपी सिंह के नेतृत्व में टीम सुबह अस्पताल परिसर में पहुंची। अस्पताल के निदेशक डॉ. राजीव लोचन के मुताबिक टीम ने अस्पताल की साफ–सफाई व्यवस्था देखी और तारीफ भी की। कूड़े का समय पर निस्तारण और स्वच्छता के लिये किये जा रहे प्रयासों से भी उन्होंने एनजीटी की टीम को अवगत कराया।

प्रकाशोत्सव के पूर्व निकाली गई प्रभात फेरी

जौनपुर । कार्तिक पूर्णमा के दिन पड़ने वाले सिख धर्म के प्रवर्तक गुरु नानक देव के प्रकाशोत्सव के पूर्व मंगलवार को ओलंदगंज स्थित सुंदर गुरुद्वारा से ग्रंथी अरदास के बाद प्रभात भेरी निकाली गई। यह शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए रासमंडल स्थित गुरुद्वारा पहुंचकर समाप्त हुई। रास्ते में साध–संगत गुरु के चरणों में अरदास करते हुए मिटी धुंध जग चानण होआ, कल तारन गुरु नानक आया, मैं शोभा सुन के आया और ऊंचा दर वाले नानक दा भजन करते हुए चल रहे थे। सबद–कीर्तन के साथ निकली प्रभात फेरी रासमंडल स्थित गुर समापन स्थल पर ग्रंथी जीउपाल सिंह द्वारा अरदास व पाठ कराया गया। इसके बाद लंगर का आयोजन किया गया। गुरुद्वारा में अखंड कीर्तन का भी आयोजन किया गया। इसमें शामिल लोगों ने बताया कि प्रकाशोत्सव के दिन सुबह 10 बजे से रागी जत्था द्वारा कीर्तन व लंगर के बाद उस दिन सायंकाल नगर में पंच प्यारे का जुलूस व शोभा यात्रा निकाली जाएगी। यह आयोजन लगातार 23 नवंबर तक प्रतिदिन चलेगा।

किसान के मकान से चुराए जेवर

लखनऊ । किसान के मकान की दीवार में सेंध लगा कर चोरों ने जेवर पर हाथ साफ कर दिया। वहीं, एक मकान में चोरी करने का प्रयास किया। सूचना पर पहुंची मोहनलालगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर पड़ताल कर रही है। जैतीखेड़ा निवासी रमेश सिंह मंगलवार सुबह सो कर उठे तो घर की पिछली दीवार कटी मिली। उन्होंने बताया कि चोरों ने अलमारी का ताला तोड़ 95 हजार रुपए व लाखों रुपए के जेवर चोरी किए हैं। वहीं, जैतीखेड़ा निवासी बृजलाल के घर भी चोर घुसे थे। पर, आहट पाकर बृजलाल का परिवार जग गया। जिसकी वजह से चोरों को भागना पड़ा।

प्रगतिशील समाजवादी युवजन सभा के सचिव बने अजीत सिंह

लखनऊ । बंथरा के गढ़ी चुनौटी गांव निवासी अजीत सिंह को प्रगतिशील समाजवादी युवजन सभा में प्रदेश सचिव के पद पर नामित किया गया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विजय यादव द्वारा मंगलवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक बैठक में अजीत सिंह को प्रदेश सचिव नामित करते हुए विजय यादव ने विश्वास जताया कि अजीत सिंह द्वारा पार्टी के विस्तार में विशेष सहयोग किया जाएगा। उधर अजीत के नामित होने पर सरोजनीनगर व बंथरा इलाके के संगठन कार्यकर्ताओं ने अजीत सिंह को बधाई दी है।

भाजपा महिला मोर्चा ने बूथ अध्यक्षों व बूथ कमेटी को सम्मनित किया

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष दर्शना सिंह ने 15 से 15 नवम्बर तक चलने वाले बूथ चलो अभियान के अन्तर्गत आज कैन्ट तृतीय व शकर पुरवा तृतीय क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों व बूथ कमेटी को सम्मनित किया। यह जानकारी देते हुए प्रदेश मिडिया प्रभारी सुनीता बंसल ने बताया कि दर्शना सिंह ने बूथ संख्या–68, 69 व 70 के अन्तर्गत बूथ अध्यक्ष केशव शंकर गुप्ता, रोहित अवस्थी, लक्ष्मी देवी को तिलक लगाकर भाजपा का पटुका व माला पहनाकर सम्मानित किया। इसके साथ ही शंकरपुरवा तृतीय के बूथ संख्या 219, 227, 230, 231, 234, के बूथ अध्यक्षों नीलिमा त्रिपाठी, अंजली त्रिपाठी, पदत्त सिंह, आलोक व एस.पी. श्रीवास्तव को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने उदबोधन में सभी बूथ कार्यकर्ताओं को आने वाले 2019 के लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आवाहन किया। इस कार्यक्रम में प्रमुखरूप से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नीलम बाला प्रजापति, प्रदेश उपाध्यक्ष गोदावरी मिश्रा, कीर्ति शुक्ला, नगर अध्यक्ष जया शुक्ला, पार्षद हेमा सनवाल व मधुबाला त्रिपाठी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उमेश सलवाल ने की।

चोरों ने गहनों व नकदी पर साफ किया हाथ

जौनपुर । चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अलग–अलग स्थानों पर हुई चोरी की घटनाओं में चोरों ने आभूषण व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। बढ़ रहे मामलों से स्थानीय लोग भयभीत हैं। जफराबाद थाना क्षेत्र के किरतापुर ईट भट्ठे के समीप जौनपुर–केराकत हाईवे के किनारे स्थित एक घर में चोर कमरे का ताला तोड़कर आभूषण समेत नकदी उठा ले गए। पीड़ित भारत विश्वकर्मा ने घटना की सूचना पुलिस को दी है। खेतासराय के रानीमऊ गांव में सोमवार की रात सीढ़ी के रास्ते घर में घुसे चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर लाखों रुपये के मूल्य का स्त्रिर उड़ा दिया। रामबचन राजभर दुबई में रहते हैं। घर में महिलाएं ही रहती हैं। चोरों ने संदूक तोड़ उसमे रखे गहनों समेत 24 हजार रुपये नकद उठा ले गए। घरवालों का कहना है कि 22 थान जेवर चोरी हुए हैं।

यूपी टीईटी परीक्षा 18 नवम्बर को, डीएम ने नकल विहीन, शुचितापूर्ण व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दिए निर्देश

कानपुर देहात । जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में यूपी टीईटी परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त परीक्षा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि 18 नवम्बर 2018 को में जिले में 18 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होने वाली यूपी टीईटी परीक्षा को नकलविहीन एवं शांति व शुचितापूर्ण रूप से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से कटिबद्ध है और इसके लिए सभी आवश्यक तैयारी व व्यवस्थायें परीक्षा पूर्व ही सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि उक्त परीक्षा को सुव्यवस्थित और सुचारू रूप से सम्पन्न कराने में सबसे अहम भूमिका केन्द्र व्यवस्थापकों की होती है। इसलिए सम्बन्धित स्कूलों के प्राचार्य तथा केन्द्र व्यवस्थापक अपने–अपने स्कूलों में सभी आवश्यक कार्यवाही पूर्व में ही पूरी कर लें ताकि परीक्षा के समय पर किसी भी प्रकार का व्यवधान पैदा न होने पाये। व्यवस्थापक अपने–अपने केन्द्रों पर ठीक प्रकार से साफ सफाई के साथ समुचित प्रकाश, पेयजल, व शौचालय आदि की व्यवस्थाओं को दुरूस्त कर लें। उन्होंने निर्देश दिये कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। परीक्षा के समय परिवहन व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा जाए। परीक्षा केन्द्र के ईर्द–गिर्द टैम्पों व अन्य गाड़ियों की भीड़ इकट्ठा न हो सके। उन्होंने कहा कि सभी केन्द्र व्यवस्थापक व प्राचार्य प्रश्न पत्रों को प्रथम पाली के लिए सुबह 7 बजे व द्वितीय पाली के लिए 12 बजे कोषागार से प्रश्न पत्रों को प्राप्त कर लेंगे। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए कि वे जिले में स्थापित किये गये केन्द्रों का अपने स्तर से बारीकी से निरीक्षण कर लें और यदि कहीं कोई कमी प्रकाश में आती है तो संबंधित स्कूल के प्राचार्य या केन्द्र व्यवस्थापक के संज्ञान में लाकर उसे दूर करायें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि प्रत्येक केन्द्र पर समुचित सुरक्षा व्यवस्था की जायेगी। परीक्षा कक्ष में जाने से पहले सभी परीक्षार्थियों की गहन तलाशी ली जाये कोई भी परीक्षार्थी मोबाइल फोन या आपत्तिजनक वस्तु व सामग्री परीक्षा केन्द्र में ले जाने न पाये। उन्होने सम्बन्धित प्राचार्यो एवं केन्द्र व्यवस्थापकों को भी निर्देश दिए कि यूपी टीईटी परीक्षा को नकलविहीन बनाते हुए पूरी जिम्मेदारी के साथ सम्पन्न कराई जाए, जिला प्रशासन पूर्ण रूप से उनको सहयोग प्रदान करेगा। परीक्षा केन्द्रो के आसपास 200 मी0 की परिधि मे और आवश्यकता पड़ने पर उसके बाहर भी दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अंतर्गत आदेश पारित रहेंगे। इसके अलावा परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों को किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स आदि ले जाना पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगा। साथ ही परीक्षा केन्द्रो के आसपास ध्वनि विस्तारक यंत्रो का प्रयोग वर्जित रहेगा। परीक्षा 18 नवम्बर को प्रातः 10.00 से 12.30 तथा अपरान्ह 2. 30 से 5.00 बजे तक सम्पन्न होगी। तैनात अधिकारी परीक्षा के एक दिन पूर्व परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर यह सुनिश्चित कर लें कि परीक्षा से सम्बन्धित समस्त व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गयीं हैं, यदि कहीं कोई कमी रह गयी हो तो परीक्षा से पूर्व ही उसे हल करना सुनिश्चित करेंगे। परीक्षा के दिन जिला प्रशासन द्वारा तैनात केन्द्र पर्यवेक्षक व शिक्षा विभाग द्वारा तैनात केन्द्र पर्यवेक्षक परीक्षा प्रारम्भ होने से 1 घण्टा पूर्व परीक्षा केन्द्रों पर उपस्थित रहकर परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराएंगे। इस मौके पुलिस अधीक्षक राधेश्याम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व साहब लाल, एडीएम सदर आनन्द कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी अर्पित कपूर, वरिष्ठ कोषाधिकारी के.के पाण्डेय, डीआईओएस अरविन्द कुमार द्विवेदी, आदि प्रधानाचार्य व प्राचार्य, अधिकारी, डयूटी में तैनात किये गये मजिस्ट्रे आदि उपस्थित रहे।

एक दूसरे के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज

भरथना/इटावा । थाना क्षेत्र के अर्न्तगत ग्राम नगला रामफल निवासी दो पक्षों में घर के सामने बने रास्ते को लेकर विवाद हो गया। अतः दोनों पक्षों में मारपीट भी हुई। अतः दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ थाना क्षेत्र में मामला दर्ज कराया। ग्राम नगला रामफल निवासी सत्यवीर सिंह पुत्र साधों सिंह का घर के सामने बने रास्ते को लेकर उनके ही गांव के सतेन्द्र कुमार पुत्र कल्लू सिंह के साथ विवाद हो गया। जिसमें दोनों पक्षों के लोगों में गाली गलौज व मारपीट हुई। इस सम्बन्ध में दोनों पक्षों के घायल लोगों ने एक दूसरे के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई। अतः थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस मामलें की जांच कर रही है।

रिटायर एसडीएम की गैस एजेंसी से 3.41 लाख की लूट

आजमगढ़ । जहानागंज थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में रिटायर्ड एसडीएम हरीलाल की गैस एजेंसी से मंगलवार को दोपहर में बाइक सवार तीन बदमाशों ने असलहे से आतंकित कर कैशबॉक्स में रखे तीन लाख 41 हजार रुपये लूट लिये। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश हवाई फायरिंग करते हुए सठियांव की ओर फरार हो गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मौके से कारतूस का खोखा बरामद किया। शहर के कोलघाट निवासी व सेवानिवृत्त एसडीएम हरीलाल के पुत्र जगदीश चक्रवर्ती के नाम से जहानागंज–सठियांव मुख्य मार्ग पर स्थित रामपुर में दुलारी इंडेन गैस एजेंसी है। इस गैस एजेंसी पर गैन रामपुर गांव निवासी चंदन यादव पुत्र रामाश्रय यादव मैनेजर के पद पर कार्यरत है। मंगलवार को दोपहर लगभग डेढ़ बजे एजेंसी के मैनेजर चंदन अपने कर्मचारी शिवशंकर पुत्र मोती व भीमा पुत्र चेताई के साथ कैश काउंटर पर बैठकर कैश का मिलान कर रहे थे। उनका कहना है कि इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन बदमाश एजेंसी के सामने आकर रुके। उनमें से दो बदमाश एजेंसी के अंदर घुस गए, जबकि तीसरा बदमाश बाहर खड़ी बाइक पर ही बैठा रहा। अंदर घुसे दोनों बदमाशों ने असलहे से धमकाते हुए एजेंसी के कैश काउंटर में रखे लगभग तीन लाख 41 हजार रुपये नकदी लूट लिया। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश बाहर निकलकर दहशत फैलाने के इरादे से असलहे से ताबड़तोड़ तीन राउंड हवाई फायरिंग की। फायरिंग के बाद बदमाश असलहा लहराते हुए बाइक पर सवार होकर सठियांव की ओर फरार हो गए। लूट की सूचना मिलते ही सीओ सदर मुहम्मद अकमल, जहानागंज थानाध्यक्ष नदीम अहमद फरीदी पुलिस फोर्स के साथ तत्काल मौके पर पहुंच गए। सीओ ने फरार बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस की तीन टीमें रवाना की। काफी प्रयास के बाद भी लुटेरे पुलिस की पकड़ से दूर निकल चुके थे। पुलिस ने संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में वह निर्दोष पाए जाने पर पुलिस ने उसे छोड़ दिया। सीओ सदर ने बताया कि छानबीन के दौरान मौके से कारतूस का एक खोखा बरामद हुआ है। एजेंसी के मैनेजर की तहरीर पर तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

ताजमहल के पास तेंदुआ निकलने से हड़कम्प

आगरा । आधी रात को यमुना किनारा रोड पर तेंदुआ निकलने से दहशत फैल गई। जिस जगह तेंदुआ निकला वहां दिन भर वाहनों की भीड़ रहती है और हजारों लोग आगरा किला और ताजमहल देखने आते हैं। आगरा किला के पीछे तेंदुआ निकलने की सूचना पुलिस को दी गई। ये तेंदुआ डिवाइडर के पास बैठा हुआ था। इसे देखकर वाहनों को रोक दिया गया। वन विभाग की टीम को इसकी सूचना दी गई। मौके पर थाना रकाबगंज पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस और वन विभाग की टीम ने दो घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर तेंदुए को पिंजरे में कैद किया। तेंदुआ किसी वाहन की चपेट में आने से घायल हो गया है, जिसका इलाज किया जा रहा है। आगरा किला के पीछे यमना किनारा रोड पर तेंदुआ होने से सनसनी फैल गई। तेंदुआ डिवाइडर के खंभे के पास बैठा था। रेस्क्यू टीम के पहुंचते ही वाहनों की चपेट में आने से घायल हुआ तेंदुआ भागने लगा। वन विभाग की टीम ने उसे ट्रैंक्युलाइज किया और पकड़कर अपने साथ ले गई।

सभी घरों में जल्द पहुंचेगी बिजली

इटावा । भारत सरकार गांव–देहात के सभी घरों में बिजली पहुंचाने की कवायद में जुटी है। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे कराया जा रहा है। जिन लोगों के मकानों में बिजली नहीं है उनका नाम पता दर्ज किया जा रहा है, आने वाले दिनों में इनके मकानों में भी बिजली पहुंचाई जाएगी। खास बात यह कि बिजली के मामले में यह हाउस होल्ड सर्वे डाक विभाग द्वारा कराया जा रहा है। डाक विभाग के ग्रामीण क्षेत्रों में जो ग्रामीण डाककर्मी हैं उनसे यह सर्वे कराया जा रहा है। इटावा तथा औरैया जिलों में डाक विभाग के 289 ग्रामीण कर्मचारी यह सर्वे कर रहे हैं। इसे रूरल हाउस होल्ड सर्वे का नाम दिया गया है। सर्वे की इस रिपोर्ट को ऑनलाइन फीड किया जा रहा है। डाक विभाग के कर्मचारी गांव में एक–एक घर जाकर यह सर्वे कर रहे हैं। कर्मचारियों ने बताया कि जिन घरों में बिजली है उनके घरों में सर्वे नहीं किया जाना है और इनकी कोई सूचना भी दर्ज नहीं की जाएगी।

24 वें युवा महोत्सव के तहत हुई नृत्य व एंकरिंग की कार्यशाला

लखनऊ । लखनऊ महोत्सव के अंतर्गत आयोजित होने वाले 24वें युवा महोत्सव के तहत आज से नवयुग कन्या पी0जी0 कालेज में आरम्भ हुई कार्यशाला में बच्चों व युवाओं को एंकरिंग व नृत्य के गुर सीखाए गये। नृत्य व एंकरिंग की कार्यशाला का मुख्य अतिथि के रूप में उदघाटन करते हुए आकाशवाणी लखनऊ के केन्द्र निदेशक पृथ्वीराज चौहान ने कहा कि प्रतिभाओं के लिए कई रास्ते खुल गए हैं, यदि उनको सही मार्ग मिले तोवह दूर तक जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के अंदर जन्मजात प्रतिभा होती है, बस जरूरत होती है उन्हें निखारने की, युवा महोत्सव ने जो कार्यशालाओं की शुरूआत की है, वह प्रतिभाओं को निखारने का सार्थक मंच है। उन्होंने कहा कि वह वर्ष 1995 से युवा महोत्सव से जुडे हैं। इस मंच से कई प्रतिभाएं पूरे हिन्दुस्तान को मिली हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी विधा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है कि उस विधा के बारे में बारिकी से देखा और सुना जाए, तभी वह प्रतिभावान बन सकते हैं। कार्यशाला में नृत्य की बारीकी पर चर्चा करते हुए वरिष्ठ भरतनाट्यम नर्तक अमृत सिन्हा ने बताया कि नृत्य में रूट और बेसिक चीजें मजबूत होनी चाहिए, इसके अलावा थ्योरीटिकल जानकारी भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रस्तुति के लिए आवश्यक है कि कलाकार पूर्ण रूप से सुसज्जित हो यानि कपड़े, गहने, मेकअप से परिपूर्ण हो, आत्मविश्वास से भरा हो और उसकी प्रस्तुति के लिए उसके रिकार्डेड म्यूजिक तैयार हों ताकि वह अपनी सफल प्रस्तुति से लोगों को मंत्र मुग्ध कर सके। उन्होंने कहा कि लोग अपनी तकनीक पर नृत्य करें ना कि दूसरों की कापी करें। उन्होंने बताया कि आज के दौर में रियल्टी शो का क्रेज लोगों में कम हो रहा है। उन्होंने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों में अगर सुलता न मिले तो निराश नही होना चाहिए चाहे वह बच्चे हों, चाहे युवा हों या फिर उनके अभिभावक। उन्होंने बताया कि रियल्टी शो में वोटिंग सिस्टम नही होना चाहिए। इसके अलावा आज एंकरिंग की भी कार्यशाला हुई जिसमें रेडियोमिर्ची के आरजे प्रतीक ने एंकरिंग के गुर सीखाते हुए कहा कि एंकर का मतलब लोगों को बांधने का काम आना चाहिए, इसके अलावा शब्दों का उच्चारण सही होना चाहिए। इसके अलावा एंकर के पास कन्टेन्ट का भी ज्ञान होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आज एंकरिंग कई प्लेटफार्मों पर हो रही है जैसे रेडियो, टीवी, स्टेज और वेब। कार्यक्रम का संचालन मयंक रंजन और धन्यवाद ज्ञापन नवयुग पीजी कालेज की प्राचार्या डॉ सृष्टि श्रीवास्तव ने दिया।

पुलिस ने बैंकों व पोस्ट ऑफिसों में की चेकिंग

बसरेहर/इटावा । पिछले दिनों की छुट्टी के बाद बैंकें व पोस्टआफिस में उमड़ने वाली लोगों की भीड़ को देखकर तथा सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन सख्ती दिखाई दे रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार त्रिपाठी के निर्देश पर थाना पुलिस ने बैंकों व पोस्ट आफिस में पहुंचकर जेबकतरों व मनचलों पर कड़ी निगरानी रखी। इस दौरान पुलिस ने कुछ संदिग्ध लोगों की तलाशी भी ली। जिससे आम नागरिक को अपनी जानमाल की सुरक्षा में सहूलियत दिखाई दी। .दीपावली के पर्व पर आठ दिन से बैंकिंग सेवा बंद होने के बाद दुबारा सुचारू रूप से चालू होने पर थाना प्रभारी मुकेश बाबू चौहान ने कस्बा इंचार्ज हरिशंकर व पुलिसबल के साथ चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान कस्बा स्थित बैंकों व पोस्ट ऑफिस परिसर को चेक किया गया। पुलिस ने मुख्य रूप से जेबकतरों व मनचलों पर सख्त निगरानी रखी।

किसान की बेरहमी से हत्या

आगरा । थाना सिकंदरा क्षेत्र के रुनकता में किसान की बेरहमी से हत्या कर दी गई। ग्रामीणों ने जब शव को पेड़ पर लटका देखा, तो उनके होश उड़ गए। मृतक के शरीर पर पिटाई और करंट लगाए जाने के निशान देख, ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। सूचना पर पुलिस पहुंच गई, लेकिन ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पांच घंटे तक शव नहीं उठने दिया। पुलिस ने जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, इसके बाद ग्रामीण शांत हुए। थाना सिकंदरा क्षेत्र के गांव लोहकरेरा निवासी राजाराम बीती रात फसल की रखवाली के लिए खेत पर गए थे। वहीं पर बेरहमी से उनकी हत्या कर दी गई। अचानक गांव का एक युवक खेत की तरफ पहुंचा, तो राजाराम का शव फंदे से पेड़ पर लटका देख, उसके होश उड़ गए। सूचना पर परिजन भी मौके पर आ गए। परिजनों ने मामले में पास की ही दलित बस्ती के रहने वाले लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। सूचना मिलते ही थाना सिकंदरा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। राजाराम के शव की हालत देख परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। पुलिस ने शव को फंदे से उतारने का प्रयास किया, तो ग्रामीणों ने पुलिस को ऐसा करने से रोक दिया। ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री की नीति आयोग, भारत सरकार के साथ 'एक्शन प्लान फॉर उत्तर प्रदेश' की समीक्षा बैठक सम्पन्न

वर्तमान राज्य सरकार के सतत प्रयास से प्रदेश के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति : मुख्यमंत्री

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के सतत प्रयास से प्रदेश के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। स्वच्छ भारत मिशन के प्रारम्भ के समय राज्य में शौचालयों की कवरेज 23 प्रतिशत थी, जो वर्तमान में बढ़कर लगभग 99 प्रतिशत हो गई है। इस दौरान 01 करोड़ 56 लाख से भी अधिक शौचालयों का निर्माण कराया गया है। 37 जिले पूरी तरह से ओ0डी0एफ0 किए गए हैं। साथ ही, 92 हजार गांवों को भी ओ0डी0एफ0 किया गया है। 30 नवम्बर, 2018 तक राज्य में शौचालयों की शत–प्रतिशत कवरेज का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत प्रदेश के सभी गांवों तक योजना का लाभ पहुंचाया गया है। 01 वर्ष में साढ़े आठ लाख से भी अधिक आवास बनाए गए हैं। 30 नवम्बर, 2018 तक प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 10 लाख आवासों का निर्माण करा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में मुख्यमंत्री आवास योजना भी लागू की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) को भी प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में नीति आयोग, भारत सरकार के साथ 'एक्शन प्लान फॉर उत्तर प्रदेश' विषय की समीक्षा बैठक के दौरान अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को आंगनबाड़ी केन्द्रों का यथाशीघ्र विद्युतीकरण कराने, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को स्मार्ट फोन उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य एवं पोषण से सम्बन्धित कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए रिक्त पदों को शीघ्र भरे जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 01 वर्ष में राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कार्य किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'स्कूल चलो अभियान' से प्राथमिक स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। विद्यालयों को गोद लेने की व्यवस्था से 18 हजार से अधिक स्कूलों में शैक्षिक संसाधनों तथा शिक्षा की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। प्रदेश के 08 आकांक्षात्मक जनपदों के विद्यालयों में बड़ी संख्या में शिक्षकों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के हर घर तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए प्रयासरत है। पाइप पेयजल योजनाएं इसमें प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं। बुन्देलखण्ड, गंगा जी के तटवर्ती आर्सेनिक और फ्लोराइड की अधिकता वाले इलाकों तथा जापानी इंसेफेलाइटिस से प्रभावित क्षेत्रों में यह अत्यन्त उपयोगी हो सकता है। पाइप पेयजल के माध्यम से प्रदेश के निवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराकर डायरिया और जापानी इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है। साथ ही, पोषण की स्थिति में भी सुधार लाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई की सुविधा के क्षेत्र में वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में प्रभावी प्रगति की है। 20 वर्षों में पहली बार नहरों की टेल तक पानी पहुंचा है। प्रदेश सरकार ने विशेष प्रयास करके बाणसागर परियोजना को पूर्ण किया है। योजना आयोग द्वारा वर्ष 1973 में इस योजना की संकल्पना की गई थी और वर्ष 1978 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई द्वारा इसका शिलान्यास किया गया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 15 जुलाई, 2018 को यह योजना राष्ट्र को समर्पित की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत सरयू नहर परियोजना, अर्जुन सहायक परियोजना एवं मध्य गंगा नहर परियोजना द्वितीय चरण को पूर्ण कराने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। इन परियोजनाओं को दिसम्बर, 2019 तक पूर्ण करना का लक्ष्य है। इन परियोजनाओं के पूर्ण हो जाने से लगभग 16 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को सिंचन सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की सर्वत्र सराहना हो रही है। नई उद्योग नीति के साथ ही राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए 20 से अधिक नीतियां लागू की हैं। सिंगल विण्डो पोर्टल के माध्यम से उद्यमियों और निवेशकों को सुविधा मुहैया कराया जा रहा है। राज्य सरकार ने 'एक जनपद–एक उत्पाद' योजना के माध्यम से एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया है। 'एक जनपद–एक उत्पाद' योजना के तहत अभी तक 03 समिट सम्पन्न हुए हैं। इसके माध्यम से इस क्षेत्र में कार्यरत हस्तशिल्पियों, उद्यमियों को बड़ी मात्रा में ऋण सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। यू0पी0 इन्वेस्टर्स समिट–2018 के माध्यम से राज्य सरकार को प्राप्त निवेश प्रस्तावों में से 62 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा गया है। आगामी दिसम्बर माह में 01 लाख करोड़ रुपये तक के अन्य निवेश प्रस्तावों हेतु ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी की जाएगी। इससे पूर्व, बैठक को सम्बोधित करते हुए नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने कई क्षेत्रों विशेषकर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छता आदि में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के विकास पर फोकस रखकर कार्य करने के लिए उनकी प्रशंसा करते हुए नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा कि एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश द्वारा हस्तशिल्पियों और उद्यमियों को बैंक क्रेडिट की पहल सराहनीय है। उन्होंने मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय पोषण परिषद की बैठक के लिए भी आमंत्रित किया। बैठक के दौरान नीति आयोग के सलाहकार आलोक कुमार द्वारा 'एक्शन प्लान फॉर उत्तर प्रदेश' पर एक प्रस्तुतिकरण भी दिया गया। प्रस्तुतिकरण में पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, स्वच्छता एवं पेयजल, सिंचाई एवं जल संसाधन, उद्योग तथा कृषि के क्षेत्रों में प्रगति तथा उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, इन क्षेत्रों की प्रमुख चुनौतियों तथा लक्षित परिणामों पर विचार–विमर्श किया गया।

कानपुर से तीन तलाक पीड़ित महिलाओं का डाटा एकत्र करेगी भाजपा

कानपुर। केंद्र सरकार के तीन तलाक पर अध्यादेश लाने के बाद भाजपा अब पीड़ित महिलाओं की समस्याओं का समाधान करेगी। इसी कड़ी में अब ऐसी महिलाओं का डाटा तैयार किया जाएगा। इसे अभियान के रूप में चलाया जाएगा और अभियान की शुरुआत 13 नवंबर को नौबस्ता के मछरिया से होगी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की प्रदेश मंत्री डॉ. नाजिया आलम (बरेली) को इस अभियान का प्रदेश प्रमुख बनाया गया है। उन्होंने जागरण से मोबाइल पर बातचीत में कहा कि पूरे प्रदेश से ब्योरा एकत्र कर केंद्र सरकार को सौंपेंगे ताकि पीड़ित महिलाओं के पुनर्वास, उनके परिवार के भरण पोषण एवं रोजगार से जोड़ने की दिशा में काम हो सके। कानपुर में मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत सिंह छाबड़ा को जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने बताया कि 13 नवंबर को मछरिया में डॉ. नाजिया पीड़ित महिलाओं को संबोधित करेंगी।

गलत फतवा से गुमराह कर रहे तीन तलाक मामले में प्रदेश संयोजिका बनाई गई डॉ. नाजिया का कहना है कि कुछ उलमा गलत फतवा देकर समाज को गुमराह कर रहे हैं। पांच दिन 929 बूथों पर छाई रहेगी भाजपा चुनाव में जीत के लिए बूथ को अपनी ताकत बताने और समझने वाली भाजपा अपनी मुहिम भी इसी सोच के साथ शुरू कर रही है। पार्टी ने ऐसा कार्यक्रम बनाया है कि अब बूथों पर पांच दिन तक भाजपा ही छाई रहेगी। इस तरह कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ने के साथ ही क्षेत्र में माहौल बनाने की भी तैयारी है। बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने की तैयारी तो सभी दल करते हैं, लेकिन भाजपा इस दिशा में पूरी योजना के साथ काम कर रही है।

हाईकमान के निर्देश पर इस बार चुनावी मुहिम शुरू करने से पहले बूथ समिति के पदाधिकारियों के अभिनंदन का कार्यक्रम बनाया गया है। उत्तर जिला महामंत्री सुनील बजाज ने बताया कि शनिवार से बूथों पर अभिनंदन का कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। पार्टी के छोटे से लेकर बड़े पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा सेक्टर प्रमुख भी बनाए गए हैं। जिले में 929 बूथ हैं।

पांच दिन में सभी पर अभिनंदन समारोह होंगे। वहां जाने वाले पदाधिकारी इस कार्यक्रम के अलावा बूथ के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में भ्रमण कर जन संवाद भी करेंगे। साथ ही कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार से सभी को समझाने के लिए शनिवार को जिलाध्यक्ष सुरेंद्र मैथानी द्वारा एक कार्यशाला भी आयोजित की जा रही है। महामंत्री का कहना है कि पार्टी मानती है कि सबसे बड़ी ताकत बूथ का कार्यकर्ता ही है, इसलिए उनका अभिनंदन किया जा रहा है।

डिवाइडर युक्त सड़क बनाने काम ठंडा, राहगीर परेशान लगाता है जाम

फतेहपुर। नगर पालिका प्रशासन ने बिंदकी बस स्टाप से पत्थर कटा चौराहे और फिर पत्थर कटा चौराहे से शादीपुर क्रोसग तक डिवाइडर युक्त सड़क बनाने के काम की सौगात दी थी। सौगात गिनाने के बाद धनाभाव के चलते इस योजना को बिंदकी बस स्टाप से पत्थर कटा चौराहे तक सीमित कर दिया गया था। यह काम भी बीते एक माह से बंद पड़ा हुआ है। फुटपाथ के चौड़ीकरण के बाद न तो इस पर तारकोल ही डाला जा सका है और न ही बिजली के खंभे आदि हटाए जा सके हैं। कुल मिलाकर परिस्थिति चाहे जो हो पूरा काम ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। नगर पालिका ने शहरियों को बिंदकी बस स्टाफ से शादीपुर तक डिवाइडर युक्त सड़क बनाकर सौंपने के जो तोहफे का एलान किया था वह हवा हवाई साबित हो गया है। बिंदकी बस स्टाप से पत्थर कटा तक सड़क का निर्माण शुरू हो चुका है। चौड़ीकरण के काम में फुटपाथ को बोल्डर से लैश किया गया है। ठेकेदार ने पालिका के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए इस सड़क में

आधी सड़क का निर्माण कार्य कर दिया है। मौजूदा समय में पालिका की झोली में इतना धन नहीं है कि वह पूरी सड़क का निर्माण कर सके। आधी सड़क को बनाने में पालिका को सोचने लिए विवश कर दिया है। 620 मीटर सड़क, डिवाइडर बनाने के लिए पालिका ने 80 लाख रुपये की कार्य योजना बनाई थी। जिला अस्पताल से बिंदकी बस अड्डा भी बाकी जिला अस्पताल से बिंदकी बस अड्डे तक की सड़क फिलहाल प्रोजेक्ट में शामिल नहीं है। इसके लिए करीब 400 मीटर की सड़क बनवाने के लिए नगर पालिका को प्रोजेक्ट में शामिल जाना शेष है। सड़क निर्माण के लिए लगने वाले धन को लेकर पालिका प्रशासन को सोचना पड़ेगा। आमदनी के साधनों के जरिए इस सड़क का निर्माण कराना होगा। अन्यथा की स्थिति में यातयात सुगमता के लिए प्रयास नाकाफी साबित हो जाएंगे। पत्थर कटा से शादीपुर तक करना होगा इंतजार धनाभाव से जूझ रही नगर पालिका ने डिवाइडर युक्त सड़क का निर्माण कार्य कराने के लिए एलान तो कर दिया है लेकिन उसकी झोली में फिलवख्त धन नहीं है कि वह सड़क बनवा सके। धनाभाव से जूझ रही पालिका शहरियों को इंतजार करवाएगी यह तय माना जा रहा है। ढाई किमी की सड़क में करीब दो करोड़ रुपये की जरूरत होगी। इस धन को जुटाने के लिए पालिका प्रशासन को खासी मशक्कत करनी पड़ेगी तब पत्थर कटा से शादीपुर तक निर्माण कार्य हो पाएगा। वहीं डिवाइडर युक्त सड़क को लेकर शहरियों में खासा इंतजार है।यातायात की सुविधा के लिए जिला अस्पताल से शादीपुर तक डिवाइडर युक्त सड़क का निर्माण कार्य कराया जाना था। पर्याप्त धन न होने के चलते इस निर्माण कार्य को टुकड़ों में कराया जाएगा। फिलहाल इनता धन पालिका के पास नहीं है कि तुरंत काम कराया जा सके। जैसे जैसे धन की उपलब्धता होती जाएगी। सड़क का निर्माण कार्य पूरा कराया जाएगा।

आधार मजबूत करने के लिए रूठों को मनाने में जुटी बसपा, भाईचारा कमेटियां सक्रिय

कानपुर। सोशल इंजीनियरिंग के सहारे लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने की जुगत में लगी बसपा अब रूठों को मनाने में जुटी हुई है। यही नहीं दूसरी पार्टियों में उपेक्षित नेताओं को भी साथ लाने की कोशिश कर रही है। इतना ही नहीं, पार्टी ने एक बार फिर भाईचारा कमेटियों को सक्रिय कर दिया है।

लोकसभा चुनाव 2019 में हैं। इसके लिए जहां दूसरी पार्टियां जोर शोर से तैयारियों में जुटी हैं वहीं बसपा खामोशी के साथ कदम बढ़ा आधार को मजबूत करने में जुटी है। बसपा में कई ऐसे नेता हैं जो पूर्व में पार्टी के सिंबल पर विधायक बने, लेकिन अब वह पार्टी के कार्यक्रमों से दूर हैं। पूर्व में विधानसभा चुनाव लड़ चुके तमाम नेताओं को भी अब पार्टी की बैठकों में आने की फुर्सत नहीं है। ऐसे नेताओं को अब फिर से पार्टी की बैठकों में बुलाने और उन्हें यह बताने की कोशिश की जा रही है कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार के विरुद्ध माहौल बनाकर बसपा मजबूत होगी और ज्यादा से ज्यादा सीटें मिलेंगी। इसलिए वह बैठकों में आएं और नए लोगों को भी पार्टी से जोड़ें। इन नेताओं को फिर से सक्रिय करने के लिए कई बड़े नेताओं को लगाया गया है। पूर्व में पार्टी छोड़ गए नेताओं की भी वापसी कराई जा रही है। लोकसभा चुनाव लड़ चुके सलीम अहमद ने भी पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के साथ बसपा से किनारा कर लिया था, लेकिन अब उनकी वापसी हो गई है।

आपकी सेहत की देखभाल करेंगे कपड़े बताएगा दिल का हाल

कानपुर। अब कपड़ा आपके दिल का हाल बताएगा। इसमें लगे इलेक्ट्रोड्स और खास तरह के सेंसर मोबाइल पर हार्ट बीट की जानकारी देंगे। उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (यूपीटीटीआइ) सेहत की देखभाल करने वाला कपड़ा तैयार कर रहे हैं। इसके लिए सरकार से 42 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। कपड़े को दो साल के अंदर तैयार करने का लक्ष्य है। यह प्रोजेक्ट दीनदयाल योजना के अंतर्गत चलेगा। उत्पाद का पेटेंट कराया जाएगा।

इस तरह करेगा काम

केमिस्ट्री और टेक्सटाइल विभाग मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। केमिस्ट्री के प्रो. शुभंकर मैती पॉली पाईरोल (आर्गेनिक पॉलीमर) पर शोध कर चुके हैं। यह इलेक्ट्रो कंडक्टिव (इलेक्ट्रो प्रवाहकीय) होता है। इसमें मेटल आयंस को परिवर्तित करने की क्षमता रहती है। कॉटन या पॉलीएस्टर के कपड़ों पर इसकी लेयड्क्षरग की जाएगी। साथ ही इलेक्ट्रोड्स और विशेष तरह के सेंसर लगाए जाएंगे। इन सेंसर को मोबाइल से अटैच किया जाएगा।

फसलों के अवशेषों का होगा उपयोग

संस्थान के विशेषज्ञ फसलों के अवशेषों को उपयोग में लाएंगे। प्रोजेक्ट में इलेक्ट्रो कंडक्टिविटी देखी जाएगी। उनके साथ ऐसे पॉलीमर्स मिक्स किए जाएंगे, जो शरीर को नुकसान न पहुंचाए। यह कपड़े सीने से पूरी तरह से चिपके रहेंगे। जिससे हार्ट बीट पता चलती रहे।

आइआइटी से ली जाएगी मदद

प्रोजेक्ट में सेंसर को मोबाइल से कनेक्ट कराने के लिए आइआइटी से मदद ली जाएगी। कितनी धुलाई तक सेंसर और इलेक्ट्रोड्स सक्रिय रहते हैं, उसकी भी जांच हो सकेगी।

खुशबू संग इंफेक्शन का खतरा दूर

टेक्सटाइल विभाग एंटीबायोटिक कपड़े तैयार करेगा। यह छोटे बच्चों या जल्दी जल्दी बीमार पडने वाले लोगों के लिए रहेगा। इसमें खुशबू आएगी, इसे पहनने से इंफेक्शन का खतरा काफी कम होगा। घमौरियों की समस्या दूर हो सकेगी। अभी इसमें दिक्कत आ रही है कि यह कितना समय तक कारगर रहेगा। दो तीन धुलाई में ही गुणवत्ता खराब हो जा रही है।

मोबाइल रेडिएशन का खतरा होगा कम

शर्ट या पैंट की जेब में मोबाइल रखने से होने वाले नुकसान को कम करने की तरकीब भी प्रोजेक्ट में विशेषज्ञ खोजेंगे। ऐसी जेब बनाई जाएगी, जिसमें रेडिएशन का खतरा न के बराबर रहेगा। यूपीटीटीआइ के निदेशक प्रो. मुकेश सिंह ने बताया कि संस्थान को दीनदयाल योजना के अंतर्गत प्रोजेक्ट मिला है। केमिस्ट्री और टेक्सटाइल विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। ऐसे कपड़े तैयार किए जाएंगे, जिनसे दिल का हाल मिल सकेगा। इस काम में आइआइटी से भी मदद ली जा सकती है।

11 नवंबर से नहाय खाय के साथ शुरू होगी छठ मइया की पूजा

कानपुर। पुत्रों की दीर्घायु की कामना का पावन पर्व छठ पूजा 11 नवंबर को शुरू होगा। भगवान सूर्य और छठ मइया के पूजन के पर्व के पहले दिन नहाय खाय होगा। प्रथम दिन महिलाएं लौकी की सब्जी और भात (चावल) का सेवन कर पूजन पर्व का शुभारंभ करेंगी। पुत्रों की दीर्घायु की कामना वाले इस पर्व पर घाटों पर 13 नवंबर को संध्या के समय डूबते हुए सूर्य को और 14 नवंबर को उदय हो रहे सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाएं छठी माता और भगवान भास्कर का पूजन करेंगी। उदय होते सूर्य का पूजन अर्चन करने के बाद ही दो दिनों के निर्जला व्रत का पारायण वे करेंगी।

व्रत के नियम

जो महिलाएं व्रत रखती हैं वह भूमि पर सोती हैं। गेहूं और चावल को धुलने के बाद सुखाया जाता है और फिर गेहूं को चाकी पर पीस कर आटे से ठेकुआ बनाया जाता है। पिसे हुए चावल का लड्डू बनाकर छठ मइया को अर्पित किया जाता है। खरना के दिन ही घरों में डलिया में फल, नारियल आदि रखा जाता है।

इन तिथियों में पर्व

11 नवंबर : नहाय खाय के साथ ही लौकी की सब्जी बनती है और चावल बनाया जाता है। इसी दिन से पर्व शुरू होगा।

12 नवंबर : खरना के दिन व्रती महिलाएं खीर और रोटी खाकर पूजन का शुभारंभ करेंगी। इसी रात्रि से व्रत शुरू हो जाएगा।

13 नवंबर : छठ मइया के पूजन के साथ ही संध्या के समय महिलाएं घाटों पर जाएंगी और अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगी।

14 नवंबर : उदय होते सूर्य को घाटों पर अर्घ्य दिया जाएगा और फिर महिलाएं 24 घंटे के निर्जला व्रत का पारायण करेंगी।

192 वीं वर्षगांठ पर झूमेगा जिला, बोलेगा 'हैपी बर्थडे टू फतेहपुर'

फतेहपुर। सांस्कृतिक, ऐतिहासिक व पौराणिक धरोहरों को समेटे दोआबा की इस माटी को जिले का दर्जा मिले 192 वर्ष पूरे हो गए। लगभग छब्बीस लाख की आबादी वाले इस जनपद का अपना गौरवशाली इतिहास रहा है। 10 नवंबर 1826 को इस जनपद का अभ्युदय हुआ। जनपद के इतिहास को संजोने व संवारने की दिशा में अब न तो राजनीतिक इच्छाशक्ति ही दिखाई दी और न ही समाजसेवियों व इतिहासकारों ने इस पर कारगर कदम उठाने की आवश्यकता समझी। वर्ष 1801 में लखनऊ के नवाब सिराजिद्दौला, शाह आलम व ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुई संधि में इलाहाबाद सूबा अंग्रेजों को सौंप दिया गया। प्रशासनिक व्यवस्था के लिए अंग्रेजों ने संयुक्त प्रांत आगरा–अवध गठित किया। इसके बाद कड़ा व कोड़ा सरकार (जिला) के चार–चार मैहाल (तहसील) को मिलाकर जिले का खाका तैयार किया। 10 नवंबर 1814 को गंगा तट के भिटौरा गांव को सर्वे का हेड क्वार्टर बनाया गया, जिसमें अंग्रेज मजिस्ट्रेट चार्स जॉन मेडलिन व जिला जज मिस्टर जार्ज मुइनी ने चार्ज संभाला। 12 साल की कवायद के बाद फतेहपुर को मुख्यालय बनाकर 10 नवंबर 1826 को जनपद का अभ्युदय हुआ। जिले के पहले मजिस्ट्रेट मिस्टर जार्ज अलमोनी व जज मिस्टर जार्ज फ्रांसिस ब्रून बनाए गए। अंग्रेजों ने प्रशासनिक व्यवस्था के लिए अयाह–शाह, बिंदकी, धाता, एकडला, फतेहपुर, गाजीपुर, हसवां, खागा, खखरेरू, कोड़ा, कोटिया, गुनीर, मुत्तौर, टप्पाजार, कल्याणपुर को परगना का दर्जा दिया गया। यह स्थान है जिले की पहचानदसवीं शताब्दी के तेंदुली, कोरारी, ठिठौरा, सरहन बुजुर्ग, धमिनाखुर्द, बहुआ में ईंट के बने मंदिर, पौराणिक स्थलों में असनी, शिवराजपुर, अश्वस्थामा मंदिर असोथर, आदमपुर, भृगुधाम भिटौरा, ऐतिहासिक में बावनी इमली, ठाकुर दरियांव सिह, डिप्टी कलेक्टर हिकमततुल्ला, फसिया बाग, खजुहा की बागबादशाही, कोड़ा जहानाबाद का पुल व मकबरा, कोतवाली के बगल व अमौली की मस्जिद आदि हैं। जागरण ने शुरू की थी पहल जिले का बर्थडे लोग भूले हुए थे। 192 साल पुराने इतिहास को स्मृति में लाकर विकास के संकल्प के रूप में दैनिक जागरण ने दस नवंबर 2016 को 190 बरस का हुआ फतेहपुर शीर्षक पर खबर प्रकाशित की। इसके बाद युवा विकास समिति व साहित्यकारों ने पहल कर बर्थडे मनाना शुरू किया।

6 दैनिक जागरण कानपुर, 10 नवंबर 2016

190 बरस का हुआ फतेहपुर

फतेहपुर, जागरण संवाददाता: फतेहपुर जनपद की स्थापना को 190 वर्ष बीतने को हैं लेकिन शायद ही किसी को जनपद के इतिहास के बारे में जानकारी होगी। सांस्कृतिक, ऐतिहासिक व पौराणिक धरोहरों को समेटे जनपद की माटी में स्थापना दिवस भी नहीं मनाया जा सका। लगभग छब्बीस लाख की आबादी वाले इस जनपद का अपना गौरवशाली इतिहास रहा है। 10 नवंबर 1826 को इस जनपद का अभ्युदय हुआ। जनपद के इतिहास को संजोने व संवारने की दिशा में अब न तो राजनीतिक इच्छाशक्ति ही दिखाई दी और न ही समाजसेवियों व इतिहासकारों ने इस पर कारगर कदम उठाने की आवश्यकता महसूस की। जनपद के गौरवशाली इतिहास पर नजर दौड़ाने पर परत दर परत इतिहास के पन्ने खुलते चले गए। वर्ष 1801 में लखनऊ के नवाब सिराजिद्दौला, शाह आलम व ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुई संधि में इलाहाबाद सूबा अंग्रेजों को सौंप दिया गया। प्रशासनिक व्यवस्था के लिए अंग्रेजों ने संयुक्त प्रांत आगरा-अवध गठित

खजुहा स्थित शहीद स्मारक बावनी इमली। जागरण

किया। इसके बाद कड़ा व कोड़ा सरकार (जिला) के चार-चार मैहाल (तहसील) को मिलाकर जिले का खाका तैयार किया। 10 नवंबर 1814 को गंगा तट के भिटौरा गांव को सर्वे का हेड क्वार्टर बनाया गया, जिसमें अंग्रेज मजिस्ट्रेट चार्स जॉन मेडलिन व जिला जज मिस्टर जार्ज मुइनी ने चार्ज संभाला। 12 साल की कवायद के बाद फतेहपुर को मुख्यालय बनाकर 10 नवंबर 1826 को जनपद का अभ्युदय हुआ। जिले के पहले मजिस्ट्रेट मिस्टर जार्ज अलमोनी व जज मिस्टर जार्ज फ्रांसिस ब्रून बनाए गए। अंग्रेजों ने प्रशासनिक व्यवस्था के लिए अयाह-शाह, बिंदकी, धाता, एकडला, फतेहपुर, गाजीपुर, हसवा, खागा, खखरेरू, कोड़ा, कोटिया, गुनीर, मुत्तौर, टप्पाजार, कल्याणपुर को परगना का दर्जा दिया गया।

विशेष

- 10 नवंबर 1826 को हुआ था फतेहपुर का गठन
- जिले का स्थापना दिवस मनाकर विकास का बने एजेंडा

जिससे हम सबकी पहचान है, उसी की पैदाइश को भूले हुए हैं। अतीत से ही भविष्य बनता है, ऐसे में जिले के गौरवशाली इतिहास को संजोकर प्रशासन, जनप्रतिनिधि व जनता सभी की जिम्मेदारी बनती है कि दस नवंबर को जिले का स्थापना दिवस मनाकर विकास का एजेंडा तय किया जाए। स्कूलों में फतेहपुर के जन्मदिन मनाकर यहां के गौरवशाली स्थान असनी, बावनी इमली, एकडला, भिटौरा, अश्वस्थामा की नगरी असोथर आदि की जानकारी देकर जिले का इतिहास बताया जाए।

मनाया जाए स्थापना दिवस

- वरिष्ठ साहित्यकार डा. ओपी अवस्थी, डा. चंद्रकुमार पांडेय ने कहा कि

फाइनल में खूब हुई जोर-आजमाइश

योगी आदित्यनाथ के मंत्री ओमप्रकाश की भाजपा के मुस्लिम मंत्रियों के नाम बदलने की मांग

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ अक्सर ही आग उगलने वाले योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर को इलाहाबाद व फैजाबाद शहर का नाम बदला जाना पसंद नहीं आ रहा है। एक बार फिर ओमप्रकाश राजभर ने भारतीय जनता पार्टी पर करारा तंज कसा है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष तथा योगी आदित्यनाथ सरकार में दिव्यांग कल्याण मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि प्रदेश में कई शहर का नाम बदलने का फैसला हमारे तो गले नहीं उतर रहा है। मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने शहरों के नाम बदलने पर भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। उनका कहना है कि नाम बदलना मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए किया जा रहा नाटक है।

सरकार में रहकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले प्रदेश के मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने शहरों के नाम बदलने को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि मुद्दों से भटकाने के लिए यह सब नाटक है। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले अपने मुस्लिम नेताओं के नाम बदले।

राजभर ने कहा भाजपा ने मुगलसराय और फैजाबाद का नाम बदल दिया क्योंकि वह मुगल के नाम पर थे। सरकार में रहते हुए सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले उत्तर प्रदेश के मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने शहरों के नाम बदलने को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि मुद्दों से भटकाने के लिए यह सब नाटक है। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले अपने मुस्लिम नेताओं के नाम बदले।

उन्होंने कहा उनके पास राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन, केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी और यूपी के मंत्री मोहसिन रजा हैं। भाजपा को तो पहले इन तीनों का नाम बदलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सब नाटक जब भी पिछड़े और शोषित वर्ग अपने अधिकार मांगने के लिए अपनी आवाज बुलंद करते हैं तो उनका ध्यान भटकाने के लिए है। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों ने जो चीजें दी हैं वे किसी और ने नहीं दी हैं। राजभर ने सवाल किया, क्या हम जीटी रोड फेंक दें। लाल किला किसने बनवाया। ताज महल किसने बनवाया।

देशभर में राम मंदिर के मुद्दे पर छिड़ी बहस के बीच उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान बड़ा ऐलान किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने फैजाबाद जिले का नाम बदलकर अयोध्या किए जाने की घोषणा की है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष राजभर ने कहा कि जब भी पिछड़े और शोषित वर्ग अपने अधिकार मांगने के लिए आवाज उठाते हैं तो उनका ध्यान भटकाने के लिए यह सब किया जाता है। दिवाली के अवसर पर अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या करने की घोषणा की थी। इसके अलावा उन्होंने अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के नाम पर एयरपोर्ट और राजा दशरथ के नाम पर मेडिकल कॉलेज बनवाने की भी बात कही थी। राजभर इलाहाबाद व फैजाबाद का नाम योगी सरकार के बदले जाने को लेकर नाराज हैं। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों ने जो निर्माण कार्य देश में कराया वह किसी और ने नहीं कराया। इलाहाबाद व फैजाबाद का नाम सिर्फ इसलिए बदल देना क्योंकि वह मुगल के नाम पर हैं, सरासर गलत है। राजभर भाजपा सरकार में सहयोगी होते हुए भी कई मुद्दों पर सरकार के लिए मुसीबत साबित हुए हैं। पहले इलाहाबाद का नाम प्रयागराज और अब फैजाबाद का नाम अयोध्या करने के भाजपा सरकार के ऐलान पर भारतीय जनता पार्टी को अपने ही साथियों से विरोध झेलना पड़ रहा है।

कैसे होती है छठ पूजा, क्या है खास यहां है पूरी जानकारी

लखनऊ। समृद्धि के प्रतीक सूर्य देव के पूजन का पर्व छठ को लेकर राजधानी में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। 36 घंटे निर्जला व्रत के इस महापर्व की शुरुआत वैसे तो छोटी छठ (खरना) 12 नवंबर से शुरू हो जाएगी, लेकिन नहायखाय से 11 नवंबर से शुरू हो जाएगा। लक्ष्मण मेला स्थल पर होने वाला मुख्य आयोजन 13 और 14 नवंबर को होगा। मेला स्थल पर घाट पर सुसुबिता (छठ मइया का प्रतीक) बनाने का कार्य शुरू हो गया है तो पुरानी का रंग रोगन किया जाएगा।

ऐसे होती है पूजा

लौकी की खीर खाकर महिलाएं व्रत शुरू करती हैं। बेटा या पति बांस की टोकरी में मौसमी फल व सब्जियों को छह, 12 व 24 की संख्या में लेकर नदी या तालाबों के किनारे जाते हैं। छठ गीत गाती व्रती महिलाओं के संग अन्य महिलाएं घाट तक जाती हैं। मिट्टी की सुसुबिता (छठ मइया का प्रतीक) बनाकर पुरोहितों के सानिध्य में पूजा होती है। गन्ने के साथ ही दूध व गंगा जल से डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। दूसरे दिन उगते सूर्य की उपासना और अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है।

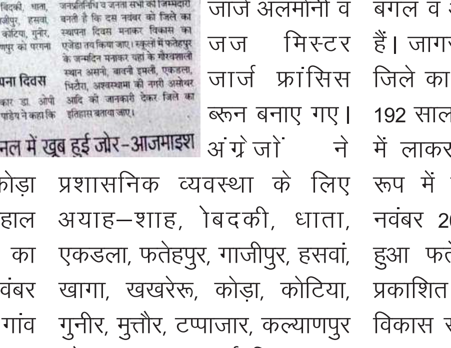

पूजन में विशेष

छठ पर्व पर परिवार में जितने पुरुष होते हैं उतने सूप से पूजा की जाती है। गाय का दूध, गन्ना, सिंघाड़ा, संतरा, सेब, मूली, नींबू, कच्ची हल्दी व चावल का बना लड्डू और रक्षा सूत्र के पुरोहित व पूज्यनीय विधि विधान से पूजन कराते हैं। महिलाएं ऐसी सड़ी या धोती पहनती हैं जिसमे काले रंग का प्रयोग न हो।

महापर्व का पहला दिन

कार्तिक मास की चतुर्थी 11 नवंबर को नहाय खाय से व्रत की शुरुआत होती है। रंजना सिंह ने बताया कि लौकी–भात (अरवा चावल) व दाल बनाई जाती है। इन दिन रसोई को पूरी तरह साफ करके व्रती महिलाएं अलग चूल्हे पर इसे पकाती हैं। दिनभर व्रत रखने के साथ ही देर शाम इसका सेवन करती हैं। परिवार का कोई भी सदस्य तब तक भोजन नहीं करता है, जब तक व्रती महिलाएं भोजन न कर लें।

व्रत का दूसरा दिन

छोटी छठ कार्तिक मास की पंचमी 12 नवंबर को दूसरे दिन व्रती महिलाएं व्रत की सामग्री की साफ सफाई के साथ ही दिनभर व्रत रखती हैं। शिवान की मूल निवासी कलावती बताती हैं कि शाम को देशी घी रसियाव (गुड़–अरवा चावल की बनी खीर) का केले के पत्ते पर सेवन करके व्रत की शुरुआत की जाती है। इसी दिन ठेकुआ के साथ ही पूजन में लगने वाली सामग्री का निर्माण भी किया जाता है। इसके बाद से इनका 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाता है। कुछ महिलाएं इस दिन घाट पर जाकर सुसुबिता की पूजा–अर्चना कर डूबते सूर्य को अर्घ्य देती हैं।

तीसरे दिन होती है मुख्य पूजानिशातगंज निवासी रेनू ने बताया कि कार्तिक मास की छठी 13 नवंबर को को मुख्य पर्व होता है। शाम को पुरुष सदस्य सिर पर टोकरी में पूजन सामग्री रखकर घाट तक जाते हैं और व्रती महिलाओं छठी मइया के गीत रास्तेभर गाती हैं। सूर्य अस्त होने से पहले सुसुबिता की पूजा करने के साथ ही महिलाएं पानी में खड़ी होकर सूर्य देव को अर्घ्य देती हैं। बिना चप्पल के नंगे पैर घाट तक जाने की परंपरा भी है। इसके साथ ही संतान सुख और शादी विवाह जैसे शुभ कार्य होने वाले घरों की महिलाएं या पुरुष परिक्रमा करके घाट तक जाते हैं। मनोकामना पूर्ण होने पर कुछ लोग बैंड बाजे ही धुन पर थिरकते हुए घाट तक जाते हैं। डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही घाटों पर आतिशबाजी भी होती है। कुछ लोग घाट पर ही रात बिताते हैं तो कुछ घर वापस आते हैं, लेकिन रातभर छठ मइया के गीत गाते हैं।

सप्तमी को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य

आलमबाग की किरन पांडेय ने बताया कि 13 की शाम की भांति एक बार फिर 14 नवंबर की सुबह पुरुष सिर पर टोकरी में पूजन सामग्री के साथ ही घाट तक जाते हैं। महिलाएं पूरब दिशा की तरफ मुंह करके उगते सूर्य को अर्घ्य देती हैं। गन्ने के संग सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाएं सभी को प्रसाद देती हैं। प्रसाद वितरण के साथ ही 36 घंटे के व्रत का पारण होता है। केरवा फरेला घवद से ओहे पे सुगा मंडराय...और कांचहि बांस की बहंगिया...जैसे छठ गीतों के संग व्रती घाटों पर जाती हैं।

सम्पादकीय

सतही समाधान से नहीं बनेगी बात

केन्द्र वित्तीय तंत्र में कर्ज, मिथकों के राक्षस रक्तबीज की तरह होता है। वह सिर्फ जगह बदलता है, बढ़ता है, मरता कभी नहीं। क्या रिजर्व बैंक की स्वायत्तता पर पंजे गड़ा कर सरकार एक बड़े कर्ज संकट का बारूद बिछा रही है? में आसीन नरेन्द्र मोदी सरकार का कार्यकाल पूरा होने को है। चुनाव की ओर बढ़ते देश की सरकार के लिए यह समय ऐसा होता है, जब वह अपने कार्यकाल के दौरान हासिल उपलब्धियों की फहरिस्त बनाने में जुट जाती है। नागरिक सरकार के कायरे की र्चचा में मशगूल हो जाते हैं। चूंकि आर्थिक मुद्दे उन्हें सीधे प्रभावित करते हैं, इसलिए सर्वाधिक र्चचा इन्हीं पर होती है। जहां तक देश के आर्थिक परिदृ श्य की बात है, तो भारतीय मुद्रा की दिनोंदिन कमजोर होती हालत चिंता का सबब बनी हुई है। इससे घरेलू उपभोग की लागत बढ़ गई है। बैंकिंग क्षेत्र और वित्तीय संस्थानों के निराशाजनक प्रदर्शन से घरेलू निवेश को झटका लगा। विदेशी निवेशक भी अपना पैसा निकालने में जुट गए। हालांकि 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आईथी, तब अस्थिर अर्थव्यवस्था उसे विरासत में मिली थी। आज स्थिति कुछ बेहतर है, लेकिन कर्ज लागत बढ़ने और घरेलू मांग घटने का अंदेशा सामने है। मूडीज इंवेस्टर्स सर्विसेज के मुताबिक, ऊंची ब्याज दर से कर्ज लागत बढ़ी है। भारतीय रिजर्व बैंक के 2019 में नीतिगत ब्याज दरों को स्थिर बनाए रखने से घरेलू मांग घटेगी। हालांकि आर्थिक वृद्धि की रफ्तार और विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति ठीकठाक है, लेकिन कुछ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कारक खतरे की घंटी बने हुए हैं। इनमें से अधिकांश तो गत लोक सभा चुनाव से पूर्व मुद्दे भी बने थे। मूडीज का कहना है कि इन कारणों से अगले कुछसालों में भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी रहेगी। मोदी सरकार के सत्ता में आने पर उम्मीद थी कि घरेलू निवेश सुधरेगा। लेकिन मार्च, 2018 में निवेश जीडीपी का मात्र 30. 8: दर्ज किया गया। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) के आंकड़े बताते हैं कि ऐसा पहली दफा हुआ है, जब इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में निजी क्षेत्र द्वारा घोषित नईपरियोजनाओं की लागत सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा घोषित परियोजनाओं की लागत से कम रही। जहां तक नियंतण्र मोर्चे का प्रश्न है, तो तीन प्रमुख कारक भारत की मौजूदा आर्थिक समस्याओं को बढ़ा रहे हैं। अमेरिकी ब्याज दरों में वृद्धि, कच्चे तेल के बढ़ते दाम और विश्व भर में व्यापार संरक्षणवाद का बढ़ती प्रवृत्ति। इनके चलते नियंतण्र निवेशक शंकाग्रस्त हैं। इनमें में से पहले दो कारक 2013–14 में भी मुद्दे बने थे। अलबत्ता, कच्चे तेल के बढ़ते दाम ऐसा मुद्दा है, जो मतदाताओं पर सबसे ज्यादा असर डालता है। इस साल अप्रैल के बाद से नियंतण्र बाजार में कच्चे तेल के दामों में 24 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इसका बड़ा कारण तेल उत्पादक देशों द्वारा उत्पादन में कटौती करने का फैसला था। कच्चे तेल के बढ़ते दामों के साथही भारतीय रुपये की गिरावट ने अर्थव्यवस्था पर दोहरी मार की। तेल का दाम प्रति बैरल एक डॉलर बढ़ने से देश का आयात बिल सीधे–सीधे 823 करोड़ रु. बढ़ जाता है। इस कारण मौजूदा वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में चालू खाता घाटा बढ़कर जीडीपी का 2.4 प्रतिशत हो गया। घरेलू मोर्चे पर भी स्थिति कोईबेहतर नहीं है। मोदी सरकार के सत्ता संभालने पर उम्मीद थी कि निवेशकों में अर्थव्यवस्था को लेकर सुधार की धारणा बनेगी। लेकिन इस लिहाज से अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। एक और समस्या है, जो मोदी सरकार के सत्तारूढ़ होने से भी पहले से अर्थव्यवस्था को हलकान किए हुए थी। बैंकिंग क्षेत्र डूबत ऋणों के बोझ तले दबा रहा है। नेशनल कंपनी लॉ ट्राइब्यूनल (एनसीएलटी) के तमाम प्रयासों के बावजूद सरकारी बैंकों को अप्रैल, 2014 से अप्रैल, 2018 के बीच तीन सौ हजार करोड़ रुपये के ऋणों को बट्टे खाते में डालना पड़ा। निजी बैंकों में भी शीर्ष स्तर पर प्रबंधन को लेकर प्रतिकूलता मंडराती रही। बैंकिंग क्षेत्रको सबसे बड़ा झटका हाल में लगा जब गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थान भी इस कतार में आ शामिल हुए। भारत की शीर्ष ढांचागत वित्त पोषक कंपनी इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंस सर्विसेज (आईएल एंड एफएस) जमाराशियों पर ब्याज का भुगतान करने में नाकाम रही। इससे डर है कि उत्पादक क्षेत्रों को ऋण मुहैया कराने का पूरा सिलसिला ही न डगमगा जाए। अर्थव्यवस्था के आठ प्रतिशत की दर से बढ़ने की बात भ्रम में डालने वाली है। मूडीज ने भी अनुमान जताया है कि 2018 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.4 फीसद रहेगी। विमुद्रीकरण और जीएसटी जैसे दोहरे झटकों के बाद अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति की स्थिति पैदा होना लाजिमी है। ऐसी स्थिति में दीर्घकालिक विकास नीति जरूरी है, न कि संकट का सतही समाधान।

श्रीलंका के घमासान पर रहे नजर

किसी भी देश की सुरक्षा, प्रगति में उसके पड़ोसियों की स्थिति, प्रकृति एवं व्यवहार की भी अहम भूमिका हो सकती है। कारण यह है कि वे शरिंग फेंस(सुरक्षात्मक घेरा) के रूप में भी प्रयुक्त हो सकते हैं, एक अवरोधक दीवार भी बन सकते हैं और किसी दुश्मन देश के मोहरे के रूप में भी इस्तेमाल हो सकते हैं। भारत के कुछ पड़ोसी देश फिलहाल ऐसी ही चुनौतियां उत्पन्न् कर रहे हैं। उन्हें प्रायरू ऐसी गैर–प्रगतिशील, रूढ़िवादी, विभाजक दुरभिसंधियों से संपन्न् देखा गया है, जो भारत को निरंतर नुकसान पहुंचा रही हैं।भारत के पड़ोसी देशों की व्यवस्थाओं में मुख्यतरू तीन चीजें समान रूप से देखी जा सकती है– स्थायित्व का संकट, राजनीति का संकटापन्न् होना और चीनी कर्ज के कारण आर्थिक संकट की आसन्नता। पाकिस्तान को यदि छोड़ दें क्योंकि वह घोषित रूप से चीन का सदाबहार मित्र है, तो भारत के अन्य पड़ोसी देशों मसलन नेपाल, श्रीलंका, मालदीव आदि में चीन अपनी शसॉफ्ट पावर के साथसत्ता–व्यवस्था को अपने उद्देश्यों के अनुसार स्थापित करने में सफल हो रहा है। जबकि भारत का प्रयास होता है कि वह मुनरो सिद्धांत के आधार अपने पड़ोसी देशों में किसी तीसरी शक्ति को सक्रिय न होने दे।पड़ोसी देशों में पिछले एक–दो साल के घटनाक्रमों पर नजर डालें। चीन पहले श्रीलंका में असफल हुआ। नेपाल में सफल हुआ और मालदीव में सफल हुआ। लेकिन अब वह श्रीलंका में पुनः सफल सफल होता दिख रहा है और मालदीव में फिलहाल असफल। क्या यह दक्षिण एशिया की नियति का परिणाम है या फिर भारतीय विदेश नीति में दूरदर्शिता और पैनेपन के अभाव का नतीजा? हाल ही में श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेना ने प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को हटाकर उनकी जगह पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को नया प्रधानमंत्री नियुक्त कर दिया। जबकि संसद के स्पीकर कारू जयसूर्या ने विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने का समर्थन करने से इनकार कर दिया। उधर बर्खास्तगी के बाद जब रानिल विक्रमसिंघे ने संसद का आपात सत्र बुलाने की मांग की तो राष्ट्रपति ने 16 नवंबर तक के लिए संसद को निलंबित कर दिया। हालांकि ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि अगले हफ्ते संसद की बैठक बुलाई जा सकती है। इस घटनाक्रम में जो भी रहा हो, लेकिन हमारे लिए पहला सवाल तो यही उठता है कि भारत के शुभचिंतक और करीबी माने जाने वाले राष्ट्रपति मैत्रीपाल ने आखिर महिंदा राजपक्षे को प्रधानमंत्री क्यों नियुक्त किया, जिनसे शत्रुता मोल लेकर वे सत्ता के शीर्ष तक पहुंचे थे? आखिर श्रीलंका में बढ़ते चीनी प्रभाव का विरोध करने वाले रानिल विक्रमसिंघे अब भारत की कूटनीतिक विजय का परिणाम माने जाने वाले राष्ट्रपति सिरिसेना की यकायक नापसंद कैसे बन गए और चीन के प्रबल समर्थक माने जाने वाले व उनके राजनीतिक दुश्मन राजपक्षे अकस्मात अच्छे कैसे लगने लगे? कहीं चीन श्रीलंका में अपने शगेम प्लान में सफल तो नहीं हो रहा है?

यदि हां, तो फिर भारत कहां पर है? सामान्यतः श्रीलंका में उपजे इस राजनीतिक संकट की पटकथा तीन वर्ष पहले उस समय लिख दी गई थी, जब चुनाव में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला था और बेमेल गठबंधन से सरकार बनी थी। दूसरा पक्ष यह है कि भारत के अधिकांश पड़ोसी देशों में लोकतंत्र बेहद कमजोर है, इसलिए वहां सेना, जनविद्रोह व न्यायपालिका मिलकर लोकतंत्र को समय–समय पर कमजोर करते रहते हैं, जिनमें एक श्रीलंका भी है। ध्यान रहे कि श्रीलंका के संविधान के अनुसार राष्ट्रपति अपनी मर्जी से किसी प्रधानमंत्री को पद से हटा नहीं सकता। यह प्रावधान 19वें संविधान संशोधन के जरिए राष्ट्रपति सिरिसेना ने ही लागू कराया था। लेकिन अब वे स्वयं ही इसका उल्लंघन करते लग रहे हैं। इस स्थिति में यह भी संभव है कि उनके पीछे अन्य संस्थाएं भी खड़ी होंगी, विशेषकर सेना और न्यायपालिका। यहां तक तो ठीक हो भी सकता है और नहीं भी, लेकिन श्रीलंका के राजनीतिक घटनाक्रम में चीन की सक्रियता चिंता व संशय उत्पन्न् कर रही है। महिंदा राजपक्षे के शपथ लेते ही यदि कोलंबो में चीन के राजदूत उन्हें बधाई देने पहुंचेंगे तो फिर इसके निहितार्थ तलाशने भी जरूरी हो जाएंगे। सब जानते हैं कि अतीत में राजपक्षे का शासन चीन के जरिए श्रीलंका का अधोसंरचनात्मक पुनर्निर्माण कर रहा था। बीजिंग ने श्रीलंका में अरबों डॉलर की बड़ी परियोजनाओं में निवेश किया है। लेकिन जब सिरिसेना सत्ता में आए तो उन्होंने राजपक्षे के कार्यकाल में शुरू की गई चीन समर्थित परियोजनाओं को अत्यधिक खर्चीली, सरकारी प्रक्रियाओं के उल्लंघन और भ्रष्टाचार का हवाला देकर रद्द कर दिया। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इन परियोजनाओं को विक्रमसिंघे के प्रधानमंत्रित्व वाली कैबिनेट ने रद्द करने की सिफारिश की थी। यही वजह है कि विक्रमसिंघे चीन की आंखों की किरकिरी बने। कुछ समय से सिरिसेना तो बदलने लगे और चीन की परियोजनाओं को पुनरू बहाल करने की राह पर चल दिए। यानी संभव है कि सिरिसेना भारत का साथ छोड़कर चीन की गोद में बैठने को तैयार हों, पर शायद रानिल विक्रमसिंघे नहीं। ऐसे में यदि सिरिसेना उन्हें यूं पद से हटा दें, तो मन में संशय तो उठेगा ही कि इसका वास्तविक सूत्रधार कहीं चीन तो नहीं? अगर श्रीलंका के राजनीतिक संकट का सार यही है तो फिर भारत के लिए यह चिंता की बात है। यह भी संभव है कि मालदीव में अबदुल्ला यामीन की हार और इबू यानि इब्राहिम मोहम्मद सोलुह की जीत को भारत ने अपनी कूटनीतिक जीत मान लिया हो और अतिउत्साह में चीन के अगले शगेम प्लानपर ध्यान ही न दे सका हो। वैसे मालदीव में भारत की कूटनीतिक विजय (यदि वास्तव में ऐसा है) को स्थायी नहीं माना जा सकता, क्योंकि 1965 में आजाद हुए इस देश ने अब तक कई बार तख्तापलट या लोकतंत्र की हत्या होते देखी है। मोमून अब्दुल गयूम का तख्तापलट करने की तीन बार कोशिश हुई, एक बार तो भारत ने ही ऑपरेशन कैक्टस के जरिए बचाया। मोहम्मद नशीद को पुलिस और सेना के विद्रोह के कारण इस्तीफा देना पड़ा। 2013 में हुए चुनाव में पहले दौर में नशीद को ज्यादा वोट मिले, मगर अदालत ने उन्हें अवैध घोषित कर दिया और अब्दुल्ला यामीन राष्ट्रपति बने। यामीन ने अपनी पुनरू जीत के 2018 में आपातकाल लगाकर राजनीति से लेकर न्यायपालिका तक को बंधक बना लिया। कारण चीन और पाकिस्तान उनके पीछे खड़े होकर ताकत दे रहे थे। अखरने वाली बात यह थी कि इस दौर में यामीन ने भारत को पूरी तरह से दरकिनार कर किया। यहां तक कि आपात स्थिति के समय भारत के हेलीकॉप्टर लेने से यह कहकर मना कर दिया कि उसकी एक्सक्लुसिव इकोनॉमिक जोन की रक्षा करने के लिए पाकिस्तान की सेना पर्याप्त है। नेपाल की मौजूदा केपी शर्मा ओली तो चीन की समर्थक है ही, जिसके कारण नेपाल अब चीन की ओर खिसकता दिख रहा है। बहरहाल, पड़ोसी देशों में जिस तरह के सियासी बदलाव दिख रहे हैं, उनमें एक खास किस्म की समानता है। उनका मंचन भले ही काठमांडू, माले या कोलंबो में हो रहा हो, लेकिन लगता यही है कि उनकी पटकथा कहीं और लिखी जा रही है। अतरू जरूरी है कि भारत इन पर पैनी निगाह रखे।

मुद्‍दों से भटकती भाजपा और गलत दिशा में रणनीतिकार

कर्नाटक उप चुनाव के बाद भले ही भाजपा प्रतिक्रिया कुछ दे रही हो लेकिन संकेत ठीक नही है। नोट बंदी, बेरोजगारी, किसानों की अनदेखी जैसे तमाम अहम मुद्‌दे है जिन पर केन्द्र सरकार अपने वायदे और संकल्प से कोसों दूर है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से अभी तक 30 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव हुए हैं। भाजपा लगातार अपनी जीती हुई सीटों को एक–एक करके हारती जा रही है। पॉच राज्यों के विधानसभा चुनाव भी इस बॉत का संकेत है कि भाजपा जनता से जुड़े मुद्‌दों से भटक गई और उसके रणनीतिकार गलत दिशा की चल दिये। नरेंद्र मोदी की अगुआई में 282 सीटों पर कमल खिलाने वाली भाजपा 1984 के बाद के 30 साल में अपने दम पर बहुमत हासिल करने वाली पहली पार्टी बनी थी। 2014 के बाद से 30 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव हुए हैं, जिनमें से 16 सीटें भाजपा के कब्जे में थीं, लेकिन अब इनमें से महज 6 सीटें ही भाजपा बरकरार रख सकी है। पार्टी ने 10 सीटें गंवा दी हैं। यही वजह है कि लोकसभा में उसकी सीटों का आंकड़ा 282 से घटकर 272 रह गया है। कर्नाटक के तीन लोकसभा और दो विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में बीजेपी को तगड़ा झटका लगा है. वहीं, जेडीएस–कांग्रेस गठबंधन अपना किला बचाने में कामयाब रही है बल्कि बीजेपी के दिग्गज नेता श्रीरामल्लू के गढ़ में जीत हासिल की है। साल 2014 में मोदी सरकार के गठन के बाद से पार्टी को लगातार उपचुनावों में शिकस्त झेलनी पड़ी है। बेल्लारी, शिमोगा और मांड्या लोकसभा सीट पर नतीजे आए हैं। इनमें से बेल्लारी, शिमोगा सीट बीजेपी के कब्जे में थी। जबकि मांड्या सीट जेडीएस के पास थी. मंगलवार को आए उपचुनाव नतीजे में बीएस येदियुरप्पा बेटे बीवाई राघवेंद्र येदियुरप्पा शिमोगा सीट से जीत हासिल कर सके हैं।बेल्लारी लोकसभा सीट से बीजेपी के दिग्गज नेता श्रीरामल्लू सांसद थे, लेकिन विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद उन्होंने लोकसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

इसके बाद हुए उपचुनाव में पार्टी ने उनकी बहन शांता को प्रत्याशी बनाया था उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार वीएस उग्रप्पा ने करारी मात दी है। मांड्या लोकसभा से जेडीएस उम्मीदवार एलआर सीवराम्मे गौड़ा ने जीत हासिल की है।बता दें कि 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से अभी तक 30 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव हुए हैं. बीजेपी लगातार अपनी जीती हुई सीटों एक–एक करके हारती जा रही है. नरेंद्र मोदी की अगुवाई में 282 सीटों पर कमल खिलाने वाली बीजेपी 1984 के बाद के 30 साल में अपने दम पर बहुमत हासिल करने वाली पहली पार्टी बनी थी। बेल्लारी– बीजेपी की सीट कांग्रेस

ने छीनी,राना– बीजेपी की सीट, आरएलडी ने छीनी, गोंदिया–भंडारा– बीजेपी की सीट, एनसीपी ने छीनी, फूलपुर– बीजेपी की सीट, समाजवादी पार्टी ने छीनी, गोरखपुर– बीजेपी की सीट, समाजवादी पार्टी ने छीनी, अलवर– बीजेपी की सीट, कांग्रेस ने छीनी, अजमेर– बीजेपी की सीट, कांग्रेस ने छीनी, गुरदासपुर कांग्रेस की जीती, 2015 में हुए तीन सीटों पर उपचुनाव में रतलाम– बीजेपी की सीट, कांग्रेस ने छीनी थी। इन उपचुनावों पर सभी की निगाहें इसलिए टिकी थीं, क्योंकि इनके नतीजों का असर कांग्रेस और जे. डी.एस. गठबंधन पर भी पड़ेगा। जहां तक भाजपा के लिए इन नतीजों का सवाल है तो कई मायनों में यह भगवा ब्रिगेड के लिए सही नहीं है। इनसे एक बात तो तय हो गई है कि पार्टी गठबंधन से लड़ने की हैसियत नहीं रखती है। यही नहीं, इन नतीजों का असर आगे 5 राज्यों में होने वाले चुनावों पर भी पड़ेगा। मई में हुए चुनावों के दौरान दोनों पार्टियां एक–दूसरे के खिलाफ लड़ी थीं, लेकिन नतीजे आने के बाद गठबंधन कर लिया था। ऐसे में, 2019 चुनाव से पहले गठबंधन की ताकत, आपसी तालमेल और जनता पर असर की परख इन चुनावों में देखने को मिली। गठबंधन के प्रदर्शन से भाजपा के लिए मुश्किल हालात पैदा हो गए हैं। ये नतीजे कर्नाटक की राजनीति के लिहाज से बेहद अहम माने जा रहे हैं। खासकर, उपचुनाव के नतीजों के बाद 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस–जे.डी.एस. मजबूत मनोबल के साथ मैदान में उतरेगी, वहीं भाजपा को एक बार फिर से अपने कार्यकर्ताओं में जोश भरना होगा। इन नतीजों से गठबंधन की राजनीति को ताकत मिलने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव शुरू हो चुके है।

अगले साल लोकसभा चुनाव होंगे। कांग्रेस–जे.डी.एस. का पहले से ही मानना है कि इन राज्यों के चुनावों पर कर्नाटक उपचुनाव का असर पड़ेगा। ऐसे में, मिली जीत गठबंधन के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। हालाकि इन उप चुनावों के परिणामों ने भाजपा के इस आकलन को गलत साबित कर दिया है। उसे वाकई में गहराई से विश्लेषण करना चाहिए। यदि यह मानकर की उप चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रचार नही किया और सीट हार गए तो यह सोचना उसके लिए 2019 में बहुत घातक हो सकता है। इन परिणामों ने आगामी चुनाव के लिए भाजपा की चुनौतियों को बढ़ा दिया है। अगर भाजपा यह मान ले कि आम जनता में ही नही बल्कि पार्टी समर्थकों और आम कार्यकर्ता में भाजपा को लेकर गिरावट और उत्साह में कमी आई है। राजनैतिक विश्लेषकों का यह कहना भी गलत नही होगा कि भाजपा के रणनीतिकार पिछले लम्बे अरसे से ठीक वैसी ही गल्ती कर रहे है जैसे की अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में हुई थी। अपने मुद्‌दो से दूर होकर सत्ता ढॉचे के प्रभाव में उससे लग रहा है कि वह जो कुछ कर रही है वही सबसे बेहतर है। भाजपा के रणनीतिकर यही मान रहे है कि मोदी सरकार ने सामाजिक उत्थान,गरीबों की उन्नति जैसे जितने काम किए उतना काम अब तक कोई सरकार नही कर पाई। अगर ऐसा होता तो उसे इन उपचुनावों में करारी हार का सामना नही करना पड़ता। दूसरे पॉच राज्यों के उप चुनाव को लेकर जो समीकरण और परिस्थितियॉ सामने है वह भाजपा के खिलाफ है। यही कारण है कि ऐन लोकसभा चुनाव के सिर पर आते एक बार फिर भाजपा राम मंदिर मुद्‌दे पर मुखर हो चली है। अगर उसने अब तक की सरकारों में सबसे ज्यादा काम किया है तो उसे एक बार फिर राम मंदिर मुद्‌दे की तरफ क्यो जाना पड़ रहा है। मोदी और शाह की जोड़ी तो सांप्रदायिक तथा तानाशाही तौर तरीके के रूप में सामने आई और इससे पिछड़े दो सालों में जनता में नाराजगी बढ़ी और उसका परिणाम सामने आया और आ रहा है। चौतरफा आर्थिक संकट, बेरोजगारी, किसानों और केन्द्र एवं राज्य कर्मचारियों की अनदेखी के बाद राफेल,सीबीआई और आरबीआई के प्रकरण ने केन्द्र की भाजपा सरकार और भारतीय जनता पार्टी को कठघरे में खड़ा कर दिया है। ऐसे में पॉच राज्यों के चुनाव परिणाम आने वाली लोकसभा का सेमी फाइनल होगा।

जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने का नतीजा

इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज यानी आईएलएंडएफएस एक विशालकाय कंपनी है। इस कंपनी के मुख्य शेयरधारक भारतीय जीवन बीमा निगम, भारतीय स्टेट बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया हैं। ये तीनों ही सरकारी उपक्रम हैं। आईएलएंडएफएस द्वारा बाजार से 91 हजार करोड़ रुपए का भारी–भरकम कर्ज लिया गया। इस धन का उपयोग कंपनी ने सड़कें, सुरंग, पुल और बिजली संयंत्र जैसी बुनियादी सुविधाओं के निर्माण में किया, लेकिन कंपनी संकट में फंस गई और इस ऋण की अदायगी नहीं कर पाई। इस ऋण को लेने में भी कंपनी ने चतुराई की।

इसे ऐसे समझते हैं कि मान लीजिए आपके पास 25 हजार रुपए की पूंजी है। आपने इस पूंजी को दिखाकर बैंक से 75 हजार रुपए का कर्ज ले लिया। इस तरह आपके पास एक लाख रुपया हो गया। इस एक लाख रुपए को आपने फिक्स डिपॉजिट करा दिया और फिर इस फिक्स डिपॉजिट को दिखाकर दूसरे बैंक से तीन लाख रुपए का कर्ज ले लिया। फिर इस तीन लाख रुपए का फिक्स डिपॉजिट कराया और तीसरे बैंक से 9 लाख रुपए का कर्ज ले लिया। इस प्रकार आपने 25 हजार की पूंजी पर लगभग 12 लाख रुपए का कर्ज ले लिया। बैंकों द्वारा सामान्यतरू ऋण पूंजी अनुपात 3रू1 रखा जाता है, यानी 25 हजार की पूंजी पर बैंक अधिकतम 75 हजार रुपए का कर्ज देते हैं। इस दृष्टि से 12 लाख रुपए के कर्ज पर आईएलएंडएफएस को चार लाख रुपए की पूंजी मुहैया करानी थी, किंतु उसने मात्र 25 हजार की पूंजी पर 12 लाख रुपए का कर्ज ले लिया। बैंकों द्वारा ऋण पूंजी अनुपात 3रू1 इसलिए रखा जाता है कि यदि कंपनी घाटे में आ गई तो पहले उसकी अपनी पूंजी का सफाया होगा और घाटे के बावजूद कर्ज की वसूली की जा सकेगी। इस काल्पनिक मामले में 12 लाख के कर्ज को 25 हजार रुपए की पूंजी पर लेने से कर्ज की सुरक्षा नहीं रह गई। यही आईएलएंडएफएस के संकट का मूल कारण है। आईएलएंडएफएस के अधिकारियों का कहना है कि सरकारी उपक्रमों पर उनका हजारों करोड़ रुपया बकाया है। सरकार द्वारा यह भुगतान न किए जाने के कारण आईएलएंडएफएस संकट में आ गई। आईएलएंडएफएस का यह कहना सही है, लेकिन मूल रूप से अपनी क्षमता से अधिक कर्ज लेने के कारण यह कंपनी संकट में फंसी है। वित्त जगत में लोग इससे वाकिफ थे कि यह कंपनी अपनी क्षमता से अधिक कर्ज ले रही है। आईएलएंडएफएस के पूर्व निदेशक एवं मारुति–सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने एक साक्षात्कार में इसकी तस्दीक भी की है कि सभी को मालूम था एक दिन आईएलएंडएफएस संकट में फंसेगी। प्रश्न है कि आईएलएंडएफएस की यह तिकड़म समय रहते सरकार और जनता को क्यों नहीं बताई जा सकी? लगता है कि एलआईसी, एसबीआई और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने भी यह छिपाया कि आईएलएंडएफएस ने अपनी क्षमता से अधिक कर्ज ले रखा है। इसका प्रमाण यह है कि जब आईएलएंडएफएस पर संकट के बादल मंडराने शुरू हुए तो उसके अध्यक्ष रवि पार्थसारथी ने इस्तीफा दे दिया। फिर एलआईसी के प्रबंध निदेशक हेमंत भार्गव इसके अध्यक्ष बने। उन्होंने भी शीघ्र इस्तीफा दे दिया। इसके बाद एलआईसी के पूर्व प्रमुख एसबी माथुर को कमान सौंपी गई। इस घटनाक्रम से पता चलता है कि एलआईसी पूरे मामले पर नजर बनाए हुई थी, लेकिन उसने भी इस स्थिति को सार्वजनिक नहीं किया। यह भी माना जा सकता है कि वित्त मंत्रालय को भी इसकी भनक लग ही गई होगी। इस संकट के गहराने के पीछे दूसरी भूमिका कंपनी के स्वतंत्र निदेशकों की है। हमारे कानून में व्यवस्था है कि मालिक या प्रवर्तकों के अतिरिक्त कुछ स्वतंत्र निदेशक कंपनी के बोर्ड में शामिल किए जाएंगे। इन निदेशकों की जिम्मेदारी है कि वे कंपनी के कार्यकलापों पर नजर रखें और जनता व शेयरधारकों को वस्तुस्थिति से अवगत कराएं। इस मामले में स्वतंत्र निदेशक भी चुप्पी साधे रहे। तीसरी भूमिका रेटिंग एजेंसियों की थी। इन एजेंसियों ने संकट आने तक आईएलएंडएफएस को ए–1 की रेटिंग दे रखी थी। फिर एक महीने के भीतर ही उसकी रेटिंग घटाकर जंक स्तर पर ले आए। यानी रेटिंग एजेंसियां भी इस मामले में अपनी भूमिका से न्याय नहीं कर पाई। एक तरह से आईएलएंडएफएस संकट कंपनी के मालिकों, स्वतंत्र निदेशकों और रेटिंग एजेंसियों के लापरवाह रवैये का नतीजा है। आईएलएंडएफएस संकट का अर्थव्यवस्था से भी संबंध है। यदि आईएलएंडएफएस ने अपनी क्षमता से अधिक कर्ज ले भी लिया तो उसकी अदायगी क्यों नहीं हो सकी? यदि उससे सड़क बनाई और उस सड़क से कमाई हुई तो फिर भुगतान तो किया ही जा सकता था। लगता है कि आईएलएंडएफएस द्वारा जो बुनियादी ढांचा बनाया गया, उससे अपेक्षित आमदनी नहीं हो पाई और इसी कारण कंपनी संकट में पड़ गई। देखना होगा कि बुनियादी ढांचे से आय क्यों नहीं हुई? अर्थव्यवस्था इस समय बड़े शहरों और बड़ी कंपनियों द्वारा ही बढ़ रही है। उन्हें देश के विस्तृत इलाके में बुनियादी ढांचे की खास आवश्यकता नहीं है। जैसे बेंगलुरु के सॉफ्टवेयर पार्क से यदि देश को आय हो रही है तो उसके लिए जम्मू से कश्मीर तक बनाई गई सुरंग का कोई अर्थ नहीं रह जाता। चूंकि देश की अर्थव्यवस्था प्रमुख शहरों में सिमट रही है, इसीलिए देश के विस्तृत इलाके में बुनियादी ढांचे का जाल बिछाने का जो प्रयास सरकार कर रही है उससे अपेक्षित राजस्व प्राप्त नहीं हो रहा है। जैसे वर्तमान में बिजली कंपनियों की हालत खस्ता है, क्योंकि बिजली की मांग कम है। कारण यह है कि हमारा आर्थिक विकास मूलतरू बड़े शहरों की चुनिंदा कंपनियों पर टिका है, जबकि शेष देश की अर्थव्यवस्था उतनी गतिशील नहीं है। अर्थव्यवस्था का केंद्रीयकरण भी आईएलएंडएफएस संकट का एक प्रमुख कारण है। देश के विस्तृत भूभाग में बुनियादी ढांचे की विशेष जरूरत नहीं रह गई है। उसे बनाने में जो निवेश किया जा रहा है, उससे अपेक्षित राजस्व नहीं मिल रहा है। अपनी क्षमता से अधिक कर्ज उठाना भी आईएलएंडएफएस के लिए आफत बन गया। ऐसे में सरकार को चाहिए कि अर्थव्यवस्था को शहरों में केंद्रित करने के स्थान पर पूरे देश में उसका विस्तार करने के लिए एक उपयुक्त रणनीति बनाए। इस मामले में एलआईसी, स्वतंत्र निदेशकों और रेटिंग एजेंसियों द्वारा जो हीलाहवाली की गई, उससे निपटने के कुछ संस्थागत उपाय किए जाएं। आईएलएंडएफएस संकट का असर हम और आप पर भी पड़ेगा। आपने जो रकम म्युचुअल फंड या जीवन बीमा पॉलिसी में लगा रखी है, उस रकम को आईएलएंडएफएस बांड में लगाया गया है। आईएलएंडएफएस के डूबने के साथ आपकी इस रकम पर भी संकट आ सकता है। इस लिहाज से यह मसला आम आदमी से भी जुड़ा हुआ है।

दो अनाथ मासूमों को मिला नया परिवार, जानें बच्चा गोद लेने के नियम व प्रक्रिया

कानपुर। दीपावली खुशियों का त्योहार है, लेकिन यह खुशियां किसी को नई जिंदगी के रूप में मिले तो कहना ही क्या। जनपद न्यायाधीश आरके गौतम की मुहर के बाद शहर के दो अनाथ बच्चों को नया घरौंदा मिला और जिम्मेदारी उठाने वाले नए मम्मी पापा भी। हालांकि इस कड़ी में छह और मासूम शामिल हैं, जिसमें तीन बेटियों को भी गोद लेने के लिए अभिभावकों ने रुचि दिखाई है। फिलहाल इन छह बच्चों के दत्तक ग्रहण पर अभी अंतिम अधिकारिक मुहर नहीं लगी है लेकिन इन बच्चों ने अपने नए परिवार में दीपावली मनाई। आप भी किसी अनाथ मासूम के जीवन में खुशियां भरना चाहते हैं तो कुछ नियमों और प्रक्रिया का पालन करके उनके मम्मी-पापा बन सकते हैं।

इनकी गोद प्रक्रिया हुई पूरी

-एक दिन का ईशू (बदला हुआ नाम) सितंबर 2017 को सुभाष चिल्ड्रेन सोसाइटी को गंभीर हालत में मिला था। कारा में रजिस्ट्रेशन होने के बाद उसे अप्रैल 2018 को हरियाणा में एक परिवार में गोद दिया गया है।

-रीशू (परिवर्तित नाम) की उम्र दो वर्ष है। उसे बेंगलुरु के एक दंपती को मई 2018 में गोद दिया गया था। विशेष दत्तक ग्रहण इकाई के समन्वयक विनय कुमार ओझा के मुताबिक नए परिवार में वह बहुत खुश है।तीन बेटियों को भी मिला नया घर

बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का असर समाज की सोच में भी दिखने लगा है। यही कारण है कि विशेष दत्तक ग्रहण इकाई से तीन बेटियों को भी गोद लेने वाले आगे आए। इन बेटियों को अपना नया घर भी मिल चुका है, लेकिन अभी अंतिम दत्तक ग्रहण प्रक्रिया में मुहर लगना शेष है।गोद लेना है तो श्कारा में करें आवेदन

बच्चों को गोद लेने के लिए भारत सरकार की केंद्रीय दत्तक ग्रहण प्राधिकरण श्कारा में दंपती आवेदन कर सकते हैं। यह आवेदन ऑनलाइन होता है जो.बंत.दपब. पद में किया जाता है। आवेदन प्रक्रिया समझने के लिए जिले की विशेष दत्तक ग्रहण इकाई में भी संपर्क कर सकते हैं।शादी के दो वर्ष बाद ही बच्चे मिलेंगे गोद

बच्चे गोद चाहिए तो शादी के दो वर्ष पूर्ण होना बेहद जरूरी है। नियम के मुताबिक आवेदक की उम्र भी 25 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। कारा में पंजीकरण कराने के लिए कुछ दस्तावेज

जैसे शादी का प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, स्थाई व अस्थाई निवास प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, मोबाइल नंबर, ई-मेल आइडी होना चाहिए। पंजीकरण कराने के बाद दंपती को वेटिंग नंबर मिलता है। नंबर आने पर बच्चा देश की किसी भी विशेष दत्तक ग्रहण इकाई से दिया जा सकता है।अनाथ बच्चों को स्वतंत्र घोषित कराने की प्रक्रिया विशेष दत्तक ग्रहण इकाई को जो बच्चे लावारिश मिलते हैं उन्हें स्वतंत्र (गोद देने के लिए) घोषित कराना होता है। इसके लिए कई चरण पूर्ण करने होते हैं।

कारा के बेबपोर्टल पर संस्था में प्रवेश के साथ 72 घंटे के भीतर बच्चे का फोटो और विवरण अपलोड किया जाता है।

-किशोर न्याय (बालकों की देखरेख व संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 38 के तहत दो वर्ष तक के बच्चों को 60 दिन में और इसके अधिक आयु के बच्चों को 120 दिन के भीतर बाल कल्याण समिति गोद देने के लिए स्वतंत्र घोषित करती है।

कारा दंपती के प्रमाण पत्रों व दस्तावेजों का अवलोकन करती है और पोर्टल पर पंजीकृत माता-पिता का मिलान बच्चे के साथ किया जाता है और स्वीकृति दी जाती है।

-भावी दत्तक माता-पिता द्वारा बालक को स्वीकार करने के उपरांत संस्था द्वारा दत्तक ग्रहण समिति की बैठक की जाती है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, चिकित्सक, अधीक्षिकाध्सामाजिक कार्यकर्ता और संस्था के प्रतिनिधि भावी दत्तक माता पिता के समस्त दस्तावेजों का अवलोकन बच्चे को पूर्व पालन पोषण के लिए उन्हें सौंप दिया जाता है।इस पूरी प्रक्रिया पर जनपद न्यायाधीश के यहां विशेष दत्तक ग्रहण इकाई के सदस्य मामला दाखिल करते हैं जिस पर पूरी सुनवाई के बाद जनपद न्यायाधीश अंतिम मुहर लगाते हैं।

राम मंदिर पर शीत सत्र में कानून ला सकती सरकार : शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद

कानपुर। जगतगुरु शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने कहा है

कि चुनाव आ रहे हैं, इसलिए सरकार को राम मंदिर याद आया, ऐसा नहीं है। हो सकता है शीत सत्र में सरकार संसद में राम मंदिर निर्माण के लिए कानून लेकर आए। सुप्रीम कोर्ट का फैसला अबतक न आने के चलते मंदिर निर्माण में देरी हुई है।

शनिवार को अजीमाबाद एक्सप्रेस से अहमदाबाद जाते समय कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर शंकराचार्य ने दैनिक जागरण से वार्ता में गंगा की निर्मलता और अविरलता पर सरकार के प्रयास कितने सार्थक हैं के सवाल पर कहा कि यह प्रयास तो 1984 से चल रहा है। अबतो गंगा के लिए अलग मंत्रालय तक बन गया है। कहा कि वाणी के अनुसार क्रिया नही हो पा रही है, सरकार की मंशा तो स्पष्ट है लेकिन निचले स्तर पर लापरवाही हो रही है। इलाहाबाद और मुजफ्फरनगर जैसे तमाम जिलों के नाम बदलने को उन्होंने प्रदेश सरकार का फैसला तारीफ के काबिल बताया।

महिला क्रिकेट की सनसनी बनी एकता, कानपुर खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित करेंगे सीएम

कानपुर। क्रिकेट में शहर के

पुरुष खिलाड़ी ही नहीं बल्कि की अब महिला खिलाड़ी भी जलवे बिखेर रही हैं। इस समय अंडर-19 की एकता सिंह शहर में महिला क्रिकेट की सनसनी बन चुकी हैं। एक सत्र में सर्वाधिक 450 रन बनाकर अंडर-19 में दूसरे व अंडर-16 में पहला स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर प्रदेश सरकार ने उन्हें कानपुर खेल रत्न अवार्ड देने की घोषणा की है। इस अवार्ड से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें सम्मानित करेंगे।

मिताली को मानती अपना आदर्श

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के मकसद से प्रदेश सरकार खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने पर खिलाड़ियों को प्रतिवर्ष सम्मानित करता है। सुपीरियर स्पिरिट्स स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से खेलने वाली एकता भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज को अपना आदर्श मानती है। एकता ने मिताली की तरह खेलने के लिए लड़कों के साथ मैदान में खेलकर खुद को निखारा है।

12 साल की उम्र से खुद को निखार रहीं हैं एकता

शहर की बेटी एकता सिंह को मिल रहे कानपुर खेल रत्न सम्मान के पीछे पूर्व रणजी खिलाड़ी राहुल सप्रू का मार्गदर्शन है। एकेडमी के सचिव सर्वेश तिवारी ने बताया कि बेटियों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एकता और सौम्या सिंह को कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा संचालित लीग में पहली बार लड़कों के साथ खेलने का मौका दिया।पहले ही मैच में खेली थी 43 रन की नाबाद पारी ओइएफ मैदान में हुए अपने पहले ही मैच में एकता ने 43 रन की नाबाद पारी खेलकर सबको अपनी भविष्य की योजना बता दी थी। उस वक्त वह महज 12 साल की थी। तब से वह लगातार सुपीरियर टीम का हिस्सा बनकर लड़कों के बीच खेलकर खुद के खेल को निखार रही है। एकता ने पिछले वर्ष अंडर-19 जोनल प्रतियोगिता में एक शतक के साथ 450 रन बनाए। एकता ने बताया कि उसकी मंजिल भारतीय क्रिकेट टीम है, जिसे वह अपनी मेहनत, बड़ों के आशीर्वाद और कानपुर के प्यार से जल्द ही हासिल कर लेगी।

शहर की हवा में आतिशबाजी का 'जहर', खतरे के निशान से कई गुना अधिक वायु गुणवत्ता सूचकांक

कानपुर। शहर की आबोहवा में दीपावली पर पटाखों और आतिशबाजी के धुएं ने जहर घोल दिया है। महज दो दिन में वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरे के निशान से कई गुना अधिक हो गया। बारूद के जलने से वायुमंडल के सबसे निचले स्तर पर पर्टिकुलेट मैटर (पीएम 10 व 2.5) का घनत्व बढ़ गया। उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने मैनुअल ढंग से वायु प्रदूषण की पड़ताल की। प्रदूषण की मात्रा 450 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से अधिक पाई गई।

यह स्तर श्वांस रोगियों के लिए नुकसानदायक है। मानक के अनुसार यह मात्रा 60 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर होनी चाहिए। प्रदूषण विभाग ने इस आंकड़े की पड़ताल शुरू कर दी है। पांचों मानीटड्क्षरग स्टेशनों की रिपोर्ट सोमवार तक आ जाएगी। शहर में आवास विकास कल्याणपुर, पनकी, विजय नगर, किदवई नगर व जरीब चौकी में स्टेशन हैं।

कल्याणपुर व विजय नगर में प्रदूषण ज्यादा

कल्याणपुर और विजय नगर के मॉनीटड्क्षरग स्टेशनों में सबसे अधिक प्रदूषण की रिपोर्ट मिली है। यहां पीएम 10 की मात्रा 500 के आसपास पहुंच गई है। अधिकारियों ने रिपोर्ट की जांच के निर्देश दिए हैं। वायु प्रदूषण के चलते शहर में स्मॉग का खतरा उत्पन्न हो जाएगा। पिछले साल भी दीपावली के बाद यह स्थिति उत्पन्न हो गई थी।आइआइटी ने शुरू की निगरानी आइआइटी के एनवायरोमेंट इंजीनियड्क्षरग विभाग के विशेषज्ञों ने वायु प्रदूषण की निगरानी शुरू कर दी है। संस्थान के बहुमंजिला भवन में मोबाइल एयर सैंपलर लगा दिए गए हैं। वहां से भी दो-तीन दिन में रिपोर्ट जारी की जा सकती है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी कुलदीप मिश्र कहते हैं कि शहर में पर्टिकुलेट मैटर स्तर 400 के ऊपर पहुंच गया है। पांचों मॉनीटड्क्षरग स्टेशनों की रिपोर्टिंग करा ली गई है। कुछ जगहों पर स्थिति काफी गंभीर मिली है। इन्हें सोमवार तक जारी कर दिया जाएगा।प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नेहरू नगर स्थित मॉनीटड्क्षरग स्टेशन के उपकरणों को दीपावली से दो दिन पूर्व कैलीब्रेट किया गया था। उसके सेंसरों में गड़बड़ी मिलने पर दिल्ली से सेंसर मंगवाए गए हैं। ऐसे में ऑटोमेटिक स्टेशन चालू नहीं हो सका। अभी यहां से रिपोर्ट जारी नहीं हो सकेगी। मैनुअली रिपोर्टिंग की जा रही है।तापमान गिरने के साथ ही शहर में प्रदूषण की धुंध छाने लगी है। बीते तीन दिन से न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने से सुबह व शाम को धुंध के बादल राहगीरों की परेशानी का सबब बन रहे हैं। शुक्रवार को भी न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के अनुसार कोहरे व धुएं संग छाई धुंध और हवा न चलने के कारण सूर्योदय के दौरान रोशनी कम रही।

तापमान गिरने के साथ नमी का प्रतिशत भी बढ़ रहा है। अधिकतम नमी की मात्रा 83 फीसद रही। नमी अधिक होने से सुबह व रात में तेजी से ओस गिरने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. नौशाद खान ने बताया कि आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान 25 डिग्री से नीचे पहुंचने की संभावना है। बीते चार दिनों में तापमान इसके करीब पहुंच भी चुका है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री तो बुधवार को 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पहाड़ों पर होने वाली बर्फबारी व वहां से आने वाली उत्तर पश्चिमी हवाओं के चलते तापमान गिरने लगा है। आने वाले 24 घंटों के दौरान शहर में हल्की से मध्यम धुंध पडने की संभावना भी है।

लखनऊ से कोटद्वार तक के रेल नेटवर्क को भूल गया रेलवे

लखनऊ, । पर्वतीय क्षेत्र कोटद्वार तक कभी दून एक्सप्रेस से आरामदायक सफर करने वाले हजारों यात्रियों की मुश्किल इन दिनों बढ़ गई है। दो साल पहले नजीबाबाद से कोटद्वार को जोडने वाला पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके चलते दून एक्सप्रेस में कोटद्वार तक जाने वाली बोगी हटा दी गई। अब एक साल हो गए पुल को दोबारा शुरू हुए, रेल नेटवर्क भी शुरू हो गया है लेकिन रेलवे दोबारा इस रूट के लिए बोगी लगाना भूल गया है। उत्तराखंड प्रवासी शिल्पकार सभा ने इसकी शिकायत गृहमंत्री राजनाथ सिंह से की है।

उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल के कोटद्वार और लखनऊ के बीच दून एक्सप्रेस ही एकमात्र ट्रेन थी। दून एक्सप्रेस में लगी अतिरिक्त बोगी नजीबाबाद में अलग कर दी जाती थी। नजीबाबाद कोटद्वार पैसेंजर में इस बोगी को जोड़कर उसे कोटद्वार भेजा जाता था। यही बोगी वापसी में रात 10 बजे दिल्ली जाने वाली पैसेंजर से नजीबाबाद लाकर इसे रात में 12 बजे देहरादून से हावड़ा जाने वाली दून एक्सप्रेस में जोड़कर लखनऊ रवाना किया जाता था। नजीबाबाद-कोटद्वार के बीच पुल दो वर्ष पहले बरसात में क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसके कारण लगभग पूरे एक वर्ष तक इस रेल मार्ग पर यातायात बंद था। रेलवे ने लखनऊ से कोटद्वार का आरक्षित टिकट अपने कंप्यूटर सिस्टम से बनाना बंदकर दिया था। ऐसे में यात्री दूसरी ट्रेनों से नजीबाबाद तक जाकर वहां से सड़क मार्ग से कोटद्वार पहुंचते हैं। वापसी में छह से सात घंटे सड़क मार्ग से वह नजीबाबाद पहुंचकर लखनऊ के लिए ट्रेनें पकड़ते हैं। नजीबाबाद में भी उनको सर्दी में इंतजार करना पड़ता है। एक साल पहले यह पुल तैयार हो गया। नजीबाबाद व कोटद्वार के बीच रेल यातायात भी शुरू हो गया है, लेकिन रेलवे अब तक 13009द10 दून एक्सप्रेस में कोटद्वार तक स्लीपर क्लास की बोगी नहीं लगा रहा है। उत्तराखंड के लोगों को हो रही दिक्कत को देखते हुए शिल्पकार सभा के महामंत्री विनोद शिल्पकार ने गृहमंत्री राजनाथ सिंह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्य मंत्री से भी बोगी को लगाने की मांग की है।

दीपावली हुई बदरंग-भतीजे को बचाने आए चाचा की पीटकर हत्या

फतेहपुर। सदर कोतवाली के गांव चकबिसौली में दीपावली की रात महिला से अपशब्द कहने पर पड़ोसी सगे भाइयों ने युवक की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। भतीजे की चीख सुनकर बचाने पहुंचे चाचा को हमलावरों ने लाठी-डंडों से पीटकर मार डाला। घटना से गांव में सनसनी मच गई। पुलिस अधीक्षक राहुलराज भी मौके पर पहुंच गए। चकबिसौली गांव निवासी बुद्धराज लोधी (30) चौराहे पर अंडा की ठेलिया लगाता है। बुधवार रात करीब नौ बजे वह ठेलिया लेकर घर आ रहा था। तभी उसने जंगल से आ रही पड़ोसी चुनबुद लोधी की पत्नी से अपशब्द कह दिए, जिससे दोनों में गाली गलौज शुरू हो गई। महिला ने घर जाकर पति, जेठ व देवरों को जानकारी दी। जिस पर चुनबुद, जबर सिंह, ननकू व राजू पुत्रगण बुद्धी लोधी रास्ते में ही लाठी-डंडे से बुद्धराज को पीटने लगे। भतीजे की चीख सुनकर पहुंचे चाचा पुत्तन लोधी (40) बीच बचाव करने लगे। जिस पर आरोपितों ने सिर पर ईट-पत्थर से प्रहार करने के बाद लाठी डंडों से पीटकर उनको मार डाला। सनसनीखेज हत्याकांड की खबर पाकर शहर कोतवाल विनोद कुमार सिंह, बाकरगंज चौकी इंचार्ज संदीप तिवारी, आबूनगर चौकी इंचार्ज कालिका प्रताप सिंह फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायल चाचा-भतीजे को सदर अस्पताल लेकर आए। जहां चिकित्सकीय टीम ने पुत्तन को मृत घोषित कर दिया। घायल बुद्धराज की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चारों हत्यारोपितों को गिरफ्तार कर लिया।पुत्तन सटोरंग का काम कर परिवार का पालन पोषण करता था। भाई की मौत के बाद उसने भाभी के साथ शादी कर ली थी। उसके दो बच्चे किरन देवी व अरोवद हैं। भतीजे बुद्धराज ने बताया कि हत्यारोपितों से पुरानी रंजिश नहीं थी और न ही कोई विवाद था। मामूली कहासुनी में चाचा को मार डाला।चकबिसौली गांव के तमाम ग्रामीण पीड़ित परिवार के साथ गुरुवार को सदर कोतवाली जा पहुंचे और आर्थिक मदद की मांग करने लगे। जिस पर कोतवाल ने उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस शव के साथ उनके गांव गई और वहां से शव का अंतिम संस्कार कराने भिटौरा तक गई।

जिले के 20 परिषदीय स्कूल बनाए जाएंगे आदर्श

बांदा। जिले में 20 परिषदीय स्कूल आदर्श बनाए जाएंगे। इन स्कूलों को आदर्श बनाने के लिए

सभी एबीआरसी और खंड शिक्षा अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन सभी स्कूलों को संसाधनों से युक्त करके शैक्षिक गुणवत्ता दुरुस्त की जाएगी। दूर से देखने में ये स्कूल अन्य स्कूलों से अलग दिखाई पड़ेंगे। यहां स्मार्ट क्लासेज के साथ ही शिक्षकों का मानक पूरा होगा। अंग्रेजी के स्पेशल पीरियड चलाने की भी योजना है।

जिले में कुल आठ ब्लाक और नगर क्षेत्र मिलाकर कुल दो हजार परिषदीय स्कूल हैं। नगर और प्रत्येक ब्लाक क्षेत्र में स्कूलों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के लिए पांच-पांच विशेषज्ञ शिक्षक एबीआरसी के पद पर नियुक्त हैं। इस तरह से जिले के सभी ब्लाकों में 40 तथा नगर क्षेत्र के पांच एबीआरसी मिलाकर जिलेभर में कुल 45 एबीआरसी के पद सृजित हैं। इनके अलावा नगर और हर ब्लाक में एक-एक खंड शिक्षा अधिकारी की नियुक्ति है। इस तरह से सभी एबीआरसी और खंड शिक्षा अधिकारी मिलाकर कुल 84 अधिकारी कर्मचारी हैं, जिन पर स्कूलों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार की जिम्मेदारी है।जिलाधिकारी हीरालाल ने सभी एबीआरसी और खंड शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में एक-एक स्कूल को आदर्श बनाने के आदेश दिए हैं।इन स्कूल परिसरों में फूल क्यारी, साफ सफाई की चाकचौबंद व्यवस्था की जाएगी। शुद्ध पेयजल व्यवस्था के लिए इंडिया मार्का हैंडपंप, बैठने के लिए दरी या फर्नीचर की व्यवस्था, स्कूल भवन की हर साल रंगाई-पुताई की व्यवस्था करनी होगी। इन स्कूलों के बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता दुरुस्त करने के लिए ये अधिकारी नियमित पीरियड लेंगे। प्रतिदिन इन स्कूलों में अंग्रेजी का विशेष पीरियड चलेगा। बेसिक शिक्षा विभाग का प्रयास रहेगा कि ये स्कूल सीबीएसई की तर्ज पर संचालित हों, जिससे अन्य स्कूल भी इनका अनुकरण करते हुए दिन प्रतिदिन गिरती बेसिक शिक्षा विभाग की छवि सुधार सकें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिश्चंद्रनाथ ने बताया कि डीएम की मंशा परिषदीय स्कूलों की पठन-पाठन व्यवस्था में सुधार करने की है। उनका प्रयास शासन की मंशा पर खरा उतरने का है। जल्द ही एबीआरसी और खंड शिक्षा अधिकारियों से स्कूलों का चयन कर उन्हें आदर्श बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। दो स्कूलों को आदर्श बनाने का काम शुरू नगर क्षेत्र में दो प्राथमिक स्कूल छत्रशाल प्रथम और अलीगंज को आदर्श बनाने का काम शुरू हो चुका है। इन स्कूलों में रंगाई-पुताई के साथ बच्चों के बैठने की व्यवस्था दुरुस्त कर ली गई है। -प्रत्येक ब्लाक से एक प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय का आदर्श के लिए चयन किया जाना है। इस बाबत बीएसए को निर्देश दिए गए हैं। 15 दिन में चयन कर रिपोर्ट मांगी गई है ताकि विद्यालयों को सभी सुविधाओं से लैस किया जा सके।

अचानक ह्रदय गति रुकने से अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम की धर्मपत्नी का हुआ निधन, आज आयोजित होगी शोक सभा

कानपुर देहात । जनपद व्यवहार एवं सत्र न्यायालय परिषद बतौर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम छंगुर राम की धर्मपत्नी का बीती रात अचानक ह्रदय गति रुक जाने के चलते जिला अस्पताल में उपचार के दौरान आकस्मिक निधन हो गया। जिस पर एकीकृत बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विश्वनाथ कटियार व महामंत्री शशिभूषण सिंह चौहान ने अस्पताल पहुंच शोक संवेदना व्यक्त की गई। वही अध्यक्ष द्वारा आज न्यायालय परिसर में आत्मा की शांति हेतु कार्य से विरत रहकर शोक सभा का आयोजन किया जायेगा। आकस्मिक निधन पर एकीकृत बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम कटियार, रमेश पांडेय, जिला बार के पूर्व महामंत्री शैलेंद्र तिवारी, अवधेश कुमार शुक्ला, पूर्व डीजीसी सिविल डी एन सचान, होरीलाल कटियार, दीपक पांडेय आदि ने जिला अस्पताल पहुंच न्यायिक अधिकारी को ढ़ाढ़स बधाते हुए मृत आत्मा की शांति की कामना की।

कानपुर देहात ईट निर्माता समिति के अध्यक्ष गोपाल अवस्थी व सर्वसम्मति से बने महामंत्री हरी शंकर गुप्त

कानपुर देहात । उत्तर प्रदेश ईट निर्माता समिति के तत्वाधान में कानपुर देहात ईट निर्माता समिति कि आज सदर नगर पंचायत स्थित रॉयल क्रिस्टल होटल में आम सभा व समिति के पुनर्गठन की बैठक आहूत की गई। जिसमें जनपद से अध्यक्ष रहे उमा शंकर बाजपेई के देहांतोपरान्त चल रहे अध्यक्ष पद व महामंत्री राम लखन कटियार द्वारा संगठन के कार्यो को कर पाने में स्वयं को अक्षम बताएं जाने के चलते दोनों पदों पर सभी पदाधिकारियों व सदस्यों की मौजूदगी में अध्यक्ष पद पर गोपाल अवस्थी व महामंत्री के पद पर हरी शंकर गुप्त को मनोनीत घोषित किया गया। रॉयल क्रिस्टल आहूत की गई कानपुर देहात ईट निर्माता समिति की पुनर्गठन बैठक में महामंत्री रहे वरिष्ठ समाजसेवी राम लखन कटियार द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की जिम्मेदारी सौंपते हुए स्वयं को संरक्षक रहने की सहमति जताई गई। आहूत की गई आम सभा बैठक में प्रमुख रूप से सर्व श्री अध्यक्ष बनवारी लाल जैन, राजू बाजपेई, देवेंद्र पांडेय, पप्पू सिंह, राम प्रकाश गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जुल्फकार अहमद, सुभाष चंद्र गुप्ता, राकेश शुक्ला, सह मंत्री देवेंद्र कनौजिया, राजन तिवारी, सह मंत्री सुरेश बाबू कटियार, कोषाध्यक्ष मो. साबिर कुरेशी, लेखा परीक्षक अश्विनी बाजपेई के साथ रायल क्रिस्टल के साकिर कुरेशी के साथ संजय तिवारी एवं बैठक का सफल संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता एड. सफी कुरेशी द्वारा किया गया।

विधि एवं न्याय मंत्री ने बूथ कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

लखनऊ । विधि एवं न्याय मंत्री ब्रजेश पाठक ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाएं तथा सरकार की उपलब्धियों के बारे में अधिक से अधिक जानकारी दें। यह बात श्री पाठक आज जुगौली गांव स्थित बूथ कार्यकर्ताओं को सम्मानित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना एवं अन्य केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं को वृहद रूप में जनता को अवगत कराएं, जिससे आम नागरिक को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। विधि एवं न्याय मंत्री ने जनता की समस्याओं को सुनते हुए उनके निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बिजली की आपूर्ति निरन्तर होनी चाहिए तथा जल निकासी की व्यवस्था और बेहतर बनाई जाए। उन्होंने कहा कि खराब सड़कों का निर्माण तत्काल होना चाहिए। इस कार्यक्रम ओम प्रकाश तिवारी, श्रीमती मंजू त्रिपाठी, राजेश श्रीवास्तव, अमर नाथ सिंह तथा क्षेत्र की भारी संख्या में जनता उपस्थित रहे।

धारा 151 के तहत सात के विरुद्ध दर्ज हुआ मुकदमा

कानपुर देहात । जनपदीय पुलिस के दिशा निर्देश पर थाना अकबरपुर पुलिस ने चार, शिवली पुलिस ने एक व भोगनीपुर पुलिस ने दो अभियुक्तों को धारा 151 दं.प्र.स. के अन्तर्गत गिरफ्तार कर चालान किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाई गई मौ. अबुल कलाम आजाद जयंती

लखनऊ । ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी–फारसी विश्वविद्यालय में रविवार को मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयन्ती राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. माहरूख मिर्जा ने कहा कि मौलाना आजाद ने विधिवत शिक्षा प्राप्त नहीं की थी, लेकिन अपनी लगन और मेहनत से भारत को असाधारण शिक्षा प्रणाली प्रदान की। कुलपति प्रो. माहरूख मिर्जा ने पहले विश्वविद्यालय परिवार के समस्त शिक्षकगण, अधिकारियों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को डॉ. आरिफ नकवी द्वारा दीपावली के उपलक्ष्य में भेजी गयी पंक्तियों को पढ़कर पर्व की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने समाज में बेहतरी के लिए व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन पर भी जोर दिया। साथ ही कहा कि आज भारत के पास सारी सुविधाओं के होते हुए भी भारत सिर्फ प्रगतिशील देश क्यों है, इस विषय पर गहन अध्ययन कर एक कार्यशाला का आयोजन किया जाना भी अति आवश्यक है। जयंती के मौके पर विश्वविद्यालय में एक रैली, भाषण घ्प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में कुलानुशासक डॉ. नीरज शुक्ल, प्रो. सैय्यद हैदर अली, डॉ. प्रियंका, डॉ.सबीना बानो डॉ. पूनम सहित सभी शिक्षक, विद्यार्थी और कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रवासी उत्तराखण्डियों की भूमिका विषय पर संगोष्ठी आयोजित

लखनऊ । पर्वतीय महापरिषद ने रविवार को 'पलायन से बिखरती ग्राम व्यवस्था को संवारने में प्रवासी उत्तराखण्डियों की भूमिका विषय पर संगोष्ठी आयोजित की। इस अवसर पर पर्वतीय महापरिषद के अध्यक्ष भवान सिंह रावत ने लोगों से अपने गांव के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार की दूरदृष्टि एवं समाज की सक्रियता से ही विकास की गंगा बहाई जा सकती है। महासचिव गणेश चन्द्र जोशी ने कहा कि उत्तराखंड के गांव से पलायन रोकने के लिए अच्छे शिक्षा संस्थानों के खोलने की बात पर बल दिया। मुख्य संयोजक डा. दिलीप सिंह बाफिला ने कहा कि जनवरी में पर्वतीय महापरिषद द्वारा आयोजित उत्तरायणी कौथिग में भी इस विषय पर चर्चा होगी। उत्तरांचल उत्थान परिषद के अध्यक्ष प्रेम बड़ाकोटी ने कहा कि ग्रामोन्मुखी योजनाओं, देवभूमि की अवधारण के अनुरूप विकास, चकबंदी व आईटी से जुड़े उद्योग इस नवोदित राज्य के लिए वरदान हो सकते हैं।

सैनिक सम्मेलन, अपराध गोष्ठी में एसपी ने अधिनस्थों की समस्याओं को सुना व लम्बित मामलों पर पेंच भी कसे

कानपुर देहात । पुलिस लाइन सभागार कक्ष में सैनिक सम्मेलनध्अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता श्री राधे श्याम पुलिस अधीक्षक द्वारा की गयी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक, एवं समस्त क्षेत्राधिकारी मौजूद रहे। सर्वप्रथम सैनिक सम्मेलन कर उपस्थित अधिकारी, कर्मचारीगणों की समस्याओं,सुझावों से रूबरू होकर सम्बंधित को शीघ्र निस्तारण किये जाने हेतु आदेशित किया गया। वही अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा विषम परिस्थितियों में भी निष्ठा पूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन किये जाने पर उनकी सराहना की गयी एवं सभी आरक्षियों को निर्देशित किया गया कि अपनी बीट क्षेत्र के अपराधियों का भौतिक सत्यापन करें एवं अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान साफ–स्वच्छ वर्दी धारण करें तथा जनता के प्रति अपना आचरण व व्यवहार उच्च कोटि का रखें और उनके लिये आदर्श बनें एवं लम्बित शिकायती प्रार्थना पत्रों एवं थानो पर मालों को शीघ्र निस्तारण करने, तथा अपहृताओं की शीघ्र बरामदगी करने तथा डायल 100 के कर्मचारियों को रेस्पान्स टाईम कम करने हेतु निर्देशित किया। मौजूद सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि कस्बा बाजारों व बैंकों की सुरक्षा हेतु समय से डियूटी भेजें तथा भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों में भ्रमण करें एवं यदि किसी प्रकार की कोई समस्या होती है तो तत्काल उच्चाधिकारियों को भी अवगत करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही नारी सुरक्षा दल को विद्यालय,बाजार,भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र,मन्दिरों के आस पास चेकिंग करने व कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वह अपने अपने क्षेत्र में यातायात चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की सतर्कता से तलाशी ली जाये यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अर्न्तगत कार्यवाही करें तथा यातायात नियमों का पालन करने हेतु उन्हे जागरूक भी करें। एसपी द्वारा लम्बित विवेचनाओं पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये सभी थाना प्रभारियों को शीघ्र विवेचना का निस्तारण करने व गम्भीर अपराधों में वांछितबिना जमानतीय वारंटी अभियुक्तों,पुरस्कार घोषित,जिलाबदर अपराधियों,महिला उत्पीड़न सम्बन्धी अपराधों में अभियुक्तों की शत–प्रतिशत गिरफ्तारी करने के निर्देश दिये गये।

अकबरपुर मण्ड़ल के सेक्टर प्रभारियों व सेक्टर संयोजकों की बैठक हुई संपन्न

कानपुर देहात । भारतीय जनता पार्टी अकबरपुर मंडल के सेक्टर प्रभारियों व सेक्टर संयोजकों की एक आवश्यक बैठक पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष भाजपा नेता जितेन्द्र सिंह के गुड्डन के आवास पर संपन्न की गई। जिसमें संगठन के निर्देशानुसार अकबरपुर मंदिर के सभी भूत प्रमुखों को सम्मानित करने की योजना बनाई गई बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडल अध्यक्ष विनोद तिवारी द्वारा कहा गया कि लगभग चुनाव की रणभेरी बज चुकी है और सभी लोग ऊपर से लेकर नीचे तक अपने अपने कार्य क्षेत्र में जुड़ जाए इसमें चुनाव संबंधी दिशा निर्देश देने के बाद समस्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र वितरित किए गए। बैठक के दौरान श्याम बिहारी पांडेय सेक्टर संयोजक नरिहा, रामकेश यादव सेक्टर प्रभारी गौरियापुर, नवनीत तिवारी सेक्टर प्रभारी कुर्दृत खेड़ा, विकास राठौर सेक्टर प्रभारी बारा, मनोज राठौर सेक्टर बारा, प्रमोद कुमार मिश्रा मंडल उपाध्यक्ष, प्रमोद कुमार शर्मा सेक्टर अध्यक्ष, विशाल सिंह, रणविजय सिंह सिसोदिया सेक्टर प्रभारी, विकास राठौर प्रभारी, मनोज राठौर संयोजक, संजीव राजपूत हिरदेश कुमार सेक्टर प्रमुख करोसा, संजू वर्मा सेक्टर प्रभारी करोसा, भोला सिंह सेक्टर संयोजक माती, श्याम सुंदर गुड्डू शर्मा संयोजक सेक्टर प्रभारी अकबरपुर व राजू शुक्ला बिगाही मौजूद रहे।

मैराथन दौड़ में खुशबू श्रवण और रवि अव्वल

लखनऊ । आईआईएम लखनऊ ने वार्षिक मेनफेस्ट के तहत रविवार सुबह मैराथन दौड़ का आयोजन किया। मैराथन दौड़ की अलग–अलग श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर की धावक खुशबू गुप्ता, श्रवण कुमार और रवि कुमार अव्वल रहे। इन सभी धावकों के साथ ही दूसरे व तीसरे स्थान पर रहने वाले विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। मैराथन में शामिल होने वाले सैकड़ों लोगों ने सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जगरूक किया। महिला वर्ग में पांच किलोमीटर मैराथन दौड़ हुई। इसमें पहले स्थान पर केडी सिंह बाबू स्टेडियम की खुशबू गुप्ता ने बाजी बारी। वहीं उत्तर प्रदेश पुलिस की डिंपल सिंह दूसरे व बाबू स्टेडियम की विजय लक्ष्मी तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं दस किलोमीटर पुरुष वर्ग में स्पोर्ट्स कॉलेज के श्रवण कुमार ने चमक बिखेरी और पहला स्थान हासिल किया जबकि स्पोर्ट्स कॉलेज के ही जावेद दूसरे स्थान पर रहे। तीसरे स्थान पर केडी सिंह बाबू स्टेडियम के अंकित कुमार रहे। इसके अलावा पुरुष वर्ग की भी पांच किलोमीटर दौड़ कराई गई। इसमें पीएसी के रवि कुमार ने पहला स्थान हासिल किया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के सूर्यांश कुमार दूसरे, स्पोर्ट्स कॉलेज के बिजेंद्र यादव तीसरे, मनोज कुमार चौथे और रिंकू पांचवें स्थान पर रहे।

शिक्षक चिंतामुक्त होकर अध्यापन में लगें परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण पारदर्शिता से होगा : दिनेश शर्मा

लखनऊ । शिक्षक निर्माण के लिए जाना जाता है। बालक को सम्यक दिशा की तरफ उन्मुख करने का कार्य शिक्षक का है। अतः शिक्षक चिंतामुक्त होकर अध्यन अध्यापन में लगे। रोजगार परक शिक्षा, कामन पाठ्यक्रम, शोध पीठ को सरकार क्रियान्वित कर रही है। ये बातें एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री प्रो दिनेश शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि जीवन जीने की कला सिखाने का कार्य शिक्षक का है। विश्वविद्यालय व माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में नकल पर नकेल लगाने के लिए पूरे सिस्टम में परिवर्तित किया गया है। अब केंद्रों का निर्धारण कंप्यूटर सिस्टम के माध्यम से पारदर्शिता पूर्ण किया जा रहा है। एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम को लागू करके सस्ती पुस्तकें सरकार ने उपलब्ध कराने का ऐतिहासिक कार्य किया। विश्वविद्यालय व माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को शीघ्र दूर किया जा रहा है और 2 वर्ष से कम समय में सरकार ने 205 विद्यालय खुले हैं जिनमें 166 विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय शैक्षिक संगठन से आवाहन किया की शिक्षा व्यवस्था के गुणात्मक व पारदर्शी सुधार के लिए अपने सुझाव दें। श्री शर्मा ने संगठन के सफलतापूर्वक 23 वर्षों तक उसके अभूतपूर्व योगदान के लिए धन्यवाद एवं बधाई दी। विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री ओमपाल सिंह ने कहा की किसी भी संगठन को संचालित करने के लिए कार्यकर्ता, कार्यालय, कार्यक्रम व कोष की जरूरत होती। इनमें कार्यकर्ता जीवंत व्यक्ति है जो संगठन को ताकत देता है। संगठन के कार्यकर्ताओं के भाव और भाषा जब मेल खाती है तो संगठन शिखर पर पहुंचता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सुरेंद्र प्रताप सिंह ने शिक्षकों को उनके कर्तव्य बोध के लिये आत्म चिंतन करने की सलाह और संगठन की उपलब्धियों एवं शैक्षिक जगत में इसके योगदान की सराहना की तथा उच्च शिक्षा संवर्ग के राष्ट्रीय प्रभारी महेंद्र कुमार ने उच्च शिक्षा में व्याप्त विसंगतियों के निराकरण को प्रभावी उपाय बताया और संगठन के नाते समाज के प्रति कर्तव्यों के निर्वहन का आग्रह किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के चेयरमैन श्री पवन सिंह चौहान ने अतिथियों व सम्मिलित समस्त शिक्षकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।स्थापना दिवस कार्यक्रम के पूर्व हुई बैठक में प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा की समस्याओं पर विचार विमर्श हुआ और उन्हें शासन से निराकरण कराने का आग्रह उपमुख्यमंत्री से किया गया। कार्यक्रम में डॉ किरण लता डंगवाल, डॉ हरनाम सिंह, डॉ लवकुश मिश्रा, डॉ राजदेव तिवारी, दिनेश गुप्ता, आजाद पति सिंह ,श्री कृष्ण त्रिवेदी, सुरेश पति त्रिपाठी, डॉ विजय कर्ण, भगवती सिंह ,शिव शंकर सिंह, गोविंद तिवारी,डॉ अम्बरीष सिंह, डॉ संदीप बालियान, डॉ राजदेव तिवारी, सुनील मिश्रा,डॉ आलोक सिंह, मुकेश डागुर, प्रीति सिंह, पूजा अग्निहोत्री, रुचि अरोड़ा ,मधुकर सिंह मौजूद रहे।

छठ पर्व की सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

आगरा । पूर्वांचल के साथ आगरा में भी छठ पर्व को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। आगरा शहर में भी पूर्वांचल समाज के लोग काफी संख्या में रहते हैं, जो एक साथ होकर विधि विधान के साथ यमुना के घाटों पर छठ पर्व को मनाते हुए भगवान सूर्य की पूजा आराधना करते हैं। यमुना के घाटों पर मनाए जाने वाले इस पर्व की तैयारियों को लेकर रविवार को महापौर नवीन जैन ने बल्केश्वर घाट पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्वांचल सांस्कृतिक सेवा समिति के पदाधिकारियों और निगम अधिकारियों के साथ बल्केश्वर घाट का दौरा किया। बल्केश्वर घाट पर महापौर नवीन जैन ने सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें घाट पर गंदगी तो नहीं मिली, लेकिन फिर भी महापौर नवीन जैन ने मौके पर मौजूद्े दयाराम सिसोदिया और आदित्य पांडे को बल्केश्वर घाट पर छठ पर्व के दौरान सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। छठ पर्व के दौरान रात में भी घाटों पर प्रकाश की उचित व्यवस्था हो इसके लिए महापौर ने बल्केश्वर घाट पर लगी लाइट को भी देखा जिसमे कुछ बंद पड़ी हुई थीं। महापौर नवीन जैन ने फोन पर अधिशासी अभियंता संजय कटियार को लाइट दुरुस्त कराने और घाट पर अस्थाई रूप से लाइट लगाने के भी निर्देश दिए, जिससे घाट पर पर्याप्त प्रकाश रहे। पूर्वांचल सांस्कृतिक सेवा समिति के संरक्षक अशोक चौबे का कहना था कि छठ पर्व को लेकर महापौर नवीन जैन ने बल्केश्वर घाट का दौरा किया है और सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया है, जो कमियां मिली हैं, उन्हें दूर करने के साथ कैलाश, हाथी घाट, पोइया घाट, रामबाग घाट पर सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए हैं। समिति के अध्यक्ष का कहना था कि यह पर्व तीन दिनों तक चलता है, लेकिन दो दिन घाट पर विशेष रूप से पूजा अर्चना की जाती है। इस बार महापौर नवीन जैन ने इस पर्व में रुचि लेकर पहले से निगम की ओर से की जाने वाली व्यवस्थाओं को पूरा किया गया है। निरीक्षण के दौरान निगम के दयाराम सिसोदिया, आदित्य पांडे, पूर्वांचल सांस्कृतिक सेवा समिति के सदस्य ओम प्रकाश, अखिल कुमार, सेंगर और समाज के लोग मौजूद रहे।

फूलों से सजे श्याम बाबा के दरबार मे भजनों की गंगा बही

लखनऊ । रंग बिरंगी लाइटो व देशी विदेशी फूलों से सजे श्याम बाबा के दरबार मे भजनों की गंगा बही तो सुनने वाला हर कोई बाबा का दिवाना हो गया। मौका था श्री श्याम जी मित्र मण्डल की ओर से रविवार को बालागंज मे आयोजित ''एक शाम सांवरे के नाम का। श्याम प्रभु का श्रृंगार गुलाब, मोगरा, आर्किट जैसे फूलों से किया गया। दर्शनीय व मनोहारी दरबार देख भक्तों के नैनों में समा गया।भजनों की शुरुआत सुल्तानपुर के भजन गायक धर्मेन्द्र पण्डित ने ''खाटू का तोरण द्वार बैकुण्ठ का द्वारा है.... से की। इसके बाद उन्होंने जब ''खाटू न जाऊँ तो दिल घबराता है.... भजन सुनाया तो श्याम भक्त प्रेम अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, आदित्य, अर्चित, मोहित मित्तल समेत मौजूद श्याम प्रेमी भक्त झूमकर नाचने लगे। अगले क्रम में भजनों की इस अविरल गंगा को राजधानी की विभा मिश्रा ने ''कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आणो है... के भजन से की। ''तेरी बॉकी अदा पे सांवरे दिल दीवाना हो गया.... भजन जब सुनाया तो बाबा का दरबार बाबा के जयकारों से गूंज उठा। उसके बाद विभा ने ''दीनानाथ मेरी बात छानी कोनी तेरे से..... जैसे भजनों का गा कर भक्तों को भाव–विभोर कर दिया। अगले क्रम में ''वो कौन है जिसने हमको दी पहचान है, वो और कोई नहीं है खाटू वाला श्याम है गाया। मध्यरात्रि में कान्हा खा ले रे जरा छप्पन भोग सजा, बाबा मानूंगा मैं बड़ा एहसान तेरा ''कान्हा खा ले रे जरा छप्पन भोग सजा...जैसे भजनों के बीच बाबा को छप्पन भोग लगाया गया। उत्सव का समापन फूलों की होली के साथ हुआ।

समाज की तरक्की के लिए सभी को परस्पर सहयोग किए जाने को लेकर आयोजित हुई गौड़ समाज की बैठक

कानपुर नगर । एक सामाजिक साहित्यिक शैक्षिक एवं सांस्कृतिक ग्रुप ब्राह्मणों में वर्ग गौड़ समाज द्वारा सम्मेलन का आयोजन जिन्होंने नगर में किया गया। जिसमें गौर ब्राह्मण जोकि मौजूदा इतिहास में मूल रूप से पश्चिम बंगाल के गांव प्रदेश के मूल निवासी जाने जाते हैं जो कि कालांतर में उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में आकर बसे हुए हैं। इनको लेकर बनाई गई संस्था द्वारा सम्मेलन का आयोजन कर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें सामाजिक कार्य, स्वास्थ्य संबंधी कार्य एवं सांस्कृतिक कार्य पर विद्वतजनों द्वारा चर्चा की गई। प्रखर वक्ताओं ने बताया कि समाज के हित में पांडा होटल में आज तक लगभग 1700 से अधिक वैवाहिक कार्यक्रम किए गये है। वहीं समाज के हित में समय–समय पर उस के उत्थान के लिए सराहनीय कार्य व योगदान किए जाने पर भी विचार–विमर्श किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय पांडा, हेमंत शर्मा, अनिल गौड़, बाबूलाल गौड़, हरिकिशन गौड़, रवि गौड़, राजेश गौड़, आशीष गौड़, अंकुर गौड़, कुलदीप शर्मा, गोविन्द शर्मा, आनन्द कुमार शर्मा व अनूप गौड़ के साथ कार्यक्रम का संचालन सुनील शर्मा ने किया।

मलिहाबाद कोतवाली पहुंचे एसएसपी, कस्बा इंचार्ज को किया लाइन हाजिर

लखनऊ । मातहतों को 'मित्र पुलिसिंग का पाठ पढ़ाने मलिहाबाद कोतवाली पहुंचे एसएसपी कलानिधि नैथानी ने एक बार फिर कड़े तेवर दिखाए। क्षेत्र की जानकारी और लंबित विवेचना से नाराज एसएसपी ने कस्बा चौकी इंचार्ज संजय मिश्रा को लाइन हाजिर कर दिया। जबकि एसएचओ काकोरी संजय कुमार व इंस्पेक्टर मलिहाबाद (अपराध) वहीद अहमद को फटकार लगाई। एसएसपी ने माल, मलिहाबाद और काकोरी के थानेदारों व सब–इंस्पेक्टरों की मीटिंग लेकर उन्हें दिशा–निर्देश दिए। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में अक्सर मामूली बात पर होने वाली मारपीट में हत्याएं हो जाती हैं। इस पर उन्होंने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि वे मामूली से मामूली विवाद को गम्भीरता से लेते हुए कार्रवाई करें। किसी भी तरह के झगड़े की सूचना मिलने पर फौरन मौके पर पहुंचे और आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करें। इसके अलावा पुराने अपराधियों की निगरानी और नये सक्रिय अपराधियों की रोकथाम के लिये सूचना तंत्र मजबूत करने के साथ ही उन्हें समय रहते पाबन्द किया जाये। एसएसपी ने कहा कि चोरी और नकबजनी की घटनाओं की रोकथाम के लिए शिफ्टों में गश्त की जाए। बैठक के दौरान यह बात सामने आई कि कन्ट्रोल रूम की सूचनाएं एसएचओ को समय से नहीं मिल पा रही हैं। इस पर उन्होंने एसएसपी ग्रामीण विक्रांत वीर से कहा कि सर्किल के 9 कन्ट्रोल रूम प्रभारियों को निर्देश दिये जाएं कि वे एसएचओ को मोबाइल द्वारा सूचना दें। एसएसपी ने थानेदारों व सब–इंस्पेक्टरों से कहा कि पुलिस सड़क पर दिखनी चाहिए। जिससे अराजक तत्व भयभीत हो और आमजन सुरक्षित महसूस करें। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को निर्देश दिये हैं कि जुआ, सट्टा, अवैध शराब पूरी तरह से बन्द होनी चाहिए। ऐसा न करने वाले पुलिसकर्मी सजा के लिए तैयार रहें। वहीं अच्छा कार्य कर रहे पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत भी किया जायेगा।

राज्य मुक्त विद्यालय परिषद के गठन एवं कार्य निर्धारण हेतु तीन सदस्यीय कमेटी का गठन

लखनऊ । प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डा0 दिनेश शर्मा ने यहां विधान भवन में आयोजित बैठक में विद्या भारती, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ शिक्षा में गुणवत्ता लाए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर डा0 शर्मा ने उ0प्र0 में ऐसे बच्चे जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते हैं उनको शिक्षा प्रदान करने, शिक्षा का विस्तार करने तथा उच्च शिक्षा को जारी रखने हेतु सुदृढ़ व्यवस्था किए जाने के उद्देश्य से राज्य मुक्त विद्यालय परिषद (एसआईओएस) के प्रभावी संचालन किए जाने की विस्तृत कार्य योजना बना कर प्रस्तुत किए जाने तथा दूरस्थ शिक्षा की व्यवस्था करने के लिए राज्य मुक्त विद्यालय परिषद की स्थापना के उद्देश्य से तीन सदस्यीय समिति का गठन किया, जिसमें माध्यमिक शिक्षा विभाग के तीन अधिकारियों उप निदेशक शिविर कार्यालय विवेक नौटियाल, अपर सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड प्रयागराज श्री शिव लाल एवं सहायक निदेशक राजेश वर्मा शामिल हैं। कमेटी को शीघ्रातिशीघ्र एसआईओएस के गठन एवं उसके कार्य के बारे में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए इसके साथ ही मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रबंध तंत्र की व्यवस्था को सरलीकरण हेतु सुझाव देने के लिए समिति गठित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न शैक्षिक संस्थाओं से जुड़े हुए विवादों के निस्तारण हेतु राज्य शैक्षिक अधिकरण के गठन पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में सचिव माध्यमिक शिक्षा श्रीमती संध्या तिवारी, निदेशक माध्यमिक शिक्षा सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

पीएम मोदी के आगम से पहले अभेद किले के रूप में परिवर्ति हुआ कार्यक्रम स्थल

वाराणसी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को 15वें दौरे पर वाराणसी पहुंच रहे हैं। इस दौरान वह रामनगर के राल्हूपुर स्थित बंदरगाह पर टैगोर कंटेनर सिप को रिसीव कर जहां बंदरगाह का शुभारंभ करेंगे वहीं इसके बाद हरहुआ के रिंग रोड का उद्घाटन करने के रिंग रोड के पास में स्थित वाजिदपुर में एक सभा को संबोधित करेंगे। इसके मद्दे नजर सभा स्थल और रामनगर बंदरगाह को एसपीजी ने अपनी निगरानी में ले लिया है। साथ ही आसमान से लेकर जमीन तक, चप्पे–चप्पे पर नजर रखी जा रही है। पीएम मोदी की सुरक्षा के मद्देनजर रविवार को ग्रैंड रिहर्सल किया गया। पुलिस अधिकारियों ने पुलिस और पैरा मिलेट्री के जवानों को सुरक्षा के बाबत ब्रीफिंग किया। साथ ही बाबतपुर एयरपोर्ट से सभा स्थल तक फ्लीट रिहर्सल भी किया गया। वहीं दूसरीओर रामनगर में हेलीकॉप्टरों की लैंडिंग का रिहर्सल किया। सुरक्षा के मद्देनजर डॉग व बम स्क्वाड दस्ते ने रविवार को भी वाजिदपुर सभा स्थल और रामनगर स्थित बंदरगाह के आसपास जांच किया। साथ ही दोनों जगहों पर मेटल डिटेक्टर से विस्फोटक पदार्थों की भी जांच की गई। वहीं एसपीजी के अधिकारी पीएम के कार्यक्रम स्थलों की 24 घंटे निगरानी रख रहे हैं। पीएम मोदी के दौरे के मद्दे नजर बाबत पुर एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एयरपोर्ट आने जाने वाले यात्रियों की गहनता से जांच की जा रही है। एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ के जवानों के साथ ही एनएसजी और इंटेलिजेंस के जवानों को भी तैनात किया गया। वाजिदपुर स्थित सभा स्थल पर सुरक्षा के मद्देनजर आमंत्रण पत्र एवं आधार कार्ड या कोई पहचान पत्र दिखाने पर ही प्रवेश मिलेगा। पहचान पत्र के बगैर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर लोगों की सघनता से जांच होगी। साथ ही काला कपड़ा पहनकर जाने वालों को भी सभा स्थल पर इंट्री नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में सोमवार को 10 हजार से अधिक फोर्स एडीजी सुरक्षा विजय कुमार की निगरानी में तैनात रहेगी। जानकारी के मुताबिक 15 एसपी, 20 एडीशनल एसपी, 42 डीएसपी, 16 थानाध्यक्ष, 525 सब इंस्पेक्टर, 610 हेड कांस्टेबल, 2225 कांस्टेबल, 48 महिला सब इंस्पेक्टर, 180 महिला कांस्टेबल, 250 होमगार्ड, छह कंपनी पीएसी और सात कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की गई है।

किन लोगों को नहीं खाने चाहिए काजू और किसके लिए है फायदेमंद?

काजू, ड्राई फ्रूट्स में सबसे टेस्टी माना जाता है लेकिन यह सेहत के लिए भी उतना ही फायदेमंद है। प्रोटीन, खनिज, आयरन, फाइबर, फोलेट, मेग्नीशियम, फॉस्फोरस, सेलेनियम, एंटीऑक्सीडेंट, मिनरल और विटामिन से भरपूर काजू सेहत संबंधी कई तरह की परेशानियां दूर करने में मददगार है। इसका इस्तेमाल सब्जी, मिठाई, सूप आदि में किया जा सकता है।

1. हाई कैलोरी से भरपूर काजू

काजू के एक आउंस में 9 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 4.5 ग्राम प्रोटीन और 13ग्राम गुड फैट होता है। इसके अलावा इसके एंटीबैक्टीरियल गुण इंफैक्शन से बचाव रखने में मददगार है। हाई कैलोरी की वजह से इसे खाने के बाद जल्दी भूख नहीं लगती। सर्दियों में 5 से 7 काजू खाने बेहतर माने जाते हैं।

2. फ्राई की बजाए खाएं सिंपल काजू

नमकीन या फ्राई काजू खाने की बजाए साधारण काजू का सेवन करें। इससे सूप, सब्जी की ग्रेवी, मेपल सिरप में डालकर खाया जा सकता है। आप कैश्यू बटर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं जिसे फल, सब्जियों के सलाद के साथ के साथ भी खा सकते हैं।

3. काजू खाने के फायदे

– पाचन शक्ति बढ़ाए

काजू पाचन शक्ति बढ़ाने में मददगार है। इसे खाने से आंत में भरी गैस दूर हो जाती है और भूख लगने लगती है। पाचन क्रिया दुरुस्त रखना चाहते हैं तो रोजाना काजू का सेवन करें।

– कैंसर से बचाव

काजू में फ्लेवनॉल्स और कॉपर कैंसर सैल को बढ़ने से रोकता है। इसका रोजाना सेवन करने से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी होने का खतरा कम हो जाता है। पेट के कैंसर में यह बहुत फायदेमंद है।

– दिल के लिए अच्छा

काजू में फैट बहुत कम है जो दिल के लिए बहुत अच्छा है। इसका सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल की परेशानी नहीं होती है और स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

– लो ब्लड प्रेशर में बढ़िया

जिन लोगों का ब्लड प्रैशर हर समय लो हाई रहता है, उन्हें ब्रेन हेमरेज होने का खतरा बहुत ज्यादा रहता है। रक्तचाप को संतुलित रखना चाहते हो तो रोजाना 4–5 काजू का सेवन करें।

– नसें और हड्डियां मजबूत

मेग्नीशियम से भरपूर काजू कैल्शियम को नर्व सेल्स तक पहुंचाने का काम करता है। इससे नसों पर बहुत कम दवाब पड़ता है। जब शरीर में मेग्नीशियम की कमी होती है तो कैल्शियम नसों तक पहुंचने लगता है। जिस कारण नसों में सिकुड़न होने के साथ ब्लड प्रेशर और माइग्रेन की समस्या होने लगती है।

– खून की कमी पूरी

काजू में आयरन की मात्रा ज्यादा होती है, जो शरीर में एनीमिया यानि खून की कमी को पूरा करता है।

– दांतों बनाएं मजबूत

इसके अलावा काजू में फॉस्फोरस की मात्रा भी पर्याप्त होती है, जो दांतों के मजबूत रखता है। इसलिए बड़े और बूढ़ों को रोज काजू का सेवन करना चाहिए।

– डायबिटीज में फायदेमंद

रोजाना थोड़े से काजू का सेवन करने से डायबिटीज का खतरा भी बहुत कम हो जाता है। यह टाइप 2 डायबिटीज के स्तर को कंट्रोल करने में मददगार है।

4. प्रेग्नेंसी में काजू खाने के फायदे

प्रेग्नेंसी में 1 औंस से ज्यादा काजू का सेवन न करें। इससे नुकसान हो सकता है लेकिन सीमित मात्रा में काजू खाने से मां और बच्चे दोनों को बहुत फायदा मिलता है। इससे बच्चे का शारीरिक विकास बहुत अच्छे तरीके से होता है, इसके अलावा हड्डियां मजबूत, मस्तिष्क का अच्छा विकास होने के साथ–साथ मां के दांतों के लिए भी बेस्ट है। इससे किसी तरह की कैविटी नहीं होती।

5. किन लोगों को नहीं खाना चाहिए काजू

– माइग्रेन

सिर दर्द या माइग्रेन के रोगी को काजू का सेवन करने से परहेज करना चाहिए। इसमें मौजूद अमीनो एसिड सिर दर्द पैदा कर सकता है।

– गॉलब्लैडर स्टोन

जिन लोगों के पित्ते में पथरी है, उन्हें काजू का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे मौजूद ऑक्सलेटेस तत्व पथरी की परेशानी बढ़ा सकते हैं।

– मोटापा

जो लोग मोटापे के शिकार हैं,उन्हें काजू खाने से परहेज करना चाहिए। 30 ग्राम काजू में 163 कैलोरी और 13.1 फैट होता है। इसका ज्यादा सेवन वजन बढ़ाने का काम करता है।

– पेट की गड़बड़ी

पेट संबंधित कोई परेशानी है तो उन्हें काजू का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे सेहत ज्यादा खराब हो सकती है।

– हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रैशर वाले लोगों को काजू नहीं खाना चाहिए क्योंकि इस में पाया जाने वाला सोडियम ब्लड प्रेशर को और बढ़ा देता है।

कैंसर से लेकर मोटापे तक की छुट्टी कर देगी कंटोला की सब्जी

कंटोला एक ऐसी सब्जी है, जिसे औषधि के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। कई जगहों पर इसे मीठा करेला, ककोड़ा, केकरोल, काकरोल, भाट करेला, कोरोला और कटरोली के नाम से भी जाना जाता है। इस सब्जी में मौजूद पौष्टिक तत्व, एंटी एलर्जिक और एनल्जेसिक गुण शरीर को सर्दी खांसी के साथ मोटापे की समस्या से बचाते हैं। साथ ही इसका सेवन कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों को भी दूर रखता है।

कंटोला सब्जी के फायदे

1. डायबिटीज में फायदेमंद है कंटोला

कंटोला की सब्जी का सेवन ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखता है, जोकि डायबिटिक पेशेंट के लिए फायदेमंद है। डायबिटीज के मरीज कंटोला का जूस भी पी सकते हैं।

2. ब्लड प्रेशर करे कंट्रोल

इसमें मोमोरडीसिन नामक तत्व पाया जाता है, जो एक तरह का एंटीऑक्सीडेंट ही है। इस तत्व से हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है इसलिए इस सब्जी का सेवन ब्लड प्रेशर के लिए फादेमंद है। हालांकि यह तत्व करेले में भी पाया जाता है लेकिन वह खाने में कड़वा होता है जबकि इस सब्जी का स्वाद कड़वा नहीं होता।

3. दिनभर रखें एनर्जेटिक

इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि इस सब्जी का स्वाद कड़वा नहीं। ऐसे में आप इसे बिना किसी हिचकिचाहट के खा सकते हैं। इसमें मौजूद प्रोटीन्स, विटामिन्स और मिनरल्स आपको पूरे दिन एनर्जेटिक रखेंगे।

4. पेट को रखें दुरुस्त

डाइट्री फाइबर से भरपूर होने के कारण इस सब्जी का सेवन पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है, जिससे पेट से जुड़ी समस्याएं नहीं होती। कंटोला की सब्जी खाने या इसका रस पीने से खाना आसानी से पचता है और शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है।

5. आंखों के लिए फायदेमंद

इसमें कैरोटिनॉइड की मात्रा भरपूर होती है इसलिए ये आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। रोजाना इस सब्जी का सेवन आंखों की रोशनी तेज करता है।

6. बॉडी को करती है डिटॉक्स

एक शोध के मुताबिक भी यह सब्जी बॉडी को अच्छी तरह डिटॉक्स कर देती है, जिससे शरीर और खून में मौजूद सभी गंदगी बाहर निकल जाती हैं।

7. त्वचा के लिए फायदेमंद

त्वचा की रंगत निखारने और चेहरे पर ग्लो लाने के लिए रोज कंटोला का जूस पिएं। साथ ही इसकी सब्जी का सेवन करने से कील–मुंहासे, चेहरे के दाग–धब्बे आदि की समस्या भी ठीक हो जाएगी है और रंग भी निखरने लगेगी।

8. वजन घटाता है कंटोला

कंटोला में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है इसलिए इसका सेवन वजन घटाने और उसे कंट्रोल करने में मददगार होता है। अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो डाइट में कंटोला की सब्जी शामिल करें और रोज सुबह कंटोला का जूस पिएं।

9. सर्दी–जुकाम से बचाव

बदलते मौसम में अक्सर आप सर्दी–खांसी और जुकाम जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। मगर इस सब्जी में एंटी एलर्जिक और एनाल्जेसिक गुण होते हैं, जोकि आपको इन बीमारियों से बचाने में मददगार होते हैं।

10. कैंसर से बचाव

कई शोध बताते हैं कि कंटोला और करेला जैसी सब्जियों में मौजूद ल्युटेन और कैरोटेनॉइड्स जैसे तत्व कई प्रकार के कैंसर से बचाव में मददगार होते हैं। ऐसे में कैंसर से बचने के लिए आप भी इस सब्जी को अपनी डाइट में शामिल करें।

फसल अवशेष न जलाएं रैली को राष्ट्रीय खिलाड़ी शान्या ने हरी झंडी दिखा किया रवाना

रूरा कानपुर देहात । फसल अवशेष जलाने से हमारे वायुमंडल में कार्बन डाई ऑक्साइड, कार्बन मोनो ऑक्साइड, सल्फर डाई ऑक्साइड,नाइट्रिक ऑक्साइड, अमोनिया के कण वायु में मिलकर दिल का दौरा,अस्थमा, खुजली, आंखों का लाल होना, श्वास रोग, चक्कर आना, बच्चों का पढ़ाई में मन न लगना तथा गुर्दे की बीमारी का कारण बनते हैं। उक्त बात राष्ट्रीय प्रेपलिंग स्वर्ण पदक विजेता केन्द्रीय विद्यालय माती की छात्रा शान्या ने तिगाईं गांव के मजरा कालिन पुरवा में रैली निकालने से पूर्व ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कही। उक्त विद्यालय के ही छात्र शिवम ने बताया कि फसल अवशेष जिस जगह पर जालाते हैं उस जगह के लाभकारी तत्व और ह्यूमस नष्ट होकर वह भूमि को बंजर बनाते हैं तथा पृथ्वी के आस–पास कार्बन डाई ऑक्साइड का घेरा बनता है जो ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाकर जीवों को नष्ट कर रहा है। फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतियोगिताएं भी आयोजित कराई जा रही है। यह रैली पूरे गांव की गलियों में घूमी रैली में पूजा अर्चना शिवानी राजेश मयंक पंकज नवीन सहित सौ से अधिक बच्चे व ग्रामीण शामिल थे।

जनपदीय पुलिस द्वारा विभिन्न थानों में की गयी कार्यवाही

कानपुर देहात । पुलिस अधीक्षक के कुशल दिशा निर्देशन में थाना शिवली पुलिस द्वारा अभियुक्त पप्पू पाल पुत्र उलईपाल निवासी कस्बा शिवली के कब्जे से 20 अदद क्वार्टर देशी शराब नाजायज बरामद कर उ.नि. अनिलेश कुमार की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 388/18 धारा 60 आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार कर चालान किया गया। इसीक्रम में थाना रसूलाबाद पुलिस द्वारा मु.अ.सं. 142/18, 143/18, 144/18 धारा 304/272/273/420/467/468/471 भा.द.वि. व 60(ए) आबकारी अधिनियम के अभियोग में वांछित अभियुक्त आलोक मिश्रा उर्फ संतोष मिश्रा पुत्र ज्ञानेन्द्र मिश्रा नि. बैरी सवाई थाना शिवली हाल पता विश्व बैंक कालोनी बर्रा थाना बर्रा जनपद कानपुर नगर को उ.नि. दिनेश कुमार त्रिपाठी व उनके हमराही पुलिसबल द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

विश्व मधुमेह सप्ताह मनाया गया

लखनऊ । विश्व मधुमेह सप्ताह के अवसर पर रविवार को सुबह गोमतीनगर में पांचवीं वॉक अगेंस्ट डायबटीज और टाइप वन डायबबटीज रोगियों के लिए विभिन्न आयोजन किये गये। जिसमें बड़ी संख्या में डॉक्टरों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। डायबटीज सपोर्ट वेलफेयर सोसाइटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम का थीम परिवार एवं मधुमेह रखा गया। कार्यक्रम के संयोजक सोसाइटी के सचिव डॉ. अरुण पाण्डेय ने बताया कि डायबटीज सपोर्ट वेलफेयर सोसाइटी की तरफ से 11 नवम्बर को विश्व मधुमेह सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर वॉक का आयोजन किया गया। लखनऊ एंडोक्राइन डायबटीज एंड थायॉराइड क्लीनिक से शुरू होकर वॉक लोहिया पार्क के गेट नम्बर दो पर पहुंची। यहां 200 लोगों की मुफ्त शुगर की जांच की गई। लोगों को निरुशुल्क आहार परामर्श भी दिया गया। सोसाइटी के लोगों ने सबको डायबटीज बीमारी से बचाव के प्रति जागरुक किया।

सोसल मीडिया जनता से जुड़ने का सशक्त माध्यम

लखनऊ । युवा वर्ग सोसल मीडिया के माध्यम से आम जनता को जागरुक कर उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी दें ताकि जनसामान्य उनका लाभ लेकर अपने जीवन स्तर को ऊंचा उठा सकें। ये विचार उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन में युवा आईटी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि आज के युग में इेलेक्ट्रानिक मीडिया के साथ ही सोसल मीडिया भी आम जनता से जुड़ने का सशक्त माध्यम है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सोसल मीडिया के माध्यम से प्रदेश में चल रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों को सुदूर अंचल में बैठे जनसामान्य तक पहुंचाकर उन्हें जानकारी दे सकते हैं ताकि वे उनका लाभ लेकर अपने जीवन स्तर को सुधार सकें। श्री मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ग के कल्याण एवं उनके जीवन स्तर को ऊंचा करने के लिए योजनाएं चला रही है ताकि समाज का हर वर्ग विकास की मुख्य धारा से जुड़ सके।

अस्थमा और सर्दी–जुकाम जैसी 10 बीमारियों का हल है खजूर

सर्दियों में शकरकंदी व सिंघाड़े की तरह खजूर की डिमांड भी बढ़ जाती है। इसका सेवन कुछ लोग यूं ही करते है तो कुछ खजूर शेक बनाकर पीते हैं। इसमें आयरन, मिनरल, कैल्शियम, अमीनो एसिड, फॉस्फोरस और विटामिन्स जैसे पोषक तत्वों की प्रचुर मात्रा होती हैं। यह न केवल खाने में टेस्टी होते है बल्कि शरीर के लिए फायदेमंद भी उतने ही होते है। चलिए आज हम आपको उन्हीं अनगिनत फायदों के बारे में बताते है जिन्हें जानने के बाद आप भी खजूर खाना शुरू कर देंगे।

– डायबिटीज

खजूर में ग्लूकोज और फ्रक्टोज की भरपूर मात्रा होती है जिससे डायबिटीज कंट्रोल में रहती है और इम्यून पावर बूस्ट होती है।

– कोलेस्ट्रोल

एक खजूर से 23 कैलोरी मिलती हैं जिससे कोलेस्ट्रोल लेवल ठीक रहता है। इसके अलावा सेल डैमेज, कैंसर और दिल से जुड़ी समस्याओं से बचाव के लिए खजूर का सेवन काफी फायदेमंद है।

– एनर्जी

खजूर में फाइबर, आयरन, कैल्शियम, विटामिन और मैग्नीशियम भरपूर होते हैं जो सर्दियों में शरीर में गर्माहट पैदा करने के साथ–साथ एनर्जी भी प्रदान करते हैं।

– डाइजेशन सिस्टम

खजूर में प्रोटीन होता है जिससे डाइजेशन सिस्टम बेहतर बना रहता है। इसे खाने से न तो एसिडिटी की प्रॉब्लम होती है। अगर आप भी अक्सर एसिडिटी की समस्या से परेशान रहते है तो रोजाना सुबह उठकर खाली पेट खजूर खाएं।

– मजबूत हड्डियां

खजूर में मैंगनीज, कॉपर और मैग्नीशियम होता है जिसकी मात्रा शरीर में जाने से हड्डियां मजबूत होती है। खजूर खाने वाले लोगों को बढ़ापे में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना भी कम करना पड़ता है।

– नर्वस सिस्टम

नर्वस सिस्टम के फंक्शन को बेहतर बनाने के लिए भी खजूर का सेवन फायदेमंद है। इसमें पोटेशियम भरपूर और सोडियम कम मात्रा में होता है जिससे स्ट्रोक का खतरा भी कम होता है।

– अस्थमा

अस्थमा मरीजों को सर्दियों के मौसम में सांस संबंधी कई समस्याएं होती हैं। ऐसे में रोज सुबह और शाम 2–3 खजूर खाने से अस्थमा प्रॉब्लम से राहत मिलती है।

– जुकाम से राहत

सर्दी–जुकाम से राहत पाने के 2–3 खजूर, काली मिर्च और इलायची को पानी में उबाल लें। इस पानी को सोने से पहले पीएं। इससे काफी राहत मिलेगी।

– ब्लड प्रेशर

मैग्नीशियम और पोटेशियम से भरपूर खजूर ब्ल्ड प्रेशर को बढ़ने से रोकता है। अगर ब्लड प्रेशर कंट्रोल में करना हो तो रोजाना 5–6 खजूर का सेवन करें।

– कब्ज से राहत

खजूर फाइबर से भरपूर है जो कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। अगर आपको अक्सर कब्ज रहती है तो रात को खजूर पानी में भिगोकर रख दें। सुबह उन खजूरों का शेक बनाकर खाली पेट पीएं।

कुंआनो आरती में बिखरी दिव्य छटा

बस्ती । जीवन दायिनी कुंआनों को प्रदूषण मुक्त बनाने के बड़े संकल्प को लेकर रविवार को चित्रांश क्लब के संयोजन में कुंआनो की भव्य आरती अमहट घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से किया गया। अमहट घाट पर नजारा देखने लायक था। हजारों हाथों में दीपक से प्रकाशित थालियां, कुंआनो आरती के बीच लोगों ने कुंआनो को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में क्लब पदाधिकारियों, सदस्यों के साथ ही अनेक सामाजिक संगठनों, विद्यालय के छात्र–छात्राओं, गुरूजनों ने हिस्सा लिया। कुंआनो आरती के चौथे वर्ष में अयोध्या के सरयू मंदिर के नेत्रजा प्रसाद मिश्र के मार्ग दर्शन में आचार्यगणों विधि विधान से कुंआनो पूजन के साथ ही आरती सम्पन्न कराया। शाम होती ही कुंआनो का अमहट तट आरती की आभा से प्रकाशित हो उठा। कार्यक्रम स्थल पर भजन कीर्तन के साथ ही अनेक आयोजन सम्पन्न हुये। क्लब संस्थापक राजेश चित्रगुप्त ने कहा कि क्लब द्वारा कुंआनों को स्वच्छ, सुन्दर बनाने की दिशा में अनेक जागरुकता के कार्यक्रम चलाये जाते हैं। कुंआनो आरती का उद्देश्य नदी की पवित्रता को बनाये रखने के लिये समाज को जोड़ना है। क्लब अध्यक्ष रत्नाकर श्रीवास्तव 'आदर्श' ने कहा कि कुंआनों स्वच्छ रहें इस प्रयास को सामूहिक रूप से मिलकर पूरा करना होगा। मण्डल अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि स्थितियां पहले से थोड़ी बेहतर हुई हैं किन्तु अभी अनेक मोर्चो पर कार्य करने की जरूरत है। क्लब संरक्षक अनूप खरे ने कहा कि कुंआनों हमारी जीवन रेखा है, कुंआनो का जल आचमन लायक बने इसके लिये संयुक्त प्रयास की जरूरत है। आरम्भ में पंकज गोस्वामी और साथियों ने कुंआनो मैय्या की आरती और चित्रांश क्लब का ध्येय गीत प्रस्तुत कर मन मोह लिया। कुंआनो आरती में भाजपा नेता पुष्कर मिश्र, राना दिनेश प्रताप सिंह, सन्तोष सिंह, दिनेश कुमार श्रीवास्तव, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, दुर्गेश श्रीवास्तव, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, सनम सिंह, अनिल कुमार पाण्डेय, अजय कुमार श्रीवास्तव, स्माइल खान, अविनाश श्रीवास्तव, अमर सोनी, अशोक श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, रामानन्द नन्हें, पं. सरोज मिश्र, दिनेश श्रीवास्तव, परमेश्वर शुक्ल 'पप्पू' डा. कुलदीप सिंह, शीला पाठक, अमर सोनी, अतुल चित्रगुप्त, अरविन्द श्रीवास्तव 'गोला' संतोष, संजय, रेखा चित्रगुप्त, संध्या दीक्षित, शालिनी मिश्र के साथ ही बड़ी संख्या में लोग, छात्र उपस्थित रहे।

स्वाट टीम व थाना राजपुर पुलिस ने जघन्य अपराध में वाछिंत अभियुक्त को पकड़ने पाई सफलताः एसपी

कानपुर देहात । पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में स्वाट टीम व थाना राजपुर पुलिस द्वारा मु.अ. सं. 113/18 धारा 302/363 भा. द.वि. थाना राजपुर जनपद कानपुर देहात का अनावरण करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। जिलम में पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त जघन्य अपराध जिसमें आकाश विश्वनोई पुत्र सुनील विश्वनोई उम्र करीब 13 वर्ष निवासी कस्वा व थाना राजपुर की नृशंस हत्या के अनावरण हेतु कडे एवं स्पष्ट दिशा निर्देश दिये गये थे। जिनका अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुये स्वाट टीम व प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना राजपुर द्वारा मय हमराही टीम के गहन पतारसी व सुरागरसी के आधार पर उक्त जघन्य हत्या से सम्बन्धित प्रकाश में आये अभियुक्त शिवम् विश्वनोई पुत्र विनोद विश्वनोई निवासी कस्वा व थाना राजपुर का नाम प्रकाश में आया जिसे प्र. नि. राजपुर व स्वाट टीम द्वारा आज वर स्टैण्ड राजपुर के पास से एक वारगी दविश देकर पकड लिया। नाम पता पूँछने पर शिवम् विश्वनोई पुत्र विनोद विश्वनोई निवासी कस्वा व थाना राजपुर उम्र करीब 21 वर्ष बताया। भागने का कारण पूछा तो बताया कि सहाव में थाना राजपुर पर पंजीकृ त सुनील विश्वनोई वाले मुकदमें में वांछित हूँ और मैने ही अपने चचेरे भाई आकाश विश्वनोई उम्र 13 वर्ष को नहर के वम्बा में फेंककर डुवोकर जान से मार दिया था तथा आज मै रात में कही बाहर दूर भागने की फिराक में रात्रि में आया था कि अभियुक्त द्वारा हत्या के जुर्म को स्वीकार कर लेने पर अभियुक्त उपरोक्त को उक्त मुकदमा में गिरफ्तार कर थाने पर लाया गया। अभियुक्त की निशान देही पर अभियुक्त द्वारा मृत्यु करने के स्थान तथा लाश वरामदगी के स्थान का निरीक्षण घटना स्थल का किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त शिवम् विश्वनोई पुत्र विनोद विश्वनोई निवासी कस्वा व थाना राजपुर की जामातलाशी में 240 रुपया व एक अदद मोवाइल फोन बरामद किया गया। वही घटना का अनावरण करने वाली पुलिस टीम के सदस्यों में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह, उ.नि. दशरथ सिंह, हे.का. 71 सुरेश चन्द, का. 974 रहीश कुमार, उ.नि. रोहित तिवारी स्वाट टीम प्रभारी, का. 963 राजीव कुमार सर्विलांस सेल, का. 1206 प्रहलाद सिंह स्वाट टीम, का. 317 मोहित तिवारी स्वाट टीम, का. 680 अनूप कुमार स्वाट टीम, का. प्रशान्त पाण्डेय स्वाट टीम आदि रहे।

भाजपा नेता ब्रज मोहन जोशी का निधन, भाजपाईयों में शोक की लहर

आगरा । भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष बृजमोहन जोशी का आज सुबह 7.55 मिनट पर दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। उनकी मौत की खबर से भाजपाइयों में शोक की लहर दौड़ गई। मूल रूप से बाह के गांव शाहपुर ब्राह्मण के रहने वाले बृजमोहन जोरी लंबे समय से दिल्ली में ही निवास कर रहे थे। बृजमोहन जोशी बुखार से पीड़ित थे। उनके बेटे मोहित जोशी ने बताया कि सात नवम्बर को उन्हें बीएल कपूर अस्पताल, करौल बाग, दिल्ली में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में डेंगू की पुष्टि की। गुरुवार को प्लेटलेट्स घटकर छह हजार रह गई थीं। शुक्रवार की शाम को तबियत अधिक खराब हो गई। चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। आगरा में भाजपा नेता शोक प्रकट करने लगे। उनके अंतिम संस्कार की तैयारी की जाने लगी। उन्हें एम्बुलेंस से आगरा लाया जा रहा था। रास्ते में एम्बुलेंस में बैठे चिकित्सक ने बताया कि हृदय धड़क रहा है। इसके बाद उन्हें वापस दिल्ली ले जाया गया। मनोहर लोहिया अस्पताल, दिल्ली में भर्ती कराया गया है। रविवार की सुबह 7 बजकर 55 मिनट पर चिकित्सकों ने भाजपा नेता बृजमोहन जोशी की मौत की पुष्टि की, तो भाजपाइयों में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में आगरा से भाजपा नेता दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। बृजमोहन जोशी के पुत्र मोहित जोशी ने बताया कि अंतिम संस्कार दिल्ली में ही किया जाएगा। बृजमोहन जोशी का चांदनी चौक दिल्ली में साड़ी का शोरूम है। वे भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर बाह विधानसभा क्षेत्र से चुनाव भी लड़ चुके थे। बाहरी होने के कारण उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

निर्धन बच्चों की मदद को आगे आईं मां पूनम

लखनऊ । आध्यात्मिक गुरु दिव्य शक्ति मां पूनम की ओर से संचालित ह्यूमैनिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया परिवार के युवा बच्चों वृद्धाश्रम और आनाथ आश्रम में दीपों का पर्व मनाया। उनको मिठाई, वस्त्र आदि का विरतण भी किया। यही नहीं अनोरा, जुग्गौर, लालपुरवा, भवानीपुर गांव में रहने वाले निर्धन बच्चों को जब मिठाई और वस्त्र मिले तो उनके चेहरे खिल गये। मां पूनम ने कहा कि बेसहारा लोगों के मन में आशा का प्रकाश फैलाना ही भगवान की सच्ची पूजा और सच्ची सेवा है। इसके बाद 116/2 इंदिरानगर स्थित सत्य मंदिर में प्रवचन देते हुए मां पूनम ने कहा कि मुनष्य का शरीर प्राप्त करने के बाद भी अगर हम इसे मात्र अपने स्वार्थ के लिये जीते हैं तो हमारे और उस पशु में क्या अंतर है। इस जीवन की सार्थकता तभी है जब हम मानवता की रक्षार्थ कर्म करें। निराशा के अंधकार में आशा का प्रकाश लेकर आगे बढ़ें।

बॉयफ्रेंड संग शादी की खबरों पर सुष्मिता ने तोड़ी चुप्पी, कहा-शादी का इरादा नहीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन इन दिनों अपने लव अफेयर को लेकर काफी सुर्खियां बटौर रही है। दरअसल, पिछले कुछ वक्त से मॉडल रोमन शॉल को डेट कर रही सुष्मिता ने अपने रिलेशन को पब्लिक कर दिया है। बीते दिनों सुष्मिता ने रोहमन के साथ अपना एक तस्वीर शेयर की थी। इसके साथ ही दोनों के शादी की खबरें तेज हो गई हैं। अब इन खबरों पर सुष्मिता ने चुप्पी तोड़ दी है। दरअसल, बीते दिनों सुष्मिता ने दिवाली के मौके पर रोहमन के साथ अपनी तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर मेंसुष्मिता रोहमन की गोद में बैठी हुईं दिखाई दे रही हैं। वहीं रोहमन भी सुष्मिता को प्यार से निहारते हुए दिखाई दे रही हैं। वहीं तस्वीर में सुष्मिता की दोनों बेटियां रिने और एलिजा भी दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर के बाद से दोनों की शादी की खबरें तेजी से आने लगी। अब इन सबके बाद सुष्मिता ने अपनी दिल की बात कही है। सुष्मिता ने एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह वे एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने लिखा – ष्जब दुनिया कयास लगाती है, मैं ट्रेन होती हूं। यब सब गॉसिप व्यर्थ हैं। अभी शादी का इरादा नहीं है। लाइफ का रोमांस चल रहा है। पर्याप्त कह चुकी हूं। अपना सच बयां कर रही हूं। सभी को प्यार। बता दें कि सुष्मिता भले ही इन दिनों बड़े पर्दे से दूर है लेकिन अपने अफेयर और अपने लुक्स की वजह से वो काफी चर्चा का विषय बनी रहती हैं। सुष्मिता सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी बात को बड़ी बेबाकी से कहती हैं। सुष्मिता सिंगल मदर हैं। उन्होंने 2 बेटियां अडोप्ट की हैं रिनी और अलिसाह सेन। वह अपनी बेटियों के साथ फोटो अपलोड करती रहती हैं।

भारतीय फिल्म उद्योग को प्रभावित कर रहा है नेटफ्लिक्स : माधुरी दीक्षित

आलोचक नेटफ्लिक्स की भारतीय सामग्री की इसके प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में मुख्यधारा के जैसे नहीं होने के कारण अकसर आलोचना करते हैं, लेकिन अभिनेत्री माधुरी दीक्षित का मानना है कि इसने भारतीय फिल्म उद्योग को बाधित किया है। सी व्हाट नेक्सट, एशिया समारोह के दौरान यहां एक पैनल चर्चा में माधुरी ने कहा, ''मेरा मानना है कि स्टार हमेशा स्टार होते हैं लेकिन यह एक नया और बड़ा बदलाव है जहां आप व्यवस्था को बाधित करते हैं और नेटफ्लिक्स यही कर रहा है।''51 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि नेटफ्लिक्स अपने उपयोगकर्ताओं को घर बैठे विकल्प मुहैया करा रहा है। अभिनेत्री ने अपनी मराठी फिल्म 'बकेट लिस्ट' और इस पर हॉलीवुड में बनी फिल्म नेमसेक का हवाला दिया। नेमसेक में जैक निकोलसन और मॉर्गन फ्रीमैन मुख्य भूमिका में थे। उन्होंने कहा, ''बात यह है कि लोग जब चाहें, जो चाहे वो चुन सकते हैं। मैने हाल में 'बकेट लिस्ट' की और जब मैने इसे टाइप किया तो उसने मुझे जैक निकोलसन और फ्रीमैन की बकेट लिस्ट का विकल्प प्रस्तुत किया। तो आपके पास विकल्प, शैलियों और जो भी आपको पसंद है, यहां तक कि सुझाव भी उपस्थित हैं। यह एक विघटनकारी है। मुझे लगता है कि यह लंबा चलेगा। सिनेमा हमेशा वहां रहेगा लेकिन नेटफ्लिक्स आपको स्वतंत्रता देता है कि आप जो चाहें बना सकते हैं।''माधुरी जल्द ही मराठी में निर्मित अपनी '15 अगस्त' नामक फिल्म से नेटफ्लिक्स के साथ पर्दापण करेंगी। व्यंग्यात्मक फिल्म में मुंबई के एक चॉल की कहानी है जो मध्य वर्गीय भारतीय के संघर्ष पर आधारित है।

लाखों का है ईशा और आनंद की शादी का कार्ड, कीमत जान लगेगा झटका

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चौयरमैन मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी 12 दघ्सिंबर को आनंद पीरामल से शादी करेंगी। इस शादी में परिवारवालों द्वारा छोटी–बड़ी चीज का खास इंतजाम किया जा रहा है। बीते दिन ही ईशा और आनंद की शादी के कार्ड की पहली झलक सामने आई थी। यह शादी शाही अंदाज में होगी, इस बात का अंदाज वेडघ्गि कार्ड को देखकर लगाया जा सकता है। शादी

का कार्ड परांपरिक अंदाज में रॉयल लुक देते हुए बनाया गया है। इस कार्ड की कीमत जानकार आप हैरान हो जाअंगे। दरअसल, इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक इस कार्ड में सोने से कढ़ाई की गई है। यह आमंत्रण पत्र आम कार्ड जैसा नहीं है बल्कि एक बॉक्स जैसा बनाया गया है। इसे खोलने पर सबसे पहले आपको आईए लिखा दिखता है, जिसका अर्थ है ईशा–आनंद। मेन बॉक्स में एक डायरी है, जिसमें शादी का आमंत्रण दिया गया है और तमाम जानकारियां शामिल हैं। पिंक कलर के बॉक्स पर सोने से कढ़ाई की गई है। इसे खोलने पर गायत्री मंत्र बजता है। इसके भीतर 4 अन्य छोटे बॉक्स हैं, जिनमें गायत्री देवी की मढ़ी हुई तस्वीरें हैं। दूसरे बॉक्स में मोती की माला रखी हुई है। इस शाही अंदाज में बने एक कार्ड की कीमत तकरीबन 3 लाख रुपये बताई जा रही है।

इस एक्ट्रेस ने 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' का उड़ाया मजाक, कहा– आमिर ने इस स्क्रिप्ट को हां क्यूं कहा...

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान की स्टारर फिल्म ठग्स ऑफ हिंदोस्तान औंधे मुंह गिरी है। सोशल मीडिया पर भी लोग फिल्म का जमकर मजाक उड़ा रहे हैं। हाल ही में अब एक्ट्रेस सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने भई अपने ट्विटर अकाउंट पर खाली थिएटर की एक तस्वीर शेयर की है। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि अभी ठग्स ऑफ हिंदोस्तान देख रह हूं। मुझे डर लग रहा है। पहले कभी अकेले फिल्म नहीं देखी। इतना ही नहीं सुचित्रा ने फिल्म देखने के बाद एक फाइनल रिव्यू भी ट्वीट किया। उन्होंने कहा, ठीक है, ये रहा ठग्स ऑफ हिंदोस्तान का मेरा फाइनल रिव्यू। मैं इस बात से पूरी तरह हैरान हूं कि आमिर ने इस स्क्रिप्ट को हां कहा। उन्होंने हमें भारत की कुछ समझदार और बेहतरीन फिल्में दी हैं। उनका ये ट्विटर पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इसे साढ़े चार सौ से ज्यादा रीट्वीट्स भी मिल चुके हैं। वहीं सोशल मीडिया पर लोग अपनी–अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। बता दें कि सुचित्रा साल 1994 में आई फिल्म 'कभी हां कभी न' में शाहरुख खान के साथ नजर आई थीं। फिल्म की बात करें तो ठग्स ऑफ हिन्दोस्तान को विजय कृष्णा आचार्य ने डायरेक्ट किया है। फिल्म करीब 5000 स्क्रीन्स पर रिलीज हो हुई है। इतना ही नहीं फिल्म को दुनिया भर में 7000 स्क्रीन्स मिले हैं। फिल्म में आमिर खान के अलावा अमिताभ बच्चन, कैटरीना कैफ, फातिमा सना शेख जैसे कई पॉपुलर स्टार हैं। आमिर की ठग्स ऑफ हिंदोस्तान को उनकी बाकी फिल्मों की तरह तारीफें नहीं मिली हैं। फिल्म के रिलीज होने से पहले इसका जबरदस्त क्रेज था, लेकिन रिलीज होने के बाद क्रिटिक्स ने भी फिल्म का कुछ खास रिव्यू नहीं दिया है।

कुछ इस अंदाज में रणवीर सिंह के लिए तैयार होगीं दीपिका, दो रीति रिवाजों से होगी शादी

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह 14 और 15 नवंबर को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। वहीं अब दोनों शादी के लिए इटली रवाना भी हो चुके हैं। दोनों इटली के लेक कोमो में शादी रचाएंगे। शादी में दीपिका क्या पहनेंगी इस बात को लेकर भी कई किस्म के कयास लगाए जा रहे हैं तो चलिए जानते हैं कि दीपिका की शादी में वह कैसी नजर आएंगी।

दीपिका की शादी दो तरीकों से होगी। पहली कोंकणी रिवाजों के मुताबिक और दूसरी सिंधी रिवाजों के मुताबिक क्योंकि रणवीर सिंधी हैं इसलिए यह शादी दो अलग–अलग रीति रिवाजों से हो रही है।

कोंकणी रीति रिवाजों से होने वाली शादी के गेटअप की बात करें तो इस दौरान दीपिका साड़ी और सोने के आकर्षक आभूषण पहनने की खबरें हैं। वहीं सिंधी

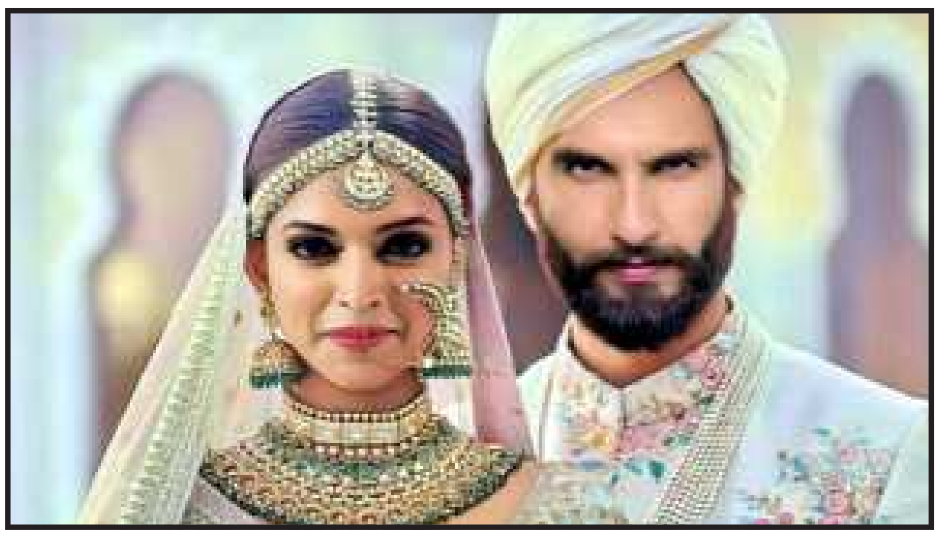

रीति–रिवाजों से होने वाली शादी की तो इस शादी में दीपिका लहंगा पहनेंगी। इस लहंगे का कलर गुलाबी और पर्पल बताया जा रहा है जिसके साथ वह रीगल जड़ाऊ नेक्लेस पहनेंगी। खबरों के मुताबिक यह कुछ इसी तरह का नेक्लेस जिसे हम दीपिका को फिल्म पद्मावत के जौहर सीन में पहने देख चुके हैं। इसके साथ ही वह मांग टीका और नथ भी पहनेंगी। जहां तक उनके फैशन डिजाइनर की बात है तो यह खबर आ चुकी है कि दीपिका के कपड़े सब्यसांची डिजाइन करेंगे। इतना ही नहीं खबरें ऐसी भी हैं कि इस शादी में दीपिका रेड कलर का शादी का जोड़ा नहीं बल्कि कलरफुल कपड़े पहने नजर आ सकती हैं। वहीं सुनने में आ रहा है कि दीप–वीर की शादी के लिए बनाई गई मेहमानों की लिस्ट काफी छोटी है। दोनों अपने परिवार और खास दोस्तों के बीच ही शादी से जुड़ी रस्में अदा करने वाले है। इतना ही नहीं इनके शादी के वेन्यू पर मोबाइल फोन ले जाना भी अलाउड नहीं है। रणवीर के साथ–साथ दीपिका भी चाहती है कि इनकी शादी की तस्वीरें लीक ना हो। सूत्रों के मुताबिक दीपिका और रणवीर इटली के लेक कोमो में शादी करने के बाद मुंबई और बैग्लुरु में ग्रैंड रिसेप्शन देने वाले हैं।

बॉक्स ऑफिस : पर पहले दिन Thugs Of Hindostan की तूफानी कमाई, बनाए इतने रिकॉर्ड

मुंबई। आमिर खान और अमिताभ बच्चन ने पहली बार पर्दे पर साथ आकर इतिहास बना दिया है। दोनों कलाकारों की फिल्म ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' ने धमाकेदार ओपनिंग लेते हुए पिछले सारे रिकॉर्ड्स तहस–नहस कर दिये हैं। ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' ने किसी त्योहार के मौके पर रिलीज होने वाली फिल्मों में सबसे बड़ी ओपनिंग ली है। दिवाली के एक दिन बाद 8 नवंबर को रिलीज हुई ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल थी और ओपनिंग से लग रहा है कि लोगों को फिल्म का वाकई इंतजार था। रिलीज से पहले फिल्म की ओपनिंग घ्40 करोड़ के आस–पास रहने का अनुमान लगाया जा रहा था, मगर निर्माताओं द्वारा जारी किये गये अंतिम आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने रु52.25 करोड़ की धमाकेदार ओपनिंग ली है। यह कलेक्शन तीनों भाषाओं हिंदी, तमिल और तेलुगु की रिलीज को मिलाकर है। तमिल और तेलुगु में फिल्म को घ्1.50 करोड़ मिला है, जबकि सिर्फ हिंदी भाषाई वर्जन ने रु50.75 करोड़ जमा किये हैं। आंकड़ों के नजरिए से यह पिछले 40 सालों में बेस्ट दिवाली रिलीज बताई जा रही है। रिकॉर्ड्स बुक में कुछ इस तरह दर्ज हुई है ठग्स ऑफ हिंदोस्तान

ठग्स ऑफ हिंदोस्तानश ना सिर्फ इस साल की, बल्कि भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली फिल्म बन गयी है। अब तक यह रिकॉर्ड शाह रुखघ् खान के पास है, जिनकी फिल्म श्हैप्पी न्यू ईयरश ने रु44.97 करोड़ का कलेक्शन पहले दिन किया था। यह फिल्म भी दिवाली के मौकघ्े पर आयी थी। दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड तेलुगु फिल्म 'बाहुबली2– द कंक्लूजन' के हिंदी वर्जन के नाम है, जो पिछले साल अप्रैल में रिलीज हुई थी और रु41 करोड़ की शानदार ओपनिंग ली थी, जबकि अभी तक तीसरे स्थान पर सलमान खान की फिल्म रुप्रेम रतन धन पायो' है, जिसने रु40.35 करोड़ का कलेक्शन पहले दिन किया था। यह फिल्म भी दिवाली पर ही रिलीज हुई थी।अगर 2018 की बात करें तो टॉप 5 ओपनिंग कलेक्शंस इस प्रकार हैं।

3. आमिर ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड

आमिर की अपनी भी यह सबसे बड़ी ओपनिंग है। अगर आमिर की पिछली फिल्मों के ओपनिंग कलेक्शंस पर गौर करें तो 'धूम3' ने रु36.22 करोड़ जमा किये थे, जबकि दंगल को रु29.78 करोड़ पहले दिन मिले थे। वहीं, पीके रु26.63 करोड़, तलाश घ्13.50 करोड़ और 3 ईडियट्स रु12.78 करोड़ पर रही थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कघ्रीब 240 करोड़ की लागत से बनी ठग्स ऑफ हिंदोस्तान के डिजिटल राइट्स ही रु150 करोड़ में बिके हैं। अब तक यह रिकॉर्ड सलमान खान की फिल्म रेस3 के नाम था, जिसके डिजिटल राइट्स करीब रु130 करोड़ में बेचे गये थे।ठग्स ऑफ हिंदोस्तानश का रन टाइम यानि फिल्म की अवधि 2 घंटा 44 मिनट और 30 सेकंड है। भारत में फिल्म 5000 स्क्रींस पर रिलीज की गयी, जिनमें से 4500 से कुछ अधिक स्क्रींस सिर्फ हिंदी भाषा के लिए हैं, जबकि बाकी स्क्रींस तमिल और तेलुगु भाषा के लिए एलॉट की गयी हैं। ओवरसीज में 2000 स्क्रींस पर फिल्म उतारी गयी है। यह अब तक की सबसे बड़ी रिलीज है।

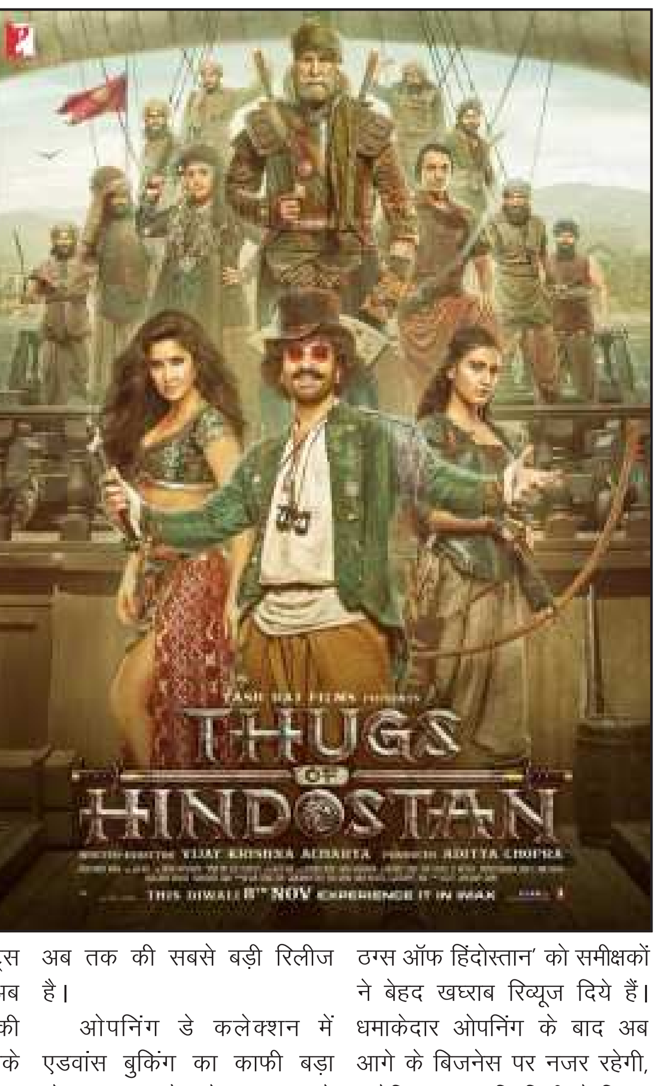

ओपनिंग डे कलेक्शन में एडवांस बुकिंग का काफी बड़ा योगदान रहा है, जो 4 नवंबर से ही शुरू हो गयी थी। ट्रेड सूत्र बताते हैं कि लगभग दो लाख टिकटों की एडवांस बिक्री से ही फिल्म घ्27.50 करोड़ की रकम हासिल कर चुकी है । एडवांस बुकिंग से होने वाली यह तीसरी सबसे बड़ी कमाई है। इससे आगे श्बाहुबली2– द कंक्लूजनश और श्एवेंजर्स इनफिनिटी वॉरश हैं, जिनकी दीवानगी पूरे देश में देखी गयी थी। खघस बात यह है कि ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' को समीक्षकों ने बेहद खघ्राब रिव्यूज दिये हैं। धमाकेदार ओपनिंग के बाद अब आगे के बिजनेस पर नजर रहेगी, क्योंकि माउथ पब्लिसिटी से फिल्म का कारोबार प्रभावित होने की आशंका जतायी जा रही है। यशराज फिल्म्स निर्मित ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' को विजय कृष्ण आचार्य ने डायरेक्ट किया है, जो इससे पहले आमिर खान के साथ श्धूम 3श जैसी कामयाब फिल्म बना चुके हैं।इस पीरियड फिल्म की कहानी ब्रिटिश हुकूमत के दौर की है। अमिताभ बच्चन एक फ्रीडम फाइटर के रोल में हैं, जिसने

ठग्स ऑफ हिंदोस्तान–	रु52.25	करोड़
संजू–	रु34.75	करोड़
रेस3–	रु29.17	करोड़
गोल्ड–	रु25.25	करोड़
बागी2–	रु25.10	करोड़

समंदर के जरिए ब्रिटिश हुक्मरानों की नाक में दम किया हुआ है। आमिर खान एक ठग के रोल में है, जिसे ब्रिटिश अमिताभ को खघ्त्म करने के लिए भेजते हैं। कटरीना कैफ और फातिमा सना शेखघ् फीमेल लीड रोल्स में हैं। फिल्म में पानी के जहाजों पर लड़ाई के कई हैरतअंगेज मंजर नजर आने वाले हैं। त्योहार के मौकघ्े पर फिल्में रिलीज करने का चलन हमेशा से है। त्योहारों के आस–पास हंसी–खघ्ुशी का जो माहौल रहता है, वो फिल्म व्यवसाय के लिए उत्प्रेरक का काम करता है। इस दौरान रिलीज होने वाली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करती रही हैं। एक पहलू यह भी है कि दिवाली जैसे बड़े त्योहार पर अधिकतर बड़े बजट की फिल्मों को रिलीज किया जाता है, जिसके चलते छोटी फिल्मों को मौकघ् नहीं मिल पाता। अगर पिछले 5 सालों में रिलीज हुई फिल्मों की बात करें तो दिवाली ने किसी को निराश नहीं किया है। अधिकतर फिल्में सफल रही हैं।

2017 में दिवाली के मौकघ्े पर 19 अक्टूबर को आमिर खान निर्मित श्सीक्रेट सुपरस्टारश रिलीज हुई थी। अद्वैत चंदन निर्देशित फिल्म में मुख्य भूमिका दंगल गर्ल जायरा वसीम ने निभायी थी, जबकि आमिर स्पेशल एपीयरेंस में ही थे। फिल्म में आमिर का एक्सटेंडेट कैमियो था। फिल्म ने घ्4.80 करोड़ की ओपनिंग ली और घरेलू बॉक्स ऑफिस पर घ्63.40 करोड़ का शानदार कलेक्शन करके हिट रही। वहीं 4 महीने बाद जब चीन में रिलीज हुई तो फिल्म ने घ्750 करोड़ का अभूतपूर्व कलेक्शन किया। इसके साथ अजय देवगन की श्गोलमाल अगेनश रिलीज हुई जो रोहित शेट्टी की ब्लॉकबस्टर गोलमाल सीरीज का चौथा भाग थी। घ्30.14 करोड़ की ओपनिंग लेकर फिल्म ने रु205.69 करोड़ का लाइफ टाइम कलेक्शन किया था। इस फिल्म ने अजय देवगन को 200 करोड़ क्लब में एंट्री दिलवायी थी। 2016 में करण जौहर की श्ऐ दिल है मुश्किलश और अजय देवगन की श्शिवायश दिवाली के मौके पर रिलीज हुई थीं।

इस क्लैश को लेकर काफी हंगामा भी रहा। श्ऐ दिल है मुश्किलश ने पहले दिन रु13.30 करोड़ जमा किये और रु112.48 करोड़ का लाइफ टाइम कलेक्शन किया था। वहीं, 'शिवाय' ने घ्10. 24 करोड़ की ओपनिंग ली और रु100.33 करोड़ का कुल कलेक्शन किया था।

खान परिवार के रंग में रंगी अरबाज की खास दोस्त, ऐसे मनाई दिवाली

मुंबई। पिछले कुछ दिनों से आप बॉलीवुड सेलेब की दिवाली पार्टीज की कई तस्वीरें देख रहे होंगे। शाह रुख खान, करण जौहर, शिल्पा शेट्टी और अब दिवाली पार्टी की महफिल सजी सलमान खान की बहन अर्पिता खान के घर। बीती रात बॉलीवुड के कई सेलेब्स सज धज कर पहुंचे अर्पिता के घर। इस सेलिब्रेशन की हाईलाइट थी अरबाज खान की खास दोस्त। जी हां, इन दिनों अरबाज को अभिनेत्री जॉर्जिया एंड्रीआनी के साथ खूब हैंगआउट करते देखा जा रहा है। मूवी और डिनर डेट्स से लेकर अब ये दोनों हाथों में हाथ डाले बॉलीवुड पार्टीज में भी नजर आने लगे हैं। बता दें कि जॉर्जिया खान परिवार के भी बेहद करीब आ गई हैं और उनके साथ कई बार क्वालिटी टाइम बीताते दिखाई दी हैं। हाल ही में अरबाज जॉर्जिया के साथ शिल्पा शेट्टी के घर दिवाली पार्टी में दिखाई दिए और अब अर्पिता के घर हुई दिवाली पार्टी में भी जॉर्जिया इंडियन ड्रेस में अरबाज के साथ नजर आईं। अरबाज ने पिछले साल ही अपनी पत्नी और अभिनेत्री मलाईका अरोरा को तलाक दिया है। और अब कहा जा रहा है कि मलाईका अभिनेता अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं। यही नहीं, दोनों की शादी की खबरें भी बॉलीवुड बाजार में फैल रही हैं। दूसरी तरफ, लग रहा है कि अरबाज को भी अपना साथी मिल गया है। जल्द ही फिल्म श्भारतश में नजर आने वाले सलमान इस पार्टी में बहन अर्पिता, पिता सलीम खान और मां हेलन के साथ तस्वीरों के लिए पोज देते नजर आएं। ईद, होली, गणपति, दिवाली... सलमान हर त्यौहार को अपने परिवार के साथ ही मनाते हैं।शिल्पा शेट्टी भी अपने पति राज कुंद्रा, बहन शमिता शेट्टी और मां के साथ इस पार्टी में शामिल थीं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित
संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।
इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार "सत्य" माना जायेगा।
संपादक
crimereview2012@gmail.com
मो: 9454552222